हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

रायपुर, रविवार 17 नवंबर 2024

Follow Us On
@Sahelijewellers

2 Years ANNIVERSARY

धन्यवाद छत्तीसगढ़

Scan Here

द्वितीय वर्षगाँठ उत्सव

16 से 22 नवंबर 2024

FIRST AND BIGGEST
Designer Jewellery Showroom

सहेली ज्वैलर्स

RAIPUR | DURG

सही शुध्दता - सही सलाह - सही कीमत - सर्वश्रेष्ठ डिजाइन्स

फ्लैट 5% मेकिंग चार्जेस 22 कैरेट सोने के आभूषणों पर हीरे एवं पोलकी के आभूषणों पर

फ्लैट 10% मेकिंग चार्जेस 22 कैरेट सोने के डिजाइनर आभूषण पर

TEAM CREATIVE ADVERTISERS

Gold | Diamond | Polki | Jadau | Antique | Platinum | Silver

*T&C APPLY

Fishtech Solutions

100% HUID हॉलमार्क ज्वेलरी। | 100 % IGI सर्टिफाइड डायमंड ज्वेलरी | 1,00,000 + डिजाइन्स की उत्कृष्ट रेंज | 100% लाइफटाइम बाय बैक गारंटी | SUNDAY OPEN

Raipur, Sadar Bazaar 95844-11144 | Durg, Shree Shivam Mall 93998-09928

खबर संक्षेप

फिल्म 'अमरण' दिखा रही टॉकीज में फेंके पेट्रोल बम

तिरुनेलवेली। कुछ अज्ञात बदमाशों ने शनिवार सुबह एक सिनेमा हॉल पर पेट्रोल बम फेंके जहां अभिनेता शिवकार्तिकेयन की फिल्म 'अमरण' दिखायी जा रही थी। घटना की जांच कर रही पुलिस ने बताया कि इस घटना में कोई हताहत नहीं हुआ। हिंदू मुन्नानी संगठन ने कहा कि कट्टरपंथी संगठनों ने इससे पहले अशोक चक्र से सम्मानित मेजर मुकुंद वरदराजन की जीवनी 'अमरण' के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया था।

हथेली से छोटा साइज, 33 ग्राम वजन, आर्मी का ड्रोन बिल से खोज निकालेगा आतंकी

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भारतीय सेना ने भी इजरायल जैसी ड्रोन तकनीक का इस्तेमाल करना शुरू कर दिया है। जम्मू-कश्मीर में भारतीय सेना की इकाइयों द्वारा इस्तेमाल किए जाने वाले हथेली के आकार के ड्रोन ब्लैक हॉर्नेट सेना के लिए काफी मददगार साबित होंगे। कीट के आकार वाला यह ड्रोन सैनिकों को आतंकवाद विरोधी अभियानों के दौरान गुप्त रूप से खुफिया जानकारी एकत्र करने, इमारतों के अंदर से लाइव विजुअल भेजने या गोलीबारी के दौरान चुपचाप सटीक लक्ष्यों की जानकारी दे सकता है। बता दें कि इजरायल ऐसे ही माइक्रो ड्रोन का इस्तेमाल करके अपने दुश्मनों का खात्मा करता है।

इन खूबियों से है लैस

वजन की बात करें तो यह महज 33 ग्राम का है लेकिन अविश्वसनीय रूप से बहुत शक्तिशाली है। इसमें एक बहुत ही ताकतवर फ्रंट कैमरा लगा हुआ है जो पूरी तरह से कलर और हाई डेफिनेशन है। यह रियल टाइम की लाइव तस्वीरें वापस भेजता है। इसलिए भले ही इसकी रेंज लगभग दो किलोमीटर है, लेकिन इसका उपयोग करने वालों ने बताया कि 100, 200 मीटर वह आदर्श रेंज है जिस पर इसका उपयोग किया जाता है क्योंकि इसे मूल रूप से महज खिड़की के माध्यम से फेंका जाता है।

ब्लैक हॉर्नेट नैनो ड्रोन की नजरों से नहीं बच सकेंगे आतंकवादी

लाइव तस्वीरें भेजता है ड्रोन

इस ड्रोन्स की खासियत की है यह सुनिश्चित कर सकते हैं कि घर के अंदर पकड़े गए लोग वास्तव में वे लोग हैं जिनकी तलाश सेना या विशेष बलों को है। खिड़की के अंदर जाकर यह बाहर लाइव फीड या तस्वीरें भेजता है। फिर सेना, विशेष बल, कमांडो आगे की रणनीति तय करते हैं।

महज 33 ग्राम है वजन : कीट आकार के इस ड्रोन को ब्लैक हॉर्नेट कहा जाता है जिसका वजन सिर्फ 33 ग्राम है। यह नॉर्वे का है जो बहुत महंगा है। यह मूल रूप से एक छोटा सा हेलीकॉप्टर जैसा है जिसमें ट्विन रोटर लगे हुए। इसकी रेंज करीब दो किलोमीटर की है। इनका इस्तेमाल वर्तमान में भारतीय सेना की राष्ट्रीय राइफल्स और विशेष बल कर रहे हैं।

खिड़की-दरवाजे से अंदर जा सकते हैं

इसमें छोटा सा एंटीना लगा है जिसे आप आसानी से हाथ से नियंत्रित कर सकते हैं। ये ड्रोन्स किसी कमरे में घुसकर वहां की जानकारी ले सकते हैं। इसके अलावा बंधक बचाव, आतंकवाद विरोधी जैसे अभियानों के लिए यह बहुत ही अहम हैं, जहां बड़े ड्रोन का उपयोग करना बहुत मुश्किल हो जाता है। ये खिड़की या दरवाजे से अंदर घुसकर लक्ष्यों की पहचान कर सकते हैं। यह सुनिश्चित कर सकते हैं कि घर के अंदर पकड़े गए लोग वास्तव में वे लोग हैं जिनकी तलाश सेना या विशेष बलों को है।

असम में कुकी समुदाय पर पुलिस का लाठीचार्ज, मंत्री और विधायक के घर पर हमला

मारे गए 10 उग्रवादियों का शव लेने अड़े कुकी समुदाय ने की पत्थरबाजी, लाठीचार्ज के बाद कर्फ्यू

एजेंसी ▶▶ सिल्चर

मणिपुर के जिरीबाम जिले में सुरक्षा बलों के साथ मुठभेड़ में मारे गए 10 उग्रवादियों के परिजन उनके शव मांगने के लिए असम के सिलचर मेडिकल कॉलेज अस्पताल पहुंचे कुकी समुदाय के लोगों और पुलिस के बीच विवाद हो गया। असम पुलिस ने उन्हें समझाने की कोशिश की कि शव मणिपुर पुलिस को सौंपे जाएंगे, लेकिन परिजन शव वहीं सौंपे जाने की मांग करते हुए पत्थरबाजी पर उतर आए। इसके बाद पुलिस ने प्रदर्शनकारियों पर लाठीचार्ज किया, जिसके बाद हालात काबू में आए। परिजन मणिपुर पुलिस से शव लेने पर सहमत हुए। इसके बाद शवों को मणिपुर के चुराचांदपुर एयरलिफ्ट किया गया। हिंसा को देखते हुए सात जिलों में इंटरनेट पर दो दिन पाबंदी व पांच जिलों में कर्फ्यू लगाया गया है। मंत्री और विधायक के घर पर भीड़ ने हमला किया।

अस्पताल में पथराव और लाठीचार्ज के बाद भारी अफरातफरी मच गई। इसके बाद पुलिस ने भीड़ का नियंत्रित किया। असम के पुलिस महानिरीक्षक ने प्रदर्शनकारियों से बात की जिसके बाद वे माने। पुलिस ने कुकी समुदाय के लोगों की भावनाओं का सम्मान करते हुए केवल शवों को उनके रीति रिवाज अनुसार कंधा देने का अवसर दिया।

क्या है पूरा मामला

बता दें कि 11 नवंबर की मुठभेड़ में मारे गए 10 कुकी उग्रवादियों के शव को 12 नवंबर को असम के सिलचर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल लाया गया था। अगले दो दिनों में सभी शवों का पोस्टमॉर्टम किया गया। जिरीबाम और असम के करीब 400 स्थानीय लोग 12 नवंबर से ही अस्पताल के सामने डेरा डाले रहे। ये लोग शवों को उन्हें सौंपने की मांग पर अड़े थे। मृतकों के परिवार यहां नहीं आ सकते, इसलिए उन्हें सौंपने की मांग कर रहे थे।

सात जिलों में इंटरनेट बैन, पांच में कर्फ्यू

विरोध प्रदर्शन के चलते मणिपुर के सात जिलों में शनिवार शाम 5:15 बजे से दो दिन के लिए इंटरनेट बैन कर दिया गया है। ये जिले हैं- इंफाल ईस्ट, इंफाल वेस्ट, बिष्णुपुर, थौबल, काकचिंग, कांगपोकपी और चुराचांदपुर। वहीं, पांच घाटी जिलों में कर्फ्यू लगाया गया है।

असम में ऐसी हिंसा की अनुमति नहीं देंगे : पुलिस अधीक्षक

कछार के पुलिस अधीक्षक (एसपी) नुमाल महत्ता ने कहा, 'यह मणिपुर नहीं है, यह असम है और हम इस तरह की हिंसा की अनुमति नहीं देंगे। शव मणिपुर से आए हैं और उन्हें मणिपुर के चुराचांदपुर भेजना हमारा कर्तव्य है। अगर आप अंतिम संस्कार में शामिल होना चाहते हैं, तो आप वहां जा सकते हैं।

अगवा किए गए लोगों के मिल रहे शव

बता दें कि इससे पहले शुक्रवार को बराक नदी में तीन शव मिलने के बाद घाटी में विरोध प्रदर्शन तेज हो गया है। शवों में एक आठ महीने का बच्चा भी शामिल था। इससे पूर्व 11 नवंबर को सीआरपीएफ और पुलिस के साथ मुठभेड़ के दौरान सशस्त्र उग्रवादियों ने 6 लोगों को अगवा किया था। इनमें से तीन के शव मिलने के बाद तीन विधायकों के घरों में आगजनी और तोड़फोड़ की घटनाएं भी सामने आईं।

आज शव ले जाना था मणिपुर

मुठभेड़ में मारे गए 10 कुकी उग्रवादियों के शवों को पोस्टमॉर्टम के बाद आज मणिपुर ले जाना था। शनिवार सुबह करीब 10 बजे, असम के कुछ वरिष्ठ पुलिस अधिकारी अतिरिक्त बल के साथ अस्पताल पहुंचे और शवों को एयरलिफ्ट करने मुर्दाघर से बाहर निकालने की प्रक्रिया शुरू करने लगे तभी प्रदर्शनकारियों ने विवाद कर दिया और पत्थरबाजी करने लगे जिस पर पुलिस ने लाठी चार्ज किया।

महाराष्ट्र में पकड़ाई 80 करोड़ की 8,476 किलो चांदी

एजेंसी ▶▶ मुंबई

महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव के बीच मुंबई पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने चुनाव के मद्देनजर तलाशी के दौरान 80 करोड़ रुपए चांदी जब्त की है। इसका वजन 8,476 किलो है जिसे आरोपी ट्रक में भरकर ले जा रहे थे। पुलिस ने ट्रक ड्राइवर को हिरासत में ले लिया गया है। मानखुर्द पुलिस ने चेकिंग के दौरान यह रिकवरी की गई है। जानकारी के अनुसार, विधानसभा चुनाव के मद्देनजर मानखुर्द पुलिस द्वारा वाशी चेक नाके के पास वाहनों की तलाशी अभियान चलाया जा रहा था। इसी दौरान ट्रक पुलिस को देखकर भागने की कोशिश करने लगा। तभी पुलिसकर्मियों ने उसे रोककर उसकी तलाशी ली। तलाशी के दौरान पुलिस को ट्रक में आठ हजार किलो से ज्यादा की चांदी मिली, जिसकी कीमत लगभग 80 करोड़ रुपए बताई जा रही है। पुलिस ने ड्राइवर व एक अन्य को हिरासत में लिया।

हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

रायपुर, रविवार 17 नवंबर 2024

भाजपा की सदस्यता परीक्षा...

सांसद दस हजार तक भी नहीं पहुंचे

- प्रदेश के मुख्यमंत्री और सभी मंत्रियों ने किया लक्ष्य पूरा
- तोखन साहू, रूप कुमारी चौधरी और चिंतामणि महराज लक्ष्य पूरा करने वाले सांसद
- पुरंदर मिश्रा लक्ष्य पूरा करने वाले राजधानी के पहले विधायक
- लक्ष्य पूरा करने के लिए अब 22 नवंबर तक का समय

राजकुमार ग्वालानी ▶▶| रायपुर

इसी के साथ प्रदेश के एक दर्जन विधायक भी अपना दस हजार का लक्ष्य पूरा नहीं कर सके हैं। इनमें राजधानी रायपुर के दो विधायक राजेश मूणत और मोतीलाल साहू भी शामिल हैं। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने अपने रायपुर प्रवास में इस मामले में नाराजगी भी जताई थी। इसके बाद वे एक बार लक्ष्य पूरा न करने वालों की ऑनलाइन क्लास भी ले चुके हैं, पर फिर भी कई सांसदों और विधायकों ने सदस्यता ▶▶| शेष पेज 2 पर

अलग खबर

आठ सांसद फेल, 50 फीसदी भी नहीं बना पाए, एक राज्यसभा सांसद ने बनाए 424

रायपुर के विधायक भी फिसड्डी

प्रदेश में भाजपा के 54 विधायक हैं। इनमें से मुख्यमंत्री और सभी मंत्रियों के साथ विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह सहित 40 से ज्यादा विधायकों ने अपना लक्ष्य पूरा कर लिया है। करीब एक दर्जन विधायक अब भी अपना लक्ष्य पूरा नहीं कर पाए हैं। इसमें राजधानी रायपुर के भी दो विधायक राजेश मूणत और मोतीलाल साहू शामिल हैं। रायपुर उत्तर के विधायक पूरंदर मिश्रा ने अपना लक्ष्य पूरा कर लिया है।

तीन सांसद ही कर सके लक्ष्य पूरा

प्रदेश में भाजपा के 10 लोकसभा और एक राज्यसभा सांसद हैं। इसमें से तीन सांसद ही अपना लक्ष्य पूरा सके। सबसे पहले केंद्रीय मंत्री और बिलासपुर के सांसद तोखन साहू ने 20 हजार का लक्ष्य पूरा किया। इसके बाद महासमुंद की सांसद और सदस्यता अभियान समिति की सदस्य रूपकुमारी चौधरी ने लक्ष्य पार किया और फिर सरगुजा के सांसद चिंतामणी महाराज लक्ष्य पूरा करने वाले तीसरे सांसद बने।

किस सांसद के खाते में कितने सदस्य

हरिभूमि की खबर पर मुहर, कार्यवाही के लिए स्वास्थ्य मंत्री की कमेटी की जांच हो चुकी पूरी

कमेटी ने कहा, दवा निगम ने बिना मांग 650 करोड़ के उपकरण, दवाएं खरीदीं, रिपोर्ट सरकार के हवाले

बिना डिमांड प्राथमिक स्तर के स्वास्थ्य केंद्रों में गैर जरूरी उपकरण और रीएजेंट भेजकर करोड़ों की गड़बड़ी के मामले में हरिभूमि की खबर पर मुहर लग गई है। दोषियों पर कार्यवाही के लिए स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल द्वारा बनाई गई जांच कमेटी की रिपोर्ट मंत्री श्यामबिहारी जायसवाल और विभागीय अफसरों के टेबल तक पहुंच चुकी है।

विकास शर्मा ▶▶| रायपुर

रिपोर्ट में इस गड़बड़ी के लिए दवा कार्पोरेशन यानी सीजीएमएससी के तात्कालीन अफसरों को दोषी पाया गया है। रिपोर्ट पर उच्च स्तर पर अध्ययन चलने की चर्चा जिसके बाद आगे की कार्यवाही की जाएगी।

खास खबर

सीजीएमएससी के तात्कालीन अफसरों के साथ मिलीभगत कर सप्लायर कंपनियों द्वारा राज्य के विभिन्न प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों के लिए ऐसे उपकरण और रीएजेंट की डिमांड तैयार कराई गई थी जिसकी वहां जरूरत ही ▶▶| शेष पेज 2 पर

उपकरण और रीएजेंट भेजे गए थे हेल्थ सेंटरों में

पड़े-पड़े एक्सपायर

दवा घोटाला के तहत राज्य के 170 सामुदायिक, 750 प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र और 30 जिला अस्पतालों में दवाओं और रीएजेंट की सप्लाई की गई थी। दवाओं और केमिकल का उपयोग था नहीं इसलिए उन्हें डंप कर दिया गया जो पड़े-पड़े सितंबर माह में एक्सपायर हो गए।

हेल्थ सेंटर में भी आपूर्ति

ऐसे रीएजेंट और सीरिंज रायपुर जिला अस्पताल के साथ मंदिर हसौद, लाभांडी, उरला, अभनपुर सहित विभिन्न हेल्थ सेंटरों में दबाव पूर्वक सप्लाई की गई थी। उनमें ट्राइग्लिसराइड्स, स्ट्रोक तथा धमनियों में होने वाले ब्लाकेज रोकने वाले केमिकल थे। इसके साथ ही ▶▶| शेष पेज 2 पर

लाखों का ग्लूकोज भी हो चुका एक्सपायर

सीजीएमएससी के माध्यम से कुछ इसी तरह की सप्लाई डीके अस्पताल में की गई थी। डिमांड से ज्यादा भेजी गई ग्लूकोज की बोतल का उपयोग गंभीर मरीजों के लिए नहीं हो पाया था जिसकी वजह से वे पड़ी-पड़ी खराब हो गई। एक्सपायर हुई ग्लूकोज की कीमत करीबन 27 लाख रुपए थी। इन ग्लूकोज को नष्ट कराने के लिए अभी प्रक्रिया पूरी की जा रही है। इसमें भी बड़ी राशि खर्च होने और काम पूरा करने के लिए संस्था तय करने टेंडर निकाला जाना है।

दो टूक... हमारा गांव, हमारा रेत, हम ही बेचेंगे...

रेत घाट को बेचने के मामले में खुलासा

अफसर गांव नहीं पहुंचे, गांव वालों ने दिया है एक करोड़ से ज्यादा में ठेका

लक्ष्मण लेखवानी के साथ मोहम्मद हसन ▶▶| रायपुर

रायपुर जिले के आरंग ब्लॉक अंतर्गत गौरभाट रेत घाट का ग्रामीणों द्वारा की गई नीलामी का सोशल मीडिया में वायरल हुआ वीडियो सही निकला है, लेकिन अफसरों का दावा झूठा। गौरभाट के ग्रामीणों ने बैठक कर रेत घाट को नीलाम किया था। खबर प्रकाशित होने के बाद खनिज विभाग के अफसरों ने दावा किया था कि जांच के लिए टीम मौके पर भेजी गई है। जांच के बाद कार्रवाई की जाएगी। उसकी पुष्टि के लिए हरिभूमि और आईएनएच की टीम शुक्रवार को ग्राम गौरभाट पहुंची और यहां घाट की नीलामी को लेकर ग्रामीणों से बातचीत की। गांव के बुजुर्ग ▶▶| शेष पेज 2 पर

विशेष खबर

हरिभूमि की लाइव पड़ताल में वायरल हुए वीडियो का सच आया सामने

यह पहली घटना, अफसरों ने साधी चुप्पी

प्रदेश की यह पहली घटना है, जिसमें किसी रेत घाट की नीलामी अवैध रूप से गांव द्वारा कर दी गई है। इधर इस मामले में खनिज विभाग के अफसरों से लेकर संबंधित तहसील कार्यालय के राजस्व अधिकारियों ने भी इस मामले में अब चुप्पी साध ली है। विभाग के जिला अफसरों का कहना है कि इस मामले की जांच की जा रही है, वहीं राजस्व विभाग के अफसरों का कहना है कि यह मामला खनिज विभाग का है, जिस पर कार्रवाई उन्हीं को करनी है।

मैं चुनाव में व्यस्त हूं, खनिज विभाग जांच कर करेगी कार्रवाई

अभी मैं उपचुनाव में व्यस्त हूं, इसलिए इस मामले में मुझे कोई जानकारी नहीं है। इस संबंध में खनिज विभाग को ही जांच कर कार्रवाई करना है। इस मामले में हमारे पास कोई लिखित शिकायत नहीं आई है। शिकायत मिलने पर जांच करेंगे।

पुष्पेंद्र शर्मा, एसडीएम आरंग

जांच कर कार्रवाई के निर्देश दिए गए

इस मामले में जांच करने के निर्देश दिए गए है। जांच के लिए विभाग की टीम के साथ आरंग के एसडीएम तहसीलदार को भी कहा गया है। जांच के बाद ही इस मामले में कार्रवाई कर पाएंगे।

केके गोलघाटे, उपसंचालक खनिज विभाग रायपुर

19 साल बाद हारे माइक टायसन, मिलेंगे 169 करोड़

- 27 साल के जैक पॉल जीते
- 78-74 से यूट्यूबर ने दर्ज की जीत
- 506 करोड़ मैच की प्राइज मनी

आर्लिंगटन। दुनिया के दिग्गज मुक्केबाज माइक टायसन 58 साल की उम्र में अपना पुराना जादू नहीं दिखा पाए। यहां एक बहुप्रचारित मुकाबले में 31 साल छोटे 27 साल के जैक पॉल से हार गए। टायसन 19 साल बाद पेशेवर मुकाबला खेलने के लिए रिंग पर उतरे थे और इसलिए इस मुकाबले को लेकर काफी प्रचार प्रसार किया गया था। जैक ने यह मैच 78-74 से जीता।

चैंपियन ने जीते 338 करोड़

न्यूज एजेंसी के मुताबिक, इस मैच की टोटल प्राइज मनी 60 मिलियन डॉलर यानी 506 करोड़ रुपए थी। मुकाबला जीतने वाले जैक पॉल को 40 मिलियन यानी करीब 338 करोड़ रुपए और माइक ▶▶| शेष पेज 2 पर

हादसे में दूल्हा-दुल्हन समेत सात की मौत

बिजनौर। यूपी के बिजनौर जिले में देहरादून-नैनीताल राजमार्ग पर शुक्रवार देर रात एक कार ने एक टैम्पो को टक्कर मार दी जिससे एक नवविवाहित जोड़े सहित सात लोगों की मौत हो गई। देहरादून-नैनीताल राजमार्ग पर धामपुर थाने के निकट कार ने एक टैम्पो से आगे निकलने के प्रयास में उसे पीछे से तेज टक्कर मार दी जिससे टैम्पो काफी ऊंचा उछल कर बिजली के एक खंभे से टकरा गया। टैम्पो में सवार चार पुरुषों, दो महिलाओं और एक बच्ची सहित एक ही परिवार के छह की मौत हो गई।

दिल्ली में पाबंदियों के बाद भी राहत नहीं

नई दिल्ली। दिल्ली में ग्रैप-3 की पाबंदियों का भी असर नहीं नजर आ रहा है। दिल्ली में शनिवार को लगातार चौथे दिन हवा की गुणवत्ता 'गंभीर' श्रेणी में दर्ज की गई। दिल्ली में सुबह नौ बजे औसत एक्यूआई 407 तो शाम को 4 बजे यह 417 दर्ज किया गया। सुबह 8 बजे राजधानी के दो दर्जन से अधिक जगहों पर प्रदूषण का स्तर गंभीर श्रेणी में दर्ज किया गया। सनद रहे एक दिन पहले 15 नवंबर को राजधानी दिल्ली में शाम 4 बजे प्रदूषण का स्तर 396 दर्ज किया गया था। दिल्ली के 39 निगरानी स्टेशनों में से सीपीसीबी के आंकड़ों से पता चला कि श्री अरबिंदो मार्ग को छोड़कर बाकी 38 निगरानी स्टेशनों पर एक्यूआई का स्तर 400 से ऊपर रिकॉर्ड किया गया।

कथित-प्रचारित 'बुलडोजर न्याय' पर हथौड़ा चला कर सुप्रीम कोर्ट ने शासनों-प्रशासनों को दो टूक संदेश दिया है कि एक्शन के नाम पर मनमानी नहीं चलेगी। देश में संविधान है, कानून का राज है, किसी को भी असंवैधनिक-गैरकानूनी कुछ भी करने का हक नहीं है। सरकारें अपनी विफलता बुलडोजर कार्रवाई की छतरी से नहीं ढंक सकतीं। गत 13 नवंबर को सर्वोच्च न्यायालय ने बुलडोजर कार्रवाई से घर छीनने को मौलिक अधिकार का हनन बताया। शीर्ष कोर्ट ने कहा कि 'कार्यपालिका केवल इस आधार पर किसी व्यक्ति के मकान नहीं गिरा सकती कि वह किसी अपराध में आरोपी या दोषी है। कार्यपालिका किसी व्यक्ति को दोषी नहीं ठहरा सकती। केवल आरोप के आधार पर, यदि कार्यपालिका किसी व्यक्ति की संपत्ति को ध्वस्त करती है, तो यह कानून के शासन पर हमला होगा। कार्यपालिका जज बनकर आरोपी व्यक्ति की संपत्ति को ध्वस्त नहीं कर सकती। इमारत को ध्वस्त करने वाले बुलडोजर का भयावह दृश्य अराजकता की याद दिलाता है। हमारे संवैधानिक लोकाचार इस तरह के कानून के इस्तेमाल की अनुमति नहीं देते।' सुप्रीम कोर्ट ने यह भी कहा कि इस तरह से संपत्तियां ध्वस्त करने वाले सरकारी अधिकारियों को जवाबदेह ठहराया जाना चाहिए। सुप्रीम फैसले व दिशानिर्देश के सभी पहलुओं पर रोशनी डालता आजकल का यह अंक...

हथौड़ा सही, पर कई प्रश्न अनुत्तरित

विश्लेषण

अवधेश कुमार

वरिष्ठ स्तंभकार

न्यायालय ने किसी मामले की जांच करने या सरकार पर वित्तीय जुर्माना आदि का आदेश नहीं दिया है। उप्र बुलडोजर को अंतरराष्ट्रीय विषय बनाने वालों की इसमें भूमिका रही और एमनेस्टी इंटरनेशनल ने 128 मामलों की एक रिपोर्ट न्यायालय में सौंपी थी। न्यायालय ने अलग से उस रिपोर्ट की सत्यता जानने की कोशिश नहीं की। इसका अर्थ हुआ कि उच्चतम न्यायालय किसी राज्य या कुछ घटना विशेष पर फोकस करने की बजाय भविष्य के लिए एक व्यापक मार्गनिर्देश देना चाहता था और उसने वही किया है। उच्चतम न्यायालय हमारे संविधान का अभिभावक तथा कानूनी संवैधानिक मामले पर न्याय का अंतिम शब्द है। इसलिए उसके हर फैसले का सम्मान होना ही चाहिए।

उच्चतम न्यायालय द्वारा बुलडोजर कार्रवाई पर दिए गए फैसले की गहराई से समीक्षा करने की आवश्यकता है। न्यायमूर्ति बी.आर. गवई और न्यायमूर्ति के.वी. विश्वनाथन की पीठ ने बुलडोजर कार्रवाई के संदर्भ में कुछ कानूनी, संवैधानिक तो कुछ मानवीय सिद्धांत और आधार देकर मार्गनिर्देश निर्धारित किया है। इसमें क्या करना और क्या न करना दोनों बातें समाहित हैं। हालांकि गहराई से देखें तो इसमें ऐसा कुछ नहीं है जो पहले से बने बनाए नियमों से बिल्कुल अलग हों। दूसरे, भले भाजपा सरकारों के विरोधी इससे उत्साहित हों लेकिन फैसले में किसी सरकार का नाम लेकर निंदा या तीखी टिप्पणी नहीं की गई है। यह बात सही है कि इसमें उत्तर प्रदेश की तीन घटनाओं का विशेष जिक्र है।

इस कारण आप अर्थ निकाल सकते हैं कि यह योगी आदित्यनाथ सरकार के विरुद्ध है। यहां भी न्यायालय ने किसी मामले की जांच करने या सरकार पर वित्तीय जुर्माना आदि का आदेश नहीं दिया है। उप्र बुलडोजर को अंतरराष्ट्रीय विषय बनाने वालों की इसमें भूमिका रही और एमनेस्टी इंटरनेशनल ने अपनी टीम से 128 मामलों की जांच कर उसकी एक रिपोर्ट न्यायालय में सौंपी थी। न्यायालय ने अलग से उस रिपोर्ट की सत्यता जानने की कोशिश नहीं की। इसका अर्थ हुआ कि उच्चतम न्यायालय किसी राज्य या कुछ घटना विशेष पर फोकस करने की बजाय भविष्य के लिए एक व्यापक मार्गनिर्देश देना चाहता था और उसने वही किया है। उच्चतम न्यायालय हमारे संविधान का अभिभावक तथा कानूनी संवैधानिक मामले पर न्याय का अंतिम शब्द है। इसलिए उसके हर फैसले का सम्मान होना ही चाहिए।

शक्ति के दुरुपयोग की अनुमति नहीं

अगर न्यायालय कह रहा है कि संसदीय लोकतंत्र में शासन के तीनों अंगों की शक्ति विभाजित है, जो काम न्यायपालिका का है वह न्यायपालिका करे और कार्यपालिका अपनी भूमिका निभाये तो इसमें कुछ भी गलत नहीं। प्रशासन और पुलिस नियम कानून का पालन करने, करवाने तथा न्यायपालिका द्वारा दिए गए आदेश का पालन करने के लिए हैं। इसके परे वह जो कुछ भी करेगा अपराध होगा। न्यायालय ने कहा कि हमारे संवैधानिक आदर्श किसी भी शक्ति के दुरुपयोग की अनुमति नहीं देते। यह कानून के शासन व न्यायालय द्वारा सहन नहीं किया जा सकता। जब किसी विशेष संरचना को अचानक से ध्वस्त करने के लिए चुना जाता है, और उसी प्रकार की बाकी संपत्तियों को नहीं छुआ जाता, तो यह अनुमान लगाया जा सकता है कि असली उद्देश्य कानूनी कार्रवाई नहीं, बल्कि बिना सुनवाई के दंडित करना था। ये पंक्तियां अवश्य भाजपा सरकारों के व्यवहार को कटघरे में खड़ा करती हैं। यहां भी किसी घटना का आधार नहीं है। आइए, फैसले के कुछ मुख्य बिंदुओं को देखें। एक, किसी आरोपी या गुनहगार के घर को सिर्फ इस आधार पर नहीं गिराया जा सकता कि उसकी आपराधिक पृष्ठभूमि है। ऐसी कार्रवाई गैरकानूनी और असंवैधानिक है। दो, कार्यपालिका न्यायाधीश बनकर यह फैसला नहीं कर सकती कि वह दोषी है या नहीं। इस तरह की कार्रवाई लक्ष्मण रेखा पार करने जैसी है। तीन, कानून का शासन यह सुनिश्चित करता है कि लोगों को पता हो कि उनकी संपत्ति को बिना किसी उचित कारण के नहीं छीना जा सकता। चार, बिना पूर्व कारण बताओ नोटिस के कोई ध्वस्तीकरण नहीं किया जाना चाहिए, जो या तो स्थानीय नगरपालिका कानूनों में दिए गए समय के अनुसार या सेवा की तारीख से 15 दिनों के भीतर (जो भी बाद में हो) प्रस्तुत किया जाना चाहिए। नोटिस के 15 दिनों तक कोई कार्रवाई नहीं होगी। नोटिस पंजीकृत डाक के माध्यम से मालिक को भेजा जाएगा और संरचना के बाहरी हिस्से पर भी चिपकाया जाएगा।

आरोपी को सुनवाई का अवसर मिले

नोटिस में अवैध निर्माण की प्रकृति, विशेष उल्लंघन का विवरण और ध्वस्तीकरण के आधार शामिल होने चाहिए। अथॉरिटी को आरोपी को व्यक्तिगत सुनवाई का अवसर देना होगा। ऐसी बैठक के विवरण को रिकॉर्ड किया जाएगा। अंतिम आदेश में नोटिसधारी के पक्षों को शामिल किया जाना चाहिए, ध्वस्तीकरण की प्रक्रिया की वीडियो रिकॉर्डिंग की जाएगी और ध्वस्तीकरण रिपोर्ट को डिजिटल पोर्टल पर प्रदर्शित किया जाना चाहिए। पांच, किसी भी निर्देश के उल्लंघन से अवमानना कार्यवाही शुरू की जाएगी। अधिकारियों को सूचित किया जाना चाहिए कि यदि ध्वस्तीकरण में निर्देशों के उल्लंघन में पाया जाता है, तो ध्वस्त की गई संपत्ति की पुनर्स्थापना के लिए अधिकारियों को व्यक्तिगत खर्च पर जवाबदेह ठहराया जाएगा। साथ ही हर्जाने का भुगतान भी करना होगा। उत्तर प्रदेश सरकार ने इसका स्वागत किया है और राष्ट्रीय स्तर पर भारतीय जनता पार्टी ने भी।

कानून की परिधि में रहकर कार्य करें

कानून का शासन तभी माना जाएगा जब सरकारें, पुलिस प्रशासन सब कानून की परिधि में रहकर अपनी भूमिका निभाएं। लेकिन नियम कानून के परे जाकर भूमिका निभाने वाले के लिए पहले भी कड़े कानून हैं। आम आदमी के संदर्भ में तो न्यायालय की बातें मानवीयता की परिधि में एक सीमा तक सही है। निस्संदेह, आम नागरिक के लिए अपने घर का निर्माण कई वर्षों की मेहनत, सपने और आकांक्षाओं का परिणाम होता है। न्यायालय का यह मत बिल्कुल सही है कि घर, सुरक्षा और भविष्य की एक सामूहिक आशा का प्रतीक है और अगर इसे छीन लिया जाता है, तो अधिकारियों को यह साबित करना होगा कि यह कदम उठाने का उनके पास एकमात्र विकल्प था। प्रश्न है कि आरोपी बड़ा बाहुबली और माफिया हो, जिसने पहले से इस तरह जमीन हड़प कर कब्जे कर अवैध निर्माण किया हो और अपनी ताकत की बदौलत प्रशासन को नकारता हो तो उसके साथ क्या किया जाए? क्या किसी साधारण पुलिस वाले या प्रशासनिक अधिकारी की हैसियत थी कि वह एक समय अतीक अहमद की अवैध संपत्ति पर नोटिस चिपकाए? क्या मुख्तार अंसारी के विरुद्ध यह संभव था? ऐसे ही हर राज्य, हर जिले में अपराधी, माफिया, बाहुबली हैं जिन्होंने निजी संपत्ति तो छोड़िए सरकारी जगहों पर कब्जे कर अवैध निर्माण किए हैं। अनेक मामले न्यायालय के संज्ञान में आते हैं। पैसे और पहुंच की बदौलत वे बचे रहते हैं। उनसे अगर अपराध हुआ हो तो क्या पहले के नोटिस के आधार पर उनकी ऐसी संपत्तियों का ध्वस्तीकरण नहीं होना चाहिए? बुलडोजर की भूमिका केवल अवैध निर्माण को गिराने में ही नहीं, बड़े अपराधियों, माफियाओं के अंदर भय पैदा करने की भी है। सार्वजनिक प्रचार के साथ उनकी करोड़ों, अरबों की संपत्ति ध्वस्त होती हैं तो दूसरे के अंदर भी भय पैदा होता है कि वह अपराध करके बच नहीं सकते।

कई राज्यों में दिखा सकारात्मक प्रभाव

न्यायालय ने इस पर विचार नहीं किया है। उत्तर प्रदेश के साथ कई राज्यों में इसका सकारात्मक प्रभाव दिखा है। दूसरे, स्वयं न्यायालय ऐसे अपराधियों के मामलों का निपटारा निश्चित समय पर क्यों नहीं करती? इसका भी उत्तर उच्चतम न्यायालय के आदेश में नहीं है। पूरे देश में माफियाओं, बाहुबलियों, अपराधियों, राजनेताओं से लेकर प्रशासनिक अधिकारियों आदि ने सांठ-गांठ कर संपत्तियों पर अवैध कब्जे और उसी तरह से निर्माण किए हुए हैं। बेशक, शक्ति के दुरुपयोग की इजाजत नहीं दी जा सकती। ये बातें केवल सरकारों पर लागू होंगी या कानून तोड़ने वाले बाहुबलियों पर भी? न्यायालय के अनुसार किसी आरोपी का घर गिराना उसके परिवार को सामूहिक दंड जैसा है। यानी एक के अपराध की सजा हम दूसरे को नहीं दे सकते। क्या अवैध कब्जा करने वालों के परिवारों की जानकारी के बिना ऐसा होता है? क्या उसमें परिवार की कोई भूमिका नहीं होती? न्यायालय के अनुसार आवास का अधिकार अनुच्छेद 21 के अंदर एक मौलिक अधिकार है और निर्दोष व्यक्ति को इससे वंचित करना पूरी तरह असंवैधानिक होगा। रात के समय महिलाओं और बच्चों को सड़कों पर घसीटते देखना सुखद दृश्य नहीं है। यहां फिर दोहराना होगा कि एक आम व्यक्ति के संदर्भ में यह बिल्कुल सही है लेकिन दूसरों के परिवारों को दिन रात रोने को विवश करने और कब्जा करने वालों ने भी इनके मौलिक अधिकार को ध्वस्त किया। वैसे उच्चतम न्यायालय ने इसके पूर्व अंतरिम आदेश में कहा था कि फैसला आने के पहले कोई विध्वंस न किया जाए। ध्यान रखिए, उसमें भी सड़कों और फुटपाथों पर बने धार्मिक स्थलों आदि को ध्वस्त करने पर रोक नहीं लगाई थी। यह भी कहा था कि सार्वजनिक सुरक्षा सर्वोपरि है और किसी भी धार्मिक संरचना को सड़कों के बीच में नहीं बनना चाहिए, क्योंकि यह सार्वजनिक मार्गों में रुकावट डालता है। हमारे देश में एक्टिविस्टों का एक बड़ा समूह स्वयं इतना शक्तिशाली है कि ऐसे किसी विषय को देश और उसके बाहर बड़ा मुद्दा बना देता है। यही लोग बुलडोजर कार्रवाई को संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद तक ले गए जिसने कहा कि सजा के तौर पर किए जाने वाले विध्वंस को मानवाधिकारों का गंभीर उल्लंघन माना जा सकता है। उन्होंने कहा था कि ऐसी कार्रवाइयां अल्पसंख्यक समुदायों के खिलाफ अपमानजनक व्यवहार के रूप में हो सकती हैं और यह राज्य के हाथों जमीन हड़पने का एक तरीका बन सकती हैं। जैसा ऊपर बताया गया कि एमनेस्टी इंटरनेशनल जैसी संस्था ने 128 मामलों की अपनी जांच रिपोर्ट उच्चतम न्यायालय में प्रस्तुत की। यह संगठन कभी अपराधियों द्वारा हड़पी गई जमीन और अवैध निर्माणों की रिपोर्ट लेकर उच्चतम न्यायालय और संयुक्त राष्ट्र नहीं जाते। साफ है कि ऐसे अनेक बिंदु हैं जिन पर आगे स्पष्टीकरण अनावश्यक है। फैसले पर पुनर्विचार याचिका आए तो शायद आगे न्यायालय अपने मत का विस्तार करे।

बुलडोजर इंसाफ के खौफ पर लगाम

सुप्रीम फैसला

प्रमोद भार्गव

वरिष्ठ स्तंभकार

सर्वोच्च न्यायालय ने अपराधियों पर सख्ती बरतने के बहाने उनके भवनों को बुलडोजर से नेस्तनाबूद कर देने की कार्रवाई पर रोक लगाने का बहुप्रतीक्षित फैसला सुनाया है। न्यायालय का निर्देश है कि बिना कानूनी प्रक्रिया का पालन किए किसी के घर, दफ्तर या दुकान पर मनमानी कार्रवाई कर बुलडोजर नहीं चलाया जा सकता है। इस तरह की कार्रवाई को अदालत ने असंवैधानिक करार देते हुए इसे अराजकता का पर्याय माना है। शीर्ष न्यायालय की दो सदस्यीय पीठ ने फैसले में कहा है कि 'हमारे संविधान में इस निरंकुश और मनमानी कार्रवाई के लिए कोई स्थान नहीं है। किसी भी आरोपित, यहां तक कि दोषी की संपत्ति भी कानूनी प्रक्रिया का पालन किए बगैर ध्वस्त नहीं की जा सकती है। कार्यपालिका, न्यायाधीश बनकर किसी को दंडित नहीं कर सकती। घर का होना व्यक्ति का मौलिक अधिकार है। यह आश्रयस्थल किसी एक व्यक्ति का नहीं, बल्कि कई व्यक्तियों के उपयोग में आता है। अतएव इस तरह की कार्यवाही अराजकता तो है ही, साथ ही संविधान में मिले मौलिक अधिकार का उल्लंघन भी है।' कुछ सालों से देखने में आ रहा है कि बलात्कार जैसे जघन्य अपराधों में शामिल लोगों के घरों को तात्कालिक असंतोष को ठंडा करने के लिए बुलडोजर से ध्वस्त कर दिया जाता है।

नैतिक दायित्व की अनदेखी

इस सिलसिले में न्यायालय ने दिशा-निर्देश भी जारी किए हैं। हालांकि ये सब दिशा-निर्देश पहले से ही राज्य सरकारों की भू-राजस्व संहिता में शामिल हैं। लेकिन कलेक्टर, एसडीएम और तहसीलदार अपने कानूनी एवं नैतिक दायित्व की अनदेखी कर सरकार की मंशा पूर्ति में लग जाते हैं। साफ है, यदि अधिकारियों को नेताओं की मंशा के अनुरूप ही काम करना है तो फिर उनके योग्य होने का क्या मतलब है? विधायिका से कार्यपालिका को इसीलिए पृथक रखा है कि वे किसी मंत्री या नेता की इच्छापूर्ति की बजाय कानून का सम्मान करते हुए निर्णय लें। किंतु अहम पद पर बने रहने और कदाचरण से धन कमाने के मोह में वे अपनी योग्यता और कानूनी प्रक्रिया को खूंटी पर टांग कर अंधे होकर ध्वस्तीकरण की कार्रवाई को अंजाम देने में लग जाते हैं। जबकि ये अधिकारी भी कर्मचारी आचरण संहिता की शपथ लेकर अपने पद का दायित्व ग्रहण करते हैं। ऐसे में ये दावे थोथे साबित होते हैं कि प्रजातांत्रिक गणतंत्र में जनता को राजनीतिक स्वतंत्रता और विधि सम्मत मौलिक अधिकार दिलाने का काम कार्यपालिका का है।

विधायिका-कार्यपालिका में गठजोड़

हकीकत यह है कि आपातकाल के बाद से विधायिका और कार्यपालिका का कुछ ऐसा गठजोड़ बनता चला गया कि जनमत की ताकत रखने वाली जनता, एक नए तरह की परतंत्रता की शिकार होती चली गई। इसीलिए अदालत ने दिए निर्देश में कहा है कि कोई भी कार्रवाई करने से पहले 15 दिन का नोटिस और आरोपी को सुनने का मौका जरूर देना चाहिए। ये प्रावधान पहले से ही राज्यों की भू-राजस्व संहिताओं में है। इस संदर्भ में होता यह है कि तहसील अदालतें

पिछली तारीख में नोटिस निकालने और उसे प्रभावित पक्षकार के घर पर चिपकाने की कार्यवाही तहसील दस्तावेजों में दिखा देते हैं। तहसील और अनुविभागीय न्यायालयों का हाल यह है कि कंप्यूटरीकरण हो जाने के बाद भी इन अदालतों में विचाराधीन मामलों का तारीखवार दस्तावेजीकरण नहीं है। इसलिए जो राजस्व अदालतें कहती हैं, उसे ही ईश्वर की वाणी मानने पर पक्षकार को मजबूर होना पड़ता है। हालांकि इस फैसले में यह स्पष्ट कर दिया है कि ध्वस्तीकरण की प्रक्रिया में प्रशासन और निकायों के लगभग सभी अधिकारी शामिल होंगे। मसलन अब कोई एकाधिकारी फैसला लेकर किसी के घर को नहीं तोड़ पाएगा। वाकई ऐसा होता है तो राज्य सरकारों के मुखियाओं के निरंकुश आचरण पर अंकुश लगेगा। लेकिन देखने में आता है कि उन मकानों को भी ध्वस्त किया गया है, जिनके पास भूखंड की रजिस्ट्री होने के साथ निकाय प्रशासन की भवन निर्माण की अनुमतियां भी हैं। भवन मालिक के पास बिजली और नल के कनेक्शन तो हैं ही, वह सालों से नगर पालिका या नगर निगम में संपत्ति कर भी जमा कर रहा है। यहां तक कि प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत भी निर्मित घरों को वन भूमि पर निर्मित होना बताकर मध्यप्रदेश में तोड़ा गया है। यहां सवाल उठता है कि आखिर यह कौन तय करेगा कि भूमि वन विभाग की है या राजस्व की? इस बाबत यह भी उल्लेखनीय है कि यदि कोई मकान सरकारी भूमि पर बनाया गया है तो उस पर निर्माण के दौरान ही कार्रवाई क्यों नहीं की गई? जबकि पटवारी और निकाय कार्यालयों के पास भूमि के मूल दस्तावेज होते हैं। यदि इस फैसले में जिम्मेदार अधिकारी और कर्मचारियों के विरुद्ध कठोर दंड का प्रावधान कर दिया जाए तो सरकारी भूमि पर कब्जा कर मकान बनाने का काम आरंभ ही नहीं होगा। सच्चाई यह है कि जब सरकारी भूमि पर मकान बनता है तो जिम्मेदार कर्मचारी पैसा लेकर आंख मूंद लेते हैं। ध्वस्तीकरण के सिलसिले में यह भी विचारणीय बिंदु है कि अनेक मकान किसी एक अपराधी की संपत्ति नहीं होती है। उसके भाई-बहन और माता-पिता भी उस संपत्ति के वैध हिस्सेदार होते हैं। ऐसे में बलात्कारी जैसे अपराधी के साथ-साथ परिजन भी निर्दोष होते हुए दंड में भागीदार हो जाते है।

हालांकि अदालत ने साफ किया है कि अवैध निर्माण और अतिक्रमण करने वालों के खिलाफ बुलडोजर कार्रवाई कानूनी प्रक्रिया पूरी करके की जा सकती है। वैसे भी यह जरूरी है कि जो पेशेवर अपराधी खौफ दिखाकर सरकारी और निजी जमीनों पर कब्जा कर बहुमंजिला इमारतें खड़ी कर लेते हैं, वे इस कार्रवाई से बचने का मार्ग न निकाल लें। ऐसे अपराधियों को जब संवैधानिक-राजनीतिक सुरक्षा कवच मिल जाता है तो अपराध की भूमिका उनके राजनीतिक और आर्थिक साम्राज्य के विस्तार का कारण बनते जाते हैं। ऐसे लोगों को राजनेता एवं राजनीतिक दल न केवल संरक्षण देते हैं, बल्कि उसे विधानसभा या लोकसभा का टिकट देकर महिमामंडन भी करने का काम करते हैं।

नैसर्गिक न्याय के सिद्धांत पर जोर

उत्तर प्रदेश के बाहुबली अतीक अहमद के सिलसिले में यही सब देखने में आ चुका है। उसने प्रयागराज में बीते साल कथित रूप से दो पुलिसकर्मियों की हत्या करा दी थी। न्यायिक सिद्धांत का तकाजा तो यही है कि एक तो अपराधी को समय पर ऐसी सजा मिले, जो फरियादी को न्याय लगे? यह स्थिति न्याय व्यवस्था पर भरोसा करने की बजाय, उसे खूंटी पर टांग देने का काम करती है। शायद इसीलिए सर्वोच्च न्यायालय ने संविधान के तीनों अंग विधायिका, कार्यपालिका और न्यायपालिका की शक्तियों के पृथकीकरण के सिद्धांत और अभियुक्त के कानूनी व संवैधानिक अधिकारों की व्याख्या करते हुए नैसर्गिक न्याय के सिद्धांत पर जोर दिया है।

धीमी न्यायिक प्रक्रिया की सूरत बदले

दो टूक

उमेश चतुर्वेदी

राजनीतिक समीक्षक

उलेमा बनाम उत्तरी दिल्ली मामले पर सुनवाई के दौरान जिस तरह सुप्रीम कोर्ट ने टिप्पणियां की थीं, इस मामले पर आए फैसले का अंदेशा उनसे हो गया था। सबसे बड़ी अदालत ने बुलडोजर कार्रवाई पर पूरी रोक तो नहीं लगाई है, लेकिन इसके लिए मानक प्रक्रिया बनाकर राज्य सरकारों और स्थानीय निकायों के हाथ जरूर बांध दिए हैं। जैसा कि हर फैसले के साथ होता है, हर पक्ष अपने-अपने हिसाब से इसकी व्याख्या कर रहा है। बुलडोजर कार्रवाई के विरोधी इसे अपनी जीत बता रहे हैं, वहीं इसके समर्थक इस फैसले में भी कार्रवाई के लिए राह खोज रहे हैं। इससे साफ है कि बुलडोजर न्याय सिर्फ स्पीड ब्रेकर का काम करेगा, ब्रेक नहीं बन पाएगा। स्पीड ब्रेकर तेज रफ्तार वाहनों की रफ्तार को धीमी करता है, जबकि ब्रेक गाड़ी को रोक देता है। यह फैसला भी कुछ इसी तरह का साबित होने जा रहा है।

सुप्रीम कोर्ट ने बुलडोजर कार्रवाई को नियंत्रित करते वक्त एक तथ्य पर ध्यान नहीं दिया है। हमारे यहां आपराधिक मामलों की सुनवाई की जो प्रक्रिया है और उसमें जिस तरह की देर लगती है, उसे अपराध करने वालों ने अपने लिए आड़ बना रखा है। बरसों तक धीमी गति से चलने वाली न्यायिक प्रक्रिया का एक संदेश यह है कि ताकतवर चाहे तो अपराध करने के बावजूद प्रक्रिया की घुमावदार गलियों में न्यायिक फैसले को टाल सकता है। यह टालना इतना लंबा हो जाता है कि एक तरह से वह न्याय से इनकार हो जाता है। देर है पर अंधेर नहीं की सोच भी उबाऊ और धीमी न्यायिक प्रक्रिया के सामने धुंधली होते-होते समाप्त हो जाती है। इसी घुमावदार और लंबी-धीमी न्यायिक प्रक्रिया का विकल्प बनकर बुलडोजर न्याय उभरा था। राज्य सरकारों ने इसे त्वरित न्याय के साधन के तौर पर अपनाया और देखत ही देखते अपराधमुक्त समाज की चाहत रखने वालों की चहेती बन बैठीं।

त्वरित न्याय की अनदेखी

सुप्रीम कोर्ट ने बुलडोजर कार्रवाई की मानक प्रक्रिया बनाते हुए त्वरित न्याय के विकल्प या न्यायिक प्रक्रिया की घुमावदार गलियों को पूरी तरह नजरंदाज किया है। यही वजह है कि इस फैसले के बाद अपराधियों, गैंगस्टरों, असामाजिक तत्वों के उभार को लेकर समाज का एक बड़ा वर्ग सशंकित हो उठा है। देश की सबसे बड़ी अदालत को इस सामाजिक सोच का भी संज्ञान लेना चाहिए और उसे भी आश्वस्त करना चाहिए कि उसके फैसले के बावजूद किसी गैंगस्टर, कोई अपराधी या समाज विरोधी तत्व को कमजोर तबके की जमीनों या सार्वजनिक संपत्तियों के अतिक्रमण का हक नहीं मिल जाता। सुप्रीम कोर्ट ने यह फैसला उत्तरी दिल्ली के एक मामले में दिया है। अप्रैल 2022 में दिल्ली के जहांगीर पुरी में रामनवमी के दिन निकले जुलूस पर एक मस्जिद और उस इलाके से जुलूस पर हुए पथराव और उससे उपजी हिंसा के जवाब में दिल्ली नगर निगम ने अवैध अतिक्रमणों को हटाने के लिए बुलडोजर कार्रवाई की थी। इस कार्रवाई को सांप्रदायिक कार्रवाई का रंग देते हुए सेकुलर धारा के दिग्गज वकीलों मसलन कपिल

सिब्बल आदि ने सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी। भले ही सुनवाई इसी मामले की होती रही, लेकिन संदेश ऐसा गया मानो उत्तर प्रदेश की सरकार की बुलडोजर कार्रवाई के खिलाफ सुनवाई हो रही है।

मुस्लिम तबके पर कार्रवाई की छवि

इसकी वजह यह रही कि उत्तर प्रदेश की सरकार ने त्वरित न्याय के विकल्प के रूप में इसे अपनाया। तब उत्तर प्रदेश सरकार को लेकर यह छवि बनाई गई कि वह सिर्फ अल्पसंख्यक यानी मुस्लिम तबकों के खिलाफ ही बुलडोजर कार्रवाई करती है। जबकि योगी सरकार ने माफिया और गैंगस्टर विकास दुबे के खिलाफ भी इस कार्रवाई को किया। भदोही के गैंगस्टर और राजनेता विजय मिश्रा की अतिक्रमित संपत्तियां भी उत्तर प्रदेश सरकार के निशाने पर रहीं। लेकिन प्रचारित सिर्फ अतीक, मुख्तार जैसे मुस्लिम दबंगों और माफियाओं की संपत्तियों के खिलाफ हुई कार्रवाई ही की जाती रहीं। इस बहाने त्वरित न्याय के इस सरकारी विकल्प को हिंदुत्ववादी राजनीतिक दर्शन का न सिर्फ नतीजा बताया गया, बल्कि यह नैरेटिव स्थापित कर दिया गया। इसीलिए सुप्रीम कोर्ट के फैसले को लेकर आम लोगों के बीच संदेश यही गया है कि यह उत्तर प्रदेश सरकार के खिलाफ आया फैसला है।

योगी सरकार रही निशाने पर

बुलडोजर कार्रवाई को लेकर प्रचारित सिर्फ योगी सरकार रही, लेकिन अवैध अतिक्रमण के खिलाफ आंध्र, तेलंगाना, राजस्थान, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश आदि सरकारों ने भी की है। एक आंकड़े के मुताबिक, पिछले सात सालों में करीब 2000 अवैध अतिक्रमण बुलडोजर कार्रवाई में ढहाए गए। जिनमें सबसे ज्यादा करीब डेढ़ हजार मामले उत्तर प्रदेश के ही रहे। लेकिन उत्तर प्रदेश में इस कार्रवाई से खाली कराई गई जमीनों को कमजोर तबकों में बांटा भी गया है। करीब सात सौ ऐसे प्लॉट बांटे जा चुके हैं। बुलडोजर के शोर में इसकी चर्चा कम हो रही है।

निश्चित तौर पर इससे किसी को इनकार नहीं होगा कि किसी अपराधी के अपराध की कीमत उसका पूरा परिवार अपना घर गंवाकर क्यों चुकाए। लेकिन यह नहीं भूलना चाहिए कि अपराधी का घर भी अगर सरकारी तंत्र के निशाने पर बना तो उसकी वजह उसका नियमित निर्माण नहीं, बल्कि अवैध कब्जा और अतिक्रमण रहा। अब तक बुलडोजर कार्रवाई नगर पालिकाओं, पंचायती राज संस्थाओं का विषय रहा है। सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद इसमें स्थानीय जिला अधिकारी और उप जिलाधिकारी भी शामिल हो गए हैं। बुलडोजर कार्रवाई जिला अधिकारी की निगरानी में होगी और इसके लिए मान्य प्रक्रिया और नोटिस आदि देने की अवधि का पूरी तरह निर्वहण किया जाएगा। इस प्रक्रिया की राह में एक बाधा नजर आ रही है। जिला प्रशासन समय और काम के बोझ का बहाना बनाकर ऐसी कार्रवाइयों को टाल सकता है। अपराधी, माफिया और गैंगस्टर कब्जे करते रहेंगे, और धीमी न्यायिक प्रक्रिया के चलते वे अपने अपराध को प्रकारांतर से स्थापित करते रहेंगे। इससे त्वरित न्याय प्रक्रिया की वैकल्पिक सोच भी कुंद होगी। ऐसे में न्याय की उम्मीद भी धुंधली होगी। ऐसे में आपराधिक तत्वों पर लगाम लगा पाना आसान नहीं रह जाएगा। बुलडोजर कार्रवाई वाले फैसले के बाद खास नैरेटिव को बढ़ावा मिलेगा। यह धारणा बलवती होगी कि सिर्फ हिंदुत्ववादी सरकारें ही बुलडोजर न्याय पर भरोसा करती हैं। सुप्रीम कोर्ट तो खुद मीडिया के बीच इस छवि के खंडन के लिए जा नहीं सकता। इसलिए दूसरे जिम्मेदार तंत्र को इस दिशा में प्रयास करना चाहिए। लगे हाथों सुप्रीम कोर्ट को न्याय में देरी और उसकी धीमी प्रक्रिया को भी नियंत्रित करने की कोशिश करनी चाहिए। अगर न्यायिक प्रक्रिया सामान्य तरीके से चलती रहे तो शायद ही कोई होगा, जो बुलडोजर कार्रवाई को ही न्याय का अंतिम विकल्प माने।

रायपुर, रविवार 17 नवंबर 2024 | अगहन कृष्ण पक्ष द्वितीय | वर्ष : 23, अंक : 121 | पृष्ठ : 12+4+4 = 20 मूल्य : 5.00** | haribhoomi.com

हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

केएसके वर्धा पावर प्लांट अब जेएसडब्ल्यू के हवाले, 35 हजार करोड़ में खरीदा

हरिभूमि न्यूज ⏭ जांजगीर-चांपा

खास खबर

जांजगीर-चांपा जिले के तरौद-नरियरा में संचालित केएसके महानदी वर्धा पावर प्लांट अब जेएसडब्ल्यू के हाथों में चला गया है। दरअसल इस कंपनी को खरीदने के लिए आधा दर्जन ग्रुप ने बोली लगाई थी, जिनमें से एनटीपीसी और अंतिम दौर में अदाणी ग्रुप को पछाड़ते हुए जिंदल ग्रुप ने सर्वाधिक 35 हजार करोड़ की बोली लगाई। इसके बाद इसके अधिग्रहण की प्रक्रिया शुरु हो गई। इस बीच जिंदल ग्रुप के सज्जन जिंदल और उनके भाई नवीन जिंदल प्लांट के ⏭शेष पेज 2 पर

- नीलामी में शामिल आधा दर्जन कंपनी में से लगाई सर्वाधिक बोली
- अधिग्रहण के बाद सज्जन और नवीन जिंदल पहुंचे निरीक्षण में

अंतिम दौर में पिछड़ा अदाणी ग्रुप

जेएसडब्ल्यू ने सर्वाधिक 35 हजार करोड़ की बोली लगाते हुए अंतिम दौर में अदाणी ग्रुप को पीछे छोड़ दिया। सर्वाधिक बोली लगाकर केएसके महानदी को अधिग्रहण करने की प्रक्रिया के बीच शनिवार 16 नवंबर को जेएसडब्ल्यू के सज्जन जिंदल और उनके भाई नवीन जिंदल रायगढ़ पहुंचे। यहां से हेलीकाप्टर से वे केएसके महानदी वर्धा पावर प्लांट पहुंचे। उन्होंने प्रबंधन के अधिकारियों से चर्चा की और प्लांट का निरीक्षण किया।

छह-छह सौ मेगावाट की तीन इकाइयां

केएसके महानदी वर्धा पावर प्लांट का कुल एरिया पांच हजार एकड़ से अधिक का है। यहां छह-छह सौ मेगावाट की तीन इकाइयां हैं। अकलतरा तहसील के नरियरा में वर्ष 2008 में स्थापित इस कंपनी में 6-6 सौ मेगावाट की छह इकाइयां शुरु होनी थी, जिनमें से तीन यूनिट संचालित हैं, जबकि तीन यूनिट का निर्माण 16 साल बाद भी पूरा नहीं हो सका है। सूत्रों के मुताबिक कंपनी लगातार घाटे में चल रही थी, जिसके कारण इसका संचालन संबंधित बैंक के अधीनस्थ किया जा रहा था और नीलामी की प्रक्रिया चल रही थी।

सुरक्षाबलों को बड़ी कामयाबी, हथियारों का जखीरा बरामद

1400 जवानों ने घेरा मुसफर्सी का जंगल, दो महिला समेत पांच नक्सली मारे गए, रातभर चली सर्चिंग

मुसफर्सी के जंगल में फोर्स और नक्सलियों के बीच शनिवार की सुबह शुरू हुई मुठभेड़ के बाद रातभर सर्चिंग जारी रही। शनिवार शाम तक पांच नक्सलियों के शव बरामद किए गए हैं। इनमें दो शव महिला नक्सलियों के है। मुठभेड़ स्थल से भारी मात्रा में हथियारों का जखीरा भी फोर्स को मिला है। बताया जा रहा है कि मुखबिर की सूचना पर करीब 1400 जवानों ने मुसफर्सी का जंगल घेर लिया। मुठभेड़ में घायल दो जवानों को इलाज के लिए एयरलिफ्ट कर राजधानी रायपुर भेजा गया।

रातभर जारी रहेगा ऑपरेशन

बताया जा रहा है कि फोर्स ने चारों तरफ से घेराबंदी कर रखी है, ताकि नक्सली किसी भी तरफ से भागने में कामयाब ना हो सकें। यही वजह है कि शनिवार की रात भी फोर्स के जवान जंगल रहे और नक्सलियों को खोजने रातभर ऑपरेशन जारी रहा। माड़ के इलाके में लगातार जवानों को मिल रही सफलता से साफ है कि नक्सलियों का सबसे सेफ जोन अब उनके लिए डेंजर जोन बन चुका है।

हरिभूमि न्यूज ⏭ कांकेर

डीआरजी, एसटीएफ और बीएसएफ की संयुक्त पुलिस पार्टी ने नक्सलियों को घेर लिया। यहां शनिवार रात तक रुक-रुककर फायरिंग होती रही। शाम तक फोर्स ने पांच नक्सलियों के शव और हथियारों का जखीरा को अपने कब्जे में ले लिया है। मुठभेड़ में घायल दो जवानों को बेहतर इलाज के लिए ग्राउंड जीरो से हेलीकाप्टर से हायर सेंटर भेजा गया। वहीं, नारायणपुर और गढ़चिरौली की टीम भी मुठभेड़ स्थल की ओर रवाना हुई है, जिससे भागने वाले नक्सलियों को भी निशाना बनाया जा सके।

जानकारी के अनुसार कांकेर जिला के छोटेबेटिया थाना से लगभग 15 किलोमीटर की दूरी पर मुसफर्सी के जंगल में नक्सलियों की उपस्थिति की जानकारी मिली। इसके बाद कांकेर जिला से डीआरजी, एसटीएफ और बीएसएफ की संयुक्त पुलिस पार्टी को बीती रात 15 नवंबर को रवाना किया गया था। पुलिस की टीम बताए गए स्थल पर सुबह पहुंचकर नक्सलियों को उत्तर और पूर्व की तरफ से घेर लिया था और 16 नवंबर की सुबह सुबह 8 बजे जवानों को देखकर फायरिंग ⏭शेष पेज 2 पर

दो घायल जवानों को बेहतर इलाज के लिए भेजा गया हायर सेंटर रायपुर

जंगल में सुरक्षाबलों की टीम

कांकेर पुलिस अधीक्षक आई. कल्याण ऐलीसेला ने बताया कि उत्तर अबूझमाड़ से लगे ग्राम मुसफर्सी के जंगल में 16 नवंबर की सुबह मुठभेड़ हुई है। दिनभर मुठभेड़ चली। पांच नक्सलियों के शव मिले हैं, जिसमें दो महिला नक्सली है। सर्चिंग में इंसास और एसएलआर रायफल के अलावा अन्य लोकल हथियार भी मिले हैं। टीम अभी जंगल में है और नेटवर्क कनेक्शन नहीं है। टीम के जंगल से बाहर आने के बाद ही विस्तृत जानकारी दी जा सकेगी।

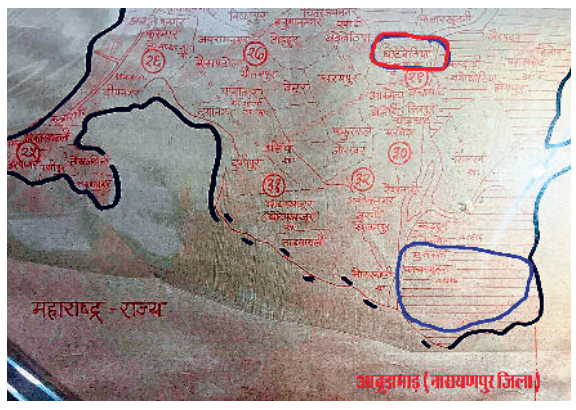

नीला घेरा में मुठभेड़ स्थल और लाल घेरे में छोटेबेटिया थाना

दो जवानों को आई मामूली चोट

मुसफर्सी में 16 नवंबर की सुबह 8 बजे से शुरू हुई मुठभेड़ में 2 जवान घायल हुए हैं, जिनकी स्थिति सामान्य व खतरे से बाहर है। डीआरजी का जवान हीरामन यादव और बस्तर फाइटर कांकेर का जवान खिलेश्वर गावड़े घायल हो ⏭शेष पेज 2 पर

सेंट्रल कमेटी के सदस्य को घेरा गया

जानकारी के अनुसार यह मुठभेड़ नक्सलियों की एक बड़ी पार्टी से हो रही है। महाराष्ट्र और छत्तीसगढ़ से सुरक्षाबलों की संयुक्त पार्टी ने नक्सलियों के सेंट्रल कमेटी के सदस्य प्रभाकर और राजू दादा के लिए इस ⏭शेष पेज 2 पर

सीएम साय ने जवानों को दी बधाई

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने पुलिस और सुरक्षा बलों के जवानों को बधाई दी है। सीएम साय ने कहा कि पिछले 11 महीनों के दौरान हमारे जवानों ने नक्सलवाद के उन्मूलन में लगातार बड़ी सफलता प्राप्त की है। छत्तीसगढ़ में नक्सलवाद अपनी अंतिम सांसें गिन रहा है। मुहिम शुरू होने के बाद से अब तक 200 से ⏭शेष पेज 2 पर

माओवादियों के खिलाफ बड़ी सफलता

उत्तर बस्तर के अबूझमाड़ क्षेत्र में पुलिस और सुरक्षा बलों के संयुक्त सर्च ऑपरेशन को लेकर उपमुख्यमंत्री एवं गृहमंत्री विजय शर्मा ने कहा, नक्सल मोर्चे पर हमारे जवान बहादुरी से लड़ रहे हैं। हम छत्तीसगढ़ को नक्सल मुक्त करने के संकल्प को पूर्ण करने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। उपमुख्यमंत्री ने घायल ⏭शेष पेज 2 पर

'सिस्टम ही दिव्यांग', 48 को राज्य मेडिकल बोर्ड में करानी थी जांच, कोई नहीं पहुंचा

हरिभूमि न्यूज ⏭ बिलासपुर

- अब पूरा मामला ठंडे बस्ते में, प्रशासनिक लापरवाही का नतीजा
- कार्रवाई की मांग को लेकर 3 दिसंबर को आंदोलन करेगा दिव्यांग संघ

फर्जी दिव्यांग सर्टिफिकेट के आधार पर नौकरी करने के मामले में प्रशासन की लापरवाही और छूट दिए जाने से पूरा प्रकरण ही ठंडे बस्ते में चला गया है। मुंगेली के साथ ही दूसरे जिलों के 48 से अधिक लोगों को नोटिस देते हुए राज्य मेडिकल बोर्ड के सामने स्वास्थ्य परीक्षण कराने कहा गया था, लेकिन चार बार बुलाने के बाद भी कोई नहीं पहुंचा। सामान्य प्रशासन विभाग भी औपचारिकता ही दिखाता रहा और नोटिस का खेल जारी रहा।

अब कार्रवाई नहीं होने पर दिव्यांग संघ ने 3 दिसंबर को रायपुर में सीएम हाउस तक पैदल मार्च करने की चेतावनी दी है। दिव्यांग संघ के मुताबिक 28 अगस्त को शासन ने आश्वासन दिया था कि सख्त कार्रवाई होगी उसके बाद आंदोलन स्थगित किया गया था लेकिन कुछ नहीं किया गया। गौरतलब है कि ⏭शेष पेज 2 पर

हरिभूमि फॉलोअप

इन विभागों में सालों से कर रहे नौकरी

दिव्यांग संघ के प्रदेश अध्यक्ष बोहित राम चन्द्राकर ने बताया कि वर्तमान में पीएससी से सलेक्ट होकर 7 डिप्टी कलेक्टर, 3 नायब तहसीलदार, 3 लेखा अधिकारी, 3 पशु चिकित्सक, 2 सहकारिता निरीक्षक सहित 21 लोग फर्जी दिव्यांग प्रमाण-पत्र लगाकर सरकारी नौकरी कर रहे है। लगातार शिकायतें ⏭शेष पेज 2 पर

जांच और कार्रवाई होगी

विकलांग संघ की ओर से मिली शिकायत के बाद कुछ लोगों को राज्य मेडिकल बोर्ड से जांच कराने के लिए नोटिस जारी किया गया था। उस दौरान कोई नहीं पहुंचा। बाद में जानकारी मिली है कि कई लोगों को कोर्ट से स्टे मिल गया है। स्टे हटने के बाद जांच और दूसरी कार्रवाई होगी।

- निष्ठा पांडे तिवारी
अतिरिक्त कलेक्टर, मुंगेली

300 से अधिक मेडिकल सर्टिफिकेट पर सवाल

लोरमी ब्लाक के सारधा, लोरमी, सुकली, झाफल, फुलझर, विचारपुर, बोड़तरा गांव के लोगों के बने 300 से अधिक दिव्यांग प्रमाण-पत्रों पर सवाल उठ रहे हैं। एक गांव के एक ही वर्ग से एक साथ इतने सफल अभ्यर्थियों के श्रवण बाधित होने पर लंबे समय से सवाल विकलांग संघ उठा रहा है लेकिन जांच और कार्रवाई दूर की बात है। हरिभूमि के लगातार खुलासे के बाद इन सभी के प्रमाण पत्रों की जांच के लिए नोटिस जारी किया गया था लेकिन कोई नहीं पहुंचा। जिन पर आरोप लग रहे हैं उन्हें 24 और 27 अगस्त 2024 को राज्य मेडिकल बोर्ड रायपुर के सामने हाजिर होना था लेकिन कोई नहीं पहुंचा। इसके बाद प्रशासन ने ध्यान नहीं दिया और मामला शांत कर दिया गया। इस पूरे मामले में अधिकारियों पर मिलीभगत के आरोप भी लग रहे हैं।

गोद में नवजात, भागता नर्सिंग स्टाफ और चीखतीं मांएं...सभी को सन्न कर गया झांसी मेडिकल कॉलेज का ये दृश्य

झांसी अस्पताल के नवजात गहन चिकित्सा इकाई में आग से झुलसे 17 नवजातों की सांसों पर संकट

1. *फरवरी में देखी गई थी फायर सेफ्टी की व्यवस्था, जून में हुआ ट्रायल, अफसोस फिर भी वक्त पर सब फेल*
2. *एनआईसीयू में बचाव अभियान रात करीब एक बजे पूरा हुआ*
3. *झांसी प्रशासन ने लापता बच्चों की जानकारी के लिए हेल्पलाइन नंबर 6389831357 जारी किया*

हे ईश्वर...इन 17 नवजातों को जिंदगी बख्श दे

अस्पताल प्रबंधन की लापरवाही से जीवन देने वाले अस्पताल मौत का घर भी बन जाते हैं। झांसी के अस्पताल में यह हादसा बताता है कि लापरवाही जीवन पर कैसे भारी पड़ जाती है।

एजेंसी ⏭झांसी

झांसी के महारानी लक्ष्मी बाई मेडिकल कॉलेज उत्तर प्रदेश के बुंदेलखंड क्षेत्र के सबसे बड़े सरकारी अस्पतालों में से एक है। इस अस्पताल के नवजात गहन चिकित्सा इकाई (एनआईसीयू) में शुक्रवार रात बिजली के शॉर्ट सर्किट के कारण आग लग गई। आग में जलकर 10 बच्चों की मौत हो गई। घटना में अन्य 17 बच्चे घायल होकर जिंदगी और मौत से जूझ रहे हैं। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सुधा सिंह ने बताया कि 16 घायल बच्चों का इलाज किया जा रहा है। बताया जा रहा है कि जिस वार्ड में आग लगी, उसमें कुल 55 बच्चे थे। इस अस्पताल में आग बुझाने के उपकरण एक्सपायर हो गए, इसलिए उनका उपयोग नहीं किया जा सका। इसके बाद डिप्टी सीएम ने इन रिपोर्टों को खारिज करते हुए कहा कि फरवरी में मेडिकल कॉलेज में अग्नि सुरक्षा ऑडिट किया गया था।

माएं बिलख रही थी...

ओ मेरे लाल... बड़ी मन्नत से आया, कहां चला गया?

एसएनसीयू (स्पेशल न्यूबोर्न केयर यूनिट) से तेजी से धुएं के गुबार निकले तो बाहर खुले में बैठे माता-पिता दौड़ते हुए अंदर गए और अंदाजे से अपने लाडले को लेकर बाहर आए। जिन माता-पिता को अपना लाडला नहीं मिला, वह बिलखते हुए तेजी से बाहर निकले। लोगों से हाथ जोड़कर लाडले को बाहर निकलवाने में हाथ जोड़कर मदद की गुहार करने लगे। दंपती ने बताया कि शादी के कई साल के बाद बड़ी मन्नत से संतान हुई थी। जब उसकी तबीयत बिगड़ी तभी से भगवान से जीवन की दुआ कर रहे थे। कोई एक बार मेरे लाल का चेहरा तो दिखा दो।

3 स्तरों पर होगी जांच

झांसी पहुंचे उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि नवजात शिशुओं की मौत बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है। परिवार के सदस्यों के साथ मिलकर हम नवजात शिशुओं के शवों की पहचान करने की कोशिश कर रहे हैं। डिप्टी सीएम ने कहा कि पहली जांच प्रशासनिक स्तर पर होगी जो स्वास्थ्य विभाग करेगा, दूसरी जांच पुलिस प्रशासन करेगा। अग्निशमन विभाग की टीम भी इसमें शामिल होगी।

पीएम पर अभद्र टिप्पणी, कलेक्टर ने किया उप अभियंता को निलंबित

- प्रधानमंत्री के खिलाफ अभद्र टिप्पणी पड़ी महंगी

हरिभूमि न्यूज ⏭ सुकमा

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ सोशल मीडिया में अभद्र टिप्पणी करना कोंटा नपं के उप अभियंता को महंगा पड़ गया। भाजपा नेताओं द्वारा की गई शिकायत के बाद कलेक्टर देवेश कुमार ध्रुव ने सब इंजीनियर को निलंबित कर दिया है। वहीं, कोंटा थाने में मामला दर्ज कर लिया गया है। कोंटा नपं में पदस्थ उप अभियंता देवेन्द्र कुमार पहाड़ी ने 6 नवंबर को अपने मोबाइल से प्रधानमंत्री के खिलाफ एक अभद्र वीडियो को स्टेटस के माध्यम से वायरल किया था। उक्त वीडियो के वायरल होने के बाद कोंटा के भाजपाइयों ने आक्रोश व्यक्त करते हुए कोंटा थाने में ज्ञापन देते हुए एफआईआर दर्ज करने की मांग की थी।

आचार संहिता के उल्लंघन की शिकायत, भाजपा-कांग्रेस प्रमुख से मांगा जवाब

चुनाव आयोग की दो टूक जुबान पर रखें लगाम

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

भाजपा और कांग्रेस द्वारा एक-दूसरे के खिलाफ आचार संहिता के उल्लंघन की शिकायत दर्ज कराए जाने पर निर्वाचन आयोग ने दोनों दलों के प्रमुख से उनके नेताओं के खिलाफ लगाए गए आरोपों पर जवाब मांगा है। आयोग ने भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे.पी. नड्डा और कांग्रेस के अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को पत्र लिखकर जवाब देने को कहा है। आयोग ने दोनों दलों को एक-दूसरे की शिकायत भेजीं और उनसे जवाब मांगा।

राहुल पर युवाओं को भड़काने का आरोप

भाजपा ने 11 नवंबर को की गई शिकायत में कहा, राहुल गांधी अपने बयानों से महाराष्ट्र के युवाओं को भड़का रहे हैं, जो देश की एकता और अखंडता के लिए बेहद खतरनाक है।

शाह के भाषण पर कांग्रेस को ऐतराज

कांग्रेस ने 13 नवंबर को अपनी शिकायत में कहा, अपने भाषण के दौरान अमित शाह ने आरोप लगाया कि कांग्रेस और उसके सहयोगी अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अन्य पिछड़ा वर्ग के खिलाफ हैं। देश में आतंकवाद को बढ़ावा दे रहे हैं। कांग्रेस ने आरोप लगाया, अमित शाह द्वारा दिए गए बयानों का एकमात्र उद्देश्य धर्म और जाति के आधार पर मतदाताओं को भड़काना है।

प्रेम प्रसंग के चक्कर में मां, बेटी और बेटे की हत्या का खुलासा

प्रेमिका पर लुटाता था कमाई, भाई ने खत्म कर दिया किशोरी का परिवार

हरिभूमि न्यूज ⏭ अंबिकापुर/बलरामपुर

पुलिस ने आरोपी को किया गिरफ्तार, पुलिस रिमांड पर लेकर हो रही पूछताछ, खेत में कंकाल मिलने का मामला

दहेजवार स्थित खेत में मिले कंकाल के मामले में पुलिस ने हत्या की गुत्थी सुलझाने के साथ ही आरोपी युवक को गिरफ्तार कर लिया है। महिला के पुत्री के प्रेम प्रसंग के चक्कर में मां, बेटी और बेटे की हत्या हुई। किशोरी के प्रेमी के भाई ने इस नृशंस हत्याकांड को अंजाम दिया। जान-पहचान का फायदा उठाकर आरोपी तीनों को अपने घर ले गया और फिर टांगी से बारी-बारी तीनों की हत्या कर ⏭शेष पेज 2 पर

खास खबर

चल रही है पूछताछ

तीन कंकाल मिलने के मामले में पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी के भाई और मृतका किशोरी के बीच प्रेम संबंध था। आरोपी का भाई अपनी कमाई प्रेमिका पर खर्च करता था जिससे आरोपी नाराज चल रहा था। घटना दिवस को उसने तीनों को चांदो में मिलने के बुलाया था। घटना की जांच जारी है।

- वैभव बैंकर, एसपी

प्रेमिका पर खर्च करता था पैसा

पुलिस के अनुसार मुख्य आरोपी मोख्तार अंसारी झाड़ फूंक का काम करता है। उसका दहेजवार में भी एक घर है। आरोपी मोख्तार अंसारी के भाई और मृतका कौशल्या की पुत्री मुक्तावती का प्रेम संबंध था। आरोपी का भाई अपनी पूरी कमाई प्रेमिका पर खर्च करता था और घर में एक रुपए भी नहीं देता था। इस बात को लेकर अक्सर आरोपी नाराज रहता था। पूर्व में उसने अपने भाई की पिटाई भी की थी लेकिन इसके बाद भी आरोपी के भाई और मृतका मुक्तावती के बीच सम्पर्क समाप्त नहीं हुआ इसलिए उसने हत्या की योजना बनाकर वारदात को अंजाम दिया।

पीएम बोले-नाइजीरिया, ब्राजील और गुयाना से मजबूत होगी भारत की भावी साझेदारी

50 साल बाद हो रही गुयाना की यात्रा

उन्होंने कहा कि गुयाना के राष्ट्रपति मोहम्मद इरफान अली के निमंत्रण पर मैं गुयाना की यात्रा करूंगा। यह किसी भारतीय प्रधानमंत्री की पांच दशक (50 साल) के बाद की जा रही पहली यात्रा होगी। राष्ट्रपति अली और मैं अपनी बातचीत के दौरान हमारे अनोखे संबंधों पर विचारों के आदान-प्रदान के साथ उन्हें सामरिक निर्देश देंगे। यह हमारी साझा विरासत, संस्कृति और मूल्यों पर आधारित है।

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

यूक्रेन, पश्चिम एशिया युद्ध और हिंद-प्रशांत की चुनौती के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शनिवार (16 नवंबर) को नाइजीरिया, ब्राजील और गुयाना की पांच दिवसीय आधिकारिक यात्रा पर रवाना हो गए। इस दौरान अपने संबोधन में उन्होंने मुख्य रूप से इन तीन देशों के साथ भारत के द्विपक्षीय संबंधों व सामरिक भागीदारी के भविष्य में और अधिक मजबूत होने पर जोर दिया।

ब्राजील में होगा 19 वां जी-20 सम्मेलन

प्रधानमंत्री ने कहा कि मेरी इस यात्रा का दूसरा पड़ाव ब्राजील होगा। जहां पर मैं बतौर ट्राइका सदस्य 19वें जी-20 शिखर सम्मेलन में भाग लूंगा। पिछले साल 2023 में समूह की भारत की सफल अध्यक्षता ने इसे जी-20 से लोगों का जी-20 बनाकर एजेंडे में वैश्विक दक्षिण की प्राथमिकताओं को प्रमुखता से शामिल किया था। अब इस साल ब्राजील ने भारत की इसी विरासत को आगे बढ़ाया है।

नाइजीरिया से मजबूत होगी सामरिक भागीदारी : *विदेश मंत्रालय के मुताबिक, प्रधानमंत्री मोदी ने अपने बयान में कहा कि मेरी तीन दिवसीय यात्रा का पहला पड़ाव नाइजीरिया होगा। जिसके लिए राष्ट्रपति बोला अहमद टीनूबू ने मुझे आमंत्रित किया है। यह मेरी नाइजीरिया की पहली यात्रा होगी।*

'प्रधानमंत्री ने 'एक्स' पर पोस्ट में कहा कि अगले कुछ दिनों में नाइजीरिया, ब्राजील और गुयाना में रहूंगा। मुझे द्विपक्षीय और बहुपक्षीय दोनों तरह के कार्यक्रमों में भाग लेने का अवसर मिलेगा।

जो विभिन्न देशों के साथ भारत के संबंधों को गति प्रदान करेंगे। उन्होंने कहा, मैं ब्राजील में जी-20 शिखर सम्मेलन में भाग लूंगा और गुयाना में कैरेबियाई नेताओं से मिलूंगा। इस यात्रा में, मैं भारतीय समुदाय के साथ भी बातचीत करूंगा'।

अगले सप्ताह नेपाल की यात्रा पर रहेंगे सेनाप्रमुख

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

- नेपाल की सेना जनरल उपेंद्र द्विवेदी को प्रदान करेगी मानद जनरल की उपाधि
- मुक्तिनाथ मंदिर जाएंगे सेनाप्रमुख, पहले सीडीएस जनरल रावत के नाम पर यहां एक घंटी लगी हुई है

नेपाल द्वारा हाल ही में भारत के कुछ इलाकों को अपना बनाकर जारी किए गए नक्शे और उसे मिली चीन की मान्यता के बीच सेनाप्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी अगले सप्ताह से नेपाल की आधिकारिक यात्रा पर रहेंगे। इस दौरान उन्हें नेपाल की सेना द्वारा 'मानद जनरल' की उपाधि प्रदान की जाएगी।

यह दोनों देशों के बीच परस्पर रूप से स्थापित एक प्राचीन परंपरा का हिस्सा है। जिसमें दोनों देशों की सेनाएं एक-दूसरे के सेनाप्रमुखों को मानद जनरल की उपाधि प्रदान करती हैं। रक्षा सूत्रों ने शनिवार को बताया कि जनरल द्विवेदी की यह यात्रा दोनों देशों के बीच बढ़ती सैन्य कूटनीति का एक महत्वपूर्ण अध्याय होगा। जिससे भारत, नेपाल के सैन्य और रणनीतिक संबंधों को मजबूती मिलेगी। साथ ही यह क्षेत्रीय सुरक्षा, स्थायित्व व आतंकवाद और कट्टरता जैसे समान खतरों से मुकाबले के लिए बनी हुई साझा प्रतिबद्धता को भी प्रदर्शित करता है। दोनों की सैन्य भागीदारी दक्षिण एशिया में शांति-स्थायित्व को बनाए रखने का भी एक बड़ा कारक है।

यूं मिलेगी सैन्य संबंधों को मजबूती : सूत्रों ने बताया कि जनरल द्विवेदी की इस नेपाल यात्रा से दोनों के सैन्य संबंधों से जुड़े हुए विविध क्षेत्रों को भविष्य में और अधिक मजबूती और गति मिलेगी। इसमें संयुक्त सैन्य युद्धाभ्यास, प्रशिक्षण कार्यक्रम और क्षेत्रीय व अंतरराष्ट्रीय चिंताओं पर रणनीतिक चर्चाएं मुख्य हैं। जनरल द्विवेदी नेपाल में मुक्तिनाथ मंदिर भी जा सकते हैं। यहां फरवरी 2023 में भारत के पहले सीडीएस जनरल बिपिन रावत के नाम पर एक घंटी लगाई गई थी। मौजूदा सेनाप्रमुख की यह यात्रा दोनों देशों के प्रगाढ़ सैन्य संबंधों का प्रतीक है। जो शताब्दियों से जुड़े साझा इतिहास, सामरिक हितों और विभिन्न सुरक्षा-रक्षा मामलों पर सहयोग से संबंधित हैं। भारत और नेपाल हमेशा से एक विशेष संबंध को साझा करते हैं। जिसमें सांस्कृतिक, ऐतिहासिक और भौगोलिक कारकों की अहम भूमिका है। अब यह मजबूत सैन्य साझेदारी में परिवर्तित हो गए हैं। क्षेत्रीय सुरक्षा को बढ़ावा देने में भी इसका बड़ा योगदान है।

जैकेट के शेष

भाजपा की सदस्यता परीक्षा ...

का लक्ष्य पूरा नहीं किया है। भाजपा के राष्ट्रीय संगठन ने दो सितंबर से देशभर में सदस्यता अभियान प्रारंभ किया है। छत्तीसगढ़ संगठन को जहां 60 लाख सदस्य बनाने का लक्ष्य दिया गया है, वहीं सांसद, विधायकों के साथ प्रदेश संगठन के पदाधिकारियों का भी लक्ष्य तय किया गया। सांसदों के लिए 20-20 हजार और विधायकों के लिए 10-10 हजार का लक्ष्य तय किया गया है।

कमेटी ने कहा, दवा ....

नहीं थी। करीबन 660 करोड़ के बड़े घोटाला इस डिमांड के माध्यम अंजाम दिया गया। कंपनियों ने वहां उपकरण और रीएजेंट पहुंचाए और दवा कार्पोरेशन के अधिकारियों ने उन्हें रिसीव करने के लिए स्थानीय अधिकारियों और चिकित्सकों पर दबाव बनाया था। हरिभूमि ने इस मामले का खुलासा किया था। स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने दोषियों के खिलाफ सख्त रवैया अपनाया और कार्यवाही के लिए जांच कमेटी का गठन किया था और कड़ी कार्यवाही का आश्वासन दिया था। विभागीय सूत्रों का कहना है कि बनाई गई कमेटी की जांच पूरी हो चुकी है और रिपोर्ट विभागीय अफसरों के टेबल तक कुछ समय पहले ही पहुंच चुकी है। कमेटी ने अपनी जांच में यह पाया गया है कि इस बड़ी गड़बड़ी को अंजाम देने में सीजीएमएससी के तात्कालीन अफसर दोषी थे। उनके द्वारा ही सप्लायर कंपनी को रीएजेंट सहित अन्य उपकरण सप्लाई करने के लिए खुली छूट दी गई थी।

हेल्थ सेंटर में ....

शुगर मापने वाली ग्लूकोज, लाइपेस सीरिंज जिसका उपयोग रक्त में वसा की मात्रा जानने वाला किट शामिल थी।

अफसर गांव नहीं ....

सहित अन्य प्रमुख लोगों से बातचीत की तो उनके द्वारा नीलामी की पुष्टि करते हुए इस संबंध में खुलकर जानकारी दी। ग्रामीणों का मानना है कि उन्होंने घाट की नीलामी करके कोई गलती नहीं की है, क्योंकि घाट उनके गांव का है। ऐसे में घाट की नीलामी गांव के भलाई के लिए की गई है।

ग्राम छटेरा के व्यक्ति को दिया गया ठेका : टीम से बातचीत करते हुए ग्रामीणों ने बताया कि सरपंच सहित पूरा गांव के लोगों ने सामूहिक रूप से बैठक कर घाट की नीलामी की है। नाथुराम यादव, तिहारू निषाद, भरत निषाद, सोहनलाल पटेल सहित अन्य ग्रामीणों ने बताया कि पिछले कई वर्षों से गांव का विकास रूका हुआ है। घाट उनके गांव का है, इसलिए सरपंच सहित पूरे गांव के लोगों ने एक निर्णय लेकर 10 नवंबर रविवार को बैठक बुलाई थी। यह बैठक घाट को नीलामी के लिए बुलाई गई थी, जिसमें बोली लगाने घाट खरीददारों को भी बुलाया गया था। बैठक में घाट की बोली एक करोड़ रुपए रखी गई थी, इसलिए बैठक ज्यादातर देर तक नहीं चली। घाट के लिए अंतिम बोली 1 करोड़ 4 लाख रुपए लगाई गई थी। यह बोली ग्राम छटेरा के भोलू चंद्राकर नामक व्यक्ति ने लगाई थी, जिसे घाट का ठेका दिया गया है।

6 महीने का ठेका, 50 हजार एडवांस राशि जमा कराई गई : रेत घाट का यह ठेका 6 महीनों के लिए दिया गया है। ग्रामीणों के अनुसार जिस व्यक्ति को ठेका दिया गया है, उसके द्वारा एडवांस राशि के रूप में 50 हजार रुपए गांव के मुखिया के पास जमा कराया गया है। जिस दिन रेत खनन का काम शुरू होगा। उसी दिन सात लाख रुपए की पहली किस्त ठेकेदार को जमा करने कहा गया है। इसके बाद तीन से चार किस्तों में शेष राशि को जमा करने की शर्त रखी गई है।

नदी से पानी निकालकर या सुखा कर किया जाएगा खनन : जिस रेत घाट की अवैध रूप से नीलामी की गई है, उसमें लबालब पानी भरा हुआ है। सौदे के अनुसार ठेकेदार घाट में भरे पानी को बाहर निकालकर या सुखा कर यहां रेत का खनन कराया जाता जो नियम के विरुद्ध है।

रोज 50 हाईवा से अधिक रेत खनन, ठेकेदार की भी चांदी : टीम की पड़ताल में यह भी पता चला कि गौरभाट घाट जिले के अन्य कई रेत घाटों की तुलना में छोटा है, लेकिन इसके बाद भी इस घाट से रोजाना तकरीबन 50 से ज्यादा हाईवा रेत का खनन एवं परिवहन होने की संभावना है। बाजार में इन दिनों प्रति हाईवा रेत की न्यूनतम कीमत 22 हजार और अधिक 27 हजार रुपए है। ऐसे में 50 हाईवा रेत के अनुसार इसकी कीमत करीब 12 लाख रुपए होगी। महीने की औसत कमाई 3 करोड़ रुपए से ज्यादा। कहा जा रहा है कि एक करोड़ चार लाख में ठेका लेने वाला ग्रामीणों की सहमति से छह महीने तक रेत खनन कर सकता है। उस लिहाज से सरकार को करोड़ों की चपत लगेगी।

गांव-विभाग के बीच सहमति नहीं बन पाने कारण पिछली बार नहीं हो पाया था टेंडर : विभागीय सूत्रों के अनुसार गौरभाट घाट पर सालभर पानी भरा रहता है। इस कारण घाट का टेंडर निकालने में भी अड़चन आई थी, हालांकि सूत्रों के अनुसार पिछले वर्ष इस घाट के लिए टेंडर की प्रक्रिया चल रही थी, लेकिन ग्रामीणों ने विभाग से गांव के विकास के लिए एक बड़ी राशि की मांग की थी, जिस पर सहमति नहीं बनने के कारण इस घाट का टेंडर नहीं हो पाया था।

चैंपियन ने जीते ....

टायसन को 20 मिलियन डॉलर यानी करीब 169 करोड़ रुपए मिलेंगे।

पेज एक के शेष

केएसके वर्धा पावर प्लांट..

निरीक्षण में पहुंचे। गौरतलब है कि एशिया की सबसे बड़ी ताप विद्युत परियोजना में से एक केएसके महानदी वर्धा पावर प्लांट को खरीदने के लिए सज्जन जिंदल प्रमोटेड जेएसडब्ल्यू एनर्जी ने सबसे ऊंची 35 हजार करोड़ की बोली लगाई। इसमें उन्होंने वित्तीय कर्जदाताओं के लिए 15 हजार 985 करोड़ रुपए का प्रस्ताव दिया। इस नीलामी में एनटीपीसी, जिंदल पावर और अडाणी ग्रुप सहित छह कंपनियों ने भाग लिया, जिनमें से केपी ग्लोबल, वेदांता, एनटीपीसी और जिंदल पावर ने सक्रिय बोली में भाग लिया। जिंदल पावर, वेदांता और एनटीपीसी नौवें दौर के बाद बाहर हो गए। दसवें दौर में केपी ग्लोबल बाहर हो गई।

1400 जवानों ने घेरा...

शुरू कर दी। डीआरजी, एसटीएफ और बीएसएफ की संयुक्त पुलिस पार्टी बचाव करते हुए जवाबी फायरिंग किया। सुबह 8 बजे से चल रही मुठभेड़ को मदद के लिए दक्षिण दिशा से नारायणुर की टीम और पश्चिम दिशा से गढ़चिरौली की सी 60 टीम भी दोपहर बाद पहुंच गई। कांकेर जिली की टीम धीरे धीरे आगे बढ़ रही थी, तभी जंगल में पांच नक्सलियों के शव मिले और हथियारों का जखीरा मिला। पांच मृत नक्सलियों में दो महिला नक्सली के शव है।

दो जवानों को आई...

गए। घायल जवानों को जंगल से निकालने के लिए जीरो ग्राउंड पर एमआई 17 हेलीकॉप्टर उतरा और उन्हें एयरलिफ्ट कराते हुए बेहतर इलाज के लिए रायपुर अस्पताल में पहुंचाया गया।

सेंट्रल कमेटी के...

ऑपरेशन को शुरू किया गया। सुरक्षाबलों को सीसी मेंबर के साथ ही बड़ी संख्या में नक्सलियों के जमावड़े की सूचना मिलने पर ही यह आपरेशन लांच किया गया था।

सीएम साय ने जवानों...

ज्यादा नक्सलवादियों को ढेर किया जा चुका है। आज हुई मुठभेड़ में भी हमारे जवानों ने अदम्य साहस का परिचय दिया है। हमारे दो जवान घायल हुए हैं, जिनके समुचित उपचार की व्यवस्था के निर्देश मैंने दिए हैं। उन्होंने कहा कि मैं स्वयं अभियान की मॉनिटरिंग कर रहा हूं। अधिकारियों से पल-पल की जानकारी ले रहा हूं।

माओवादियों के खिलाफ...

जवानों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करते हुए उनकी वीरता की सराहना की है। उन्होंने इस अभियान में शामिल सभी सुरक्षा बलों को बधाई दी और उनकी कर्तव्यनिष्ठा की प्रशंसा की।

'सिस्टम ही दिव्यांग'...

मुंगेली जिले के लोरमी विकासखंड के 6 से 7 गांव ऐसे हैं, जहां पिछले 10 सालों में 300 से अधिक लोग बहरे हो गए हैं। मेडिकल बोर्ड द्वारा जारी सर्टिफिकेट के आधार पर 147 लोग श्रवण बाधित कान के दिव्यांग प्रमाण पत्र बनवाने के बाद सरकारी नौकरी भी कर रहे हैं। हालांकि इसमें अधिकांश के फर्जी होने के आरोप भी लग रहे हैं। खास बात यह भी है कि इनमें से अधिकतर का सरनेम राजपूत, राठौर और सिंह है। यह सभी बिलासपुर, मुंगेली और जांजगीर-चांपा जिले के निवासी हैं। अधिकांश फर्जी प्रमाण पत्र भी लोरमी और जांजगीर-चांपा जिले से बनाए गए है। इसकी चर्चा पूरे प्रदेश में है। छत्तीसगढ़ दिव्यांग सेवा संघ के मुताबिक अधिकांश प्रमाण पत्रों में बिलासपुर और मुंगेली में पदस्थ दो डाक्टरों के हस्ताक्षर हैं। इनमें से एक डॉक्टर बिलासपुर में स्वास्थ्य विभाग में महत्वपूर्ण पद पर पदस्थ हैं।

कृषि विभाग में सबसे अधिक गड़बड़ी : विकलांग संघ के मुताबिक अकेले 53 लोग कृषि विभाग में ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी के पद पर पदस्थ हैं। वहीं तीन लोग कृषि शिक्षक के पद पर काबिज हैं। ध्यान रहे राज्य शासन की ओर से दिव्यांगों की विशेष भर्ती के लिए विज्ञापन जारी किया गया था। सबसे पहले ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी पद के लिए भर्ती हुई। इसमें जमकर फर्जीवाड़ा किया गया। जिनकी नियुक्ति हुई उनमें से अधिकांश लोगों ने श्रवण बाधित होने का फर्जी विकलांगता प्रमाण पत्र पेश किया है। इस विभाग की जांच सबसे जरूरी है क्योंकि सबसे अधिक गड़बड़ी यहीं हुई है।

इन विभागों में सालों...

के बाद भी जांच नहीं हो रही है और अधिकारी मामले को दबाकर बैठे हैं। विकलांग संघ के मुताबिक अकेले 53 लोग कृषि विभाग में ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी के पद पर पदस्थ हैं। वहीं तीन लोग कृषि शिक्षक के पद पर काबिज हैं।

प्रेमिका पर लुटाता...

दी। हत्या के बाद आरोपी ने लाशों को घर के पीछे ही दफन कर दिया था। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार करने के साथ ही घटना में प्रयुक्त टांगी को बरामद कर लिया है। पुलिस ने आरोपी को 6 दिन के पुलिस रिमांड पर लिया है, जिसके बाद इस हत्याकांड के और भी राज खुलकर सामने आने की संभावना है। बता दें कि शुक्रवार की सुबह दहेजवार में दो वर्षों से बंद पड़े फ्लाई एश प्लांट के समीप खेत में तीन नर कंकाल बरामद किए गए थे। नर कंकाल मिलने के बाद क्षेत्र में हड़कंप मच गया था। पुलिस ने घटनास्थल से तीन खोपड़ी, कंकाल का हड्डी, कपड़ा, पायल आदि जब्त किया किया था। तीन नर कंकाल मिलने के बाद मामले को गंभीरता से लेते हुए एसपी वैभव बैंकर ने टीम गठित कर घटना की जांच करने के निर्देश दिए थे।

पुलिस द्वारा घटना की प्रारंभिक जांच के दौरान ही मृतकों की पहचान कुसमी के वार्ड क्रमांक 1 निवासी 35 वर्षीया कौशल्या पति सूरजदेव ठाकुर, पुत्री 17 वर्षीया मुक्तावती और 5 वर्षीय पुत्र मिंटू ठाकुर के रूप में की थी। मृतक 26 सितंबर से लापता थे। इस मामले में मृतका कौशल्या के पति ने कुसमी थाने में गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। फिलहाल पुलिस ने मृतकों के डीएनए सैंपल को जांच के लिए भेजा गया। प्रारंभिक पीएम रिपोर्ट में हत्या की पुष्टि होने पर पुलिस ने जब मृतक के परिजन का बयान दर्ज किया तो पता चला कि झारखंड के गढ़वा, भंडरिया निवासी मोख्तार अंसारी और उसका भाई उनके घर अक्सर आता जाता था। ऐसे में पुलिस ने संदेह के आधार पर मोख्तार अंसारी को हिरासत में लेकर पूछताछ की तो उसने अपना जुर्म कबूल करते हुए तीनों की हत्या करने की बात स्वीकार की।

इस तरह की हत्या : पुलिस के अनुसार 26 सितंबर को महिला कौशल्या ठाकुर अपनी बेटी मुक्तावती, पुत्र मिंटू ठाकुर के साथ बाजार जाने के नाम पर निकली थी। घटना दिवस को क्षेत्र में बारिश हो रही थी। इसी बीच किसी तरह उनका संपर्क मोख्तार अंसारी से हुआ तो आरोपी ने उन्हें मिलने के लिए चांदो बुलाया। बारिश अधिक होने के कारण उसने तीनों को अपने दहेजवार स्थित घर जाकर रुकने और बारिश बंद होने के बाद घर जाने की बात कही। आरोपी युवक की साजिश से अनजान महिला अपनी बेटी और बेटे के साथ आरोपी के घर चली गई। इसी दौरान मौका पाकर उसने तीनों को बारी-बारी टांगी मारकर मौत के घाट उतार दिया और फिर घर के पीछे लाशों को दफन कर दिया।

छह दिनों की पुलिस रिमांड : पुलिस ने महिला कौशल्या ठाकुर, किशोरी मुक्तावती व बालक मिंटू ठाकुर की हत्या के आरोप में आरोपी मोख्तार अंसारी को बीएनएस की धारा 140 (3),137 (2), 103(1), 238 के तहत गिरफ्तार कर लिया है लेकिन इस हत्याकांड में अभी भी कई अनसुलझे सवाल है। सबसे बड़ी बात यह है कि आरोपी ने अकेले ही इस घटना को अंजाम दिया या फिर कोई और भी इसमें सहयोग कर रहा था। वहीं घटना दिवस को तीनों आखिर आरोपी के घर कैसे पहुंचे जबकि वे खरीदारी करने के नाम पर निकले थे। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया जहां से आरोपी को छह दिनों की पुलिस रिमांड ली गई है। पुलिस आरोपी से पूछताछ करने के साथ ही डीएनए रिपोर्ट आने पर स्थिति स्पष्ट होने की बात कह रही है।

थाना प्रभारी लाइन हाजिर : लापता महिला और उसके बच्चों की हत्या के मामले में एसपी ने कार्रवाई की है। एसपी वैभव बैंकर ने थाना प्रभारी जितेंद्र जायसवाल को लाइन हाजिर कर दिया है। मृतक के परिजन ने पुलिस पर जांच में लापरवाही का आरोप लगाया था। हालांकि एसपी का कहना है कि प्रशासनिक दृष्टिकोण से थाना प्रभारी बदला गया है।

राशिफल

मेष — कला या संगीत के प्रति रुझान बढ़ सकता है। मन प्रसन्न रहेगा। शैक्षिक कार्यों को लेकर सतर्क रहें। व्यवधान आ सकते हैं। खर्चों में वृद्धि होगी।

वृष — बातचीत में सन्तुलित रहें। नौकरी में अफसरों का सहयोग मिलेगा। तरक्की के अवसर मिल सकते हैं। अनाश्यक कार्यों से खर्च की अधिकता बढ़ सकती है।

मिथुन — नौकरी के लिए परीक्षा एवं साक्षात्काराादि कार्यों में सफलता मिलेगी। शासन-सत्ता का सहयोग मिलेगा। मान-सम्मान की प्राप्ति भी हो सकती है।

कर्क — कारोबार में कठिनाइयां आ सकती हैं। परिश्रम अधिक रहेगा। पिता के स्वास्थ्य का ख्याल रखें। माता का साथ मिलेगा। तरक्की के मार्ग प्रशस्त होंगे।

सिंह — मन प्रसन्न तो रहेगा। फिर भी संयत रहें। धैर्यशीलता बनाये रखने के प्रयास करें। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। धार्मिक संगीत के प्रति रुझान बढ़ सकता है।

कन्या — मन प्रसन्न रहेगा। शैक्षिक कार्यों में मन लगेगा। संयत रहें। परिवार में शान्ति बनाये रखने के प्रयास करें। भाइयों के सहयोग से नए कार्य की शुरुआत होगी।

तुला — कला या संगीत के प्रति रुझान बढ़ सकता है। कारोबार में कठिनाइयां आ सकती हैं। भाग-दौड़ भी अधिक रहेगी। तरक्की के मार्ग प्रशस्त होंगे।

वृश्चिक — संयत रहें। व्यर्थ के क्रोध एवं वाद-विवाद से बचें। माता का सानिध्य मिलेगा। शैक्षिक कार्यों के लिए किसी दूरस्थ स्थान पर जाना हो सकता है।

धनु — नौकरी में अफसरों से सद्भाव बनाकर रखें। तरक्की के योग बन रहे हैं। आय में वृद्धि होगी। कार्यभार भी बढ़ेगा। व्यर्थ की चिंता बढ़ सकती हैं।

मकर — वाणी में मधुरता तो रहेगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। कारोबार में भाग-दौड़ अधिक रहेगी। किसी अज्ञात भय से परेशान हो सकते हैं।

कुंभ — मन में उतार-चढ़ाव रहेंगे। बातचीत में सन्तुलित रहें। कारोबार में अभी निवेश करने से बचें। आय की स्थिति में सुधार आएगा, लेकिन खर्च भी बढ़ेंगे।

मीन — पठन-पाठन में रुचि बढ़ेगी। किसी रुके हुए धन की प्राप्ति हो सकती है। परिवार के साथ किसी धार्मिक स्थान की यात्रा पर जा सकते हैं। खर्चों में वृद्धि होगी।

दिल्ली की अदालत ने 241 करोड़ रुपये के धन शोधन मामले में कारोबारी को दी जमानत

नई दिल्ली। दिल्ली की एक अदालत ने भूखंड खरीदारों से कथित धोखाधड़ी से जुड़े 241 करोड़ रुपये के धन शोधन मामले में एक कारोबारी को जमानत दे दी। अदालत ने कहा कि प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने दिल्ली उच्च न्यायालय के आदेशों की अवहेलना करते हुए कारोबारी को मनमाने तरीके से गिरफ्तार किया था।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे

स्टोर्स आइटम्स की आपूर्ति हेतु निविदा सूचना

ई- निविदा सूचना संख्याः एनआईटी/14/24/50, दिनांक 12.11.2024.

क्र. सं.	टेन्डर संख्या	विवरण	निविदा बंद/खुलने की तिथि	मात्रा
1.	08241513	सर्वोप्लस एस.एच.सी.–120 (आई.ओ.सी.) इन 182 के.जी. बैरल्स	18.11.2024	14177 के.जी.
2.	04241385B	लॉ मेंटेनेन्स लीड एसीड बैटरी 8व्ही.	04.12.2024	208 नग
3.	03243177	नकल पीबोट पिन फॉर फ्रेट स्टॉक वैगन्स	06.12.2024	54944 नग
4.	03242673A	यॉक फॉर अपग्रेडेड हाई टेन्सीलसेंटर बफर कपलर फॉर बॉक्सएनएचएल/बीसीएनएचएल	09.12.2024	1000 नग

निविदा खुलने/बंद होने का समयः- 10.30 बजे

रेलवे को किसी निविदा के लिए शुद्धिपत्र जारी करने का अधिकार है, शुद्धिपत्र और ई खरीद की जरूरी सूचना वेंडर www.ireps.gov.in पर देख सकते है।

सीपीआर/10/335 — कृते प्रधान मुख्य सामग्री प्रबंधक, बिलासपुर

South East Central Railway — @secrail

एनएमडीसी - डी.ए.व्ही. आवासीय पब्लिक स्कूल, धनपुंजी

Ref No. NMDC/DAVRPS/2024-25/182 — Date 16/11/2024

निविदा आमंत्रण सूचना

एनएमडीसी - डी.ए.व्ही. आवासीय पब्लिक स्कूल, धनपुंजी, जगदलपुर, जिला बस्तर (छ.ग.) में खेल के मैदान का विकास (Works for Development of playground) सेवाएं की आपूर्ति हेतु सम्बंधित पंजीकृत व्यापारियों से सीलबन्द निविदा आमंत्रण सूचना, दिनांक 04/12/2024 के 1:00 बजे अपरान्ह तक आमंत्रित की जाती हैं जो निविदा में उल्लेखित दिनांक एवं समय में विद्यालय क्रय समिति एवं निविदाकर्ताओं के समक्ष खोली जावेंगी। निविदा प्रपत्र एनएमडीसी डी.ए.व्ही. आवासीय पब्लिक स्कूल, धनपुंजी, जगदलपुर, जिला बस्तर (छ.ग.) कार्यालय से सुबह 09:00 बजे से 1:00 बजे तक कार्यालय दिवस में प्राप्त किये जा सकते है। निविदा के साथ बयाना राशि का बैंक ड्राफ्ट/चेक जो एनएमडीसी - डी.ए.व्ही.आर.पी.एस. नगरनार (NMDC DAV RPS, NAGARNAR) के नाम एवं भारतीय स्टेट बैंक नगरनार शाखा में देय होगी। पेन कार्ड संलग्न करना अनिवार्य है अन्यथा निविदा रद्द समझी जावेगी।

क्रमांक	सामग्री का नाम	निविदा शुल्क
1	खेल के मैदान का विकास (Works for Development of playground)	2100.00

प्राचार्या,
एनएमडीसी - डी. ए. व्ही.
आवासीय पब्लिक स्कूल, धनपुंजी

Home First Finance Company India Limited
CIN: L65990MH2010PLC240703
Website: homefirstindia.com
Phone No.: 180030008425 Email ID: loanfirst@homefirstindia.com

कब्जा सूचना

संदर्भ: सुरक्षा हित (प्रवर्तन) नियम, 2002 के नियम 8 के उप-नियम (1) के अंतर्गत कब्जा सूचना

चूंकि, नीचे हस्ताक्षरकर्ता होम फर्स्ट फाइनेंस कंपनी इंडिया लिमिटेड के प्राधिकृत अधिकारी होने के नाते, वित्तीय आस्तियों के प्रतिभूतिकरण और पुनर्निर्माण तथा सुरक्षा हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 (अधिनियम संख्या 54, 2002) के अंतर्गत तथा सुरक्षा हित (प्रवर्तन) नियम, 2002 के नियम 3 के साथ धारा 13(2) के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, नीचे दिए गए संबंधित तिथियों पर जारी किए गए मांग नोटिस के अनुसरण में, आप से/ऋणधारकों से, नीचे नामित, संबंधित नोटिस प्राप्त होने की तिथि से 60 दिनों के भीतर बकाया राशि का भुगतान करने का आह्वान करते हैं। तथापि, आप/उधारकर्ता सभी निर्धारित समय के भीतर उक्त बकाया राशि का भुगतान करने में विफल रहे हैं, इसलिए **होम फर्स्ट फाइनेंस कंपनी इंडिया लिमिटेड** ने सरफेसी एक्ट, 2002 की धारा 13 की उपधारा (4) के प्रावधानों के तहत प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए, इसके तहत नियमों को पढ़ते हुए, नीचे उल्लिखित सुरक्षित परिसंपत्तियों को अपने **कब्जे** में ले लिया है:

क्र. सं.	ऋणधारक (ओं)/सह ऋणधारक (ओं)/ जमानतदारों के नाम	बंधक रखी गयी संपत्ति का विवरण	मांग सूचना की तिथि	मांग सूचना की तिथि को कुल बकाया राशि (रू. में)	कब्जा की तिथि
1.	अजय कुमार मिश्रा, नीलम मिश्रा	प्लैट नं.- 305,, खसरा नं. 238/10, दूसरी मंजिल, क्षेत्रफल 290 वर्गफीट, खसरा नंबर 238/10 का भाग, रायपुर विकास प्राधिकरण (आरडीए), मौजा हीरापुर, वीर सावरकर नगर वार्ड, वार्ड नंबर 01,प.ह. नं. 103, रा.नि.मं. रायपुर, छत्तीसगढ़, 491111	04-12-2023	4,51,563	11-11-2024

ऋणधारक द्वारा राशि वापस करने में असफल रहने के कारण, ऋणधारक/जमानतदार और आम जनता को यह सूचना दी जाती है कि अधोहस्ताक्षरी ने उक्त अधिनियम की धारा 13(4) के साथ उक्त नियम के नियम 8 के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, ऊपर उल्लिखित तिथि को नीचे वर्णित संपत्ति पर कब्जा ले लिया है।
ऋणधारकों/जमानतदारों और **आम जनता** को एतद्द्वारा आगाह किया जाता है कि वे ऊपर उल्लिखित संपत्तियों/प्रतिभूत संपत्तियों या उसके किसी भाग के साथ लेन-देन न करें और उक्त संपत्तियों/प्रतिभूत संपत्तियों के साथ कोई भी लेन-देन होम फर्स्ट फाइनेंस कंपनी इंडिया लिमिटेड के प्रभार के अधीन होगा, जो संपत्तियों/प्रतिभूत संपत्तियों के विरुद्ध ऊपर उल्लिखित राशि के लिए है, **जो पूर्ण भुगतान होने तक उस पर अतिरिक्त ब्याज के साथ देय है।**

ऋणधारक का ध्यान सुरक्षित परिसंपत्ति को भुनाने के लिए उपलब्ध समय के संबंध में अधिनियम की धारा 13 की उपधारा (8) के प्रावधानों की ओर आकर्षित किया जाता है।

स्थान: रायपुर
दिनांक: 17-11-2024

प्राधिकृत अधिकारी
होम फर्स्ट फाइनेंस कंपनी इंडिया लिमिटेड

शब्द पहेली - 5693

बाएँ से दाएँ
1.शरीफ,नेकनीयत-5
4.जिसे सुनाई न दे-3
6.मां का भाई-2
7.एकमात्र,सिर्फ एक-3
8.अधिकार-2
10.सिर झुकाना-3
11.दुर्घटना-4
14.दूध फाड़कर बनाया जानेवाला पदार्थ-3
16.राजदार-4
17.राजा की पत्नी-2
18.वीज, वीर्य-2
19.मीठा पेय पदार्थ-4
21.पानी की बूंद-3
22.अवरोध,बाधा-4
24.मैला,अस्वच्छ-3
25.पानी,जल-2
27.पुत्र,लड़का-3
28.लाश,पार्थिव देह-2
29.थकावट-3
30.मन मोहने वाला-5

ऊपर से नीचे
1.समाजवाद को माननेवाला अनुयायी-5
2.अस्थमा-2
3.राज्य,सल्तनत-4
4.तन,काया,देह-3
5.रास्ता,मार्ग-2
7.नखरा,भुगतान-2
9.डोली उठाने वाले-3
12.बिजली,विद्युत रश्मि-3
13.भद्रता,नेकनियत -4
15.कमल,पंकज-3
16.बुखरा,ज्वर ताप-4
17.आराम,मदद-3
18.घना वन-3
20.मन को भाने वाला -2,3
21.कथा,गाथा-3
22.कहासुनी-4
23.मनन करना-3
24.शराब-2
26.घोड़ागाड़ी-2
28.बढ़ावा देना-2

शब्द पहेली-5692 का हल

■	रा	ह	ज	नी	■	फि	स	ल	ना	■
अ	■	क	हा	र	■	त	न	य	■	ब्रु
ह	क	■	न	व	■	र	म	■	फ	न
म	म	ता	■	ता	क	त	■	चा	त	क
क	र	त	ब	■	म	■	त	ल	वा	र
■	■	■	ल	ह	र	दा	र	■	■	■
ला	व	ज	मा	■	बं	■	स	ह	ल	ज
ज	त	न	■	म	द	द	■	म	ग	न
वा	न	■	क	न	■	ह	म	■	न	म
ब	■	त	म	स	■	ली	ट	र	■	त
■	मे	ह	रा	ब	■	ज	र	ब	फ्त	■

सूडोकु नवताल 5706

★★★★☆ मध्यम

8	2			6			1	
	6		8	9			7	5
3			1					2
	3		4				6	
6		2		1		4		3
	8				5		2	
2					3			1
5	1			7	6		4	
	9			4			3	6

MANGA, SENACHA, BANGALORE

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल - 5705 का हल

8	6	4	2	7	9	5	3	1
7	3	9	1	8	5	2	6	4
1	5	2	4	3	6	7	9	8
4	1	3	8	6	7	9	5	2
5	8	6	9	2	4	3	1	7
2	9	7	5	1	3	8	4	6
9	4	8	7	5	1	6	2	3
3	7	5	6	4	2	1	8	9
6	2	1	3	9	8	4	7	5

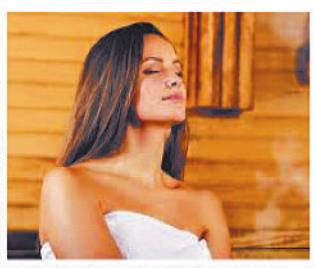

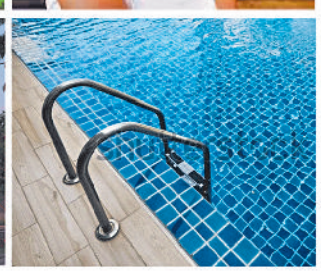

श्री स्वास्तिक ग्रुप पेश करता है
लग्ज़री लाईफ लेक के किनारे
प्राकृतिक सुन्दरता प्रतिदिन आपके द्वार पर
भव्य क्लब हाउस
Lake Shore City
डिजाइनर गेट
स्वीमिंग पुल
हर प्लॉट के साथ कार**
जीतने का मौका
i10 NIOS
** लकी ड्रॉ कूपन द्वारा द्वारा निकाला जाएगा
एश्योर्ड गिफ्ट
हर बुकिंग पर
आपके
ड्रीम होम के लिए
विभिन्न साईजो में
डेव्हल्पड प्लॉट
उपलब्ध
Print-n-Design : 9399463415
आज भव्य लांचिंग
दिनांक : 17 नवंबर 2024 रविवार
समय : 10 बजे से शाम 6 बजे तक
स्थान : लेक शॉर सिटी, कैम्पस, बहनाकाड़ी, रायपुर (छ. ग.)
क्लब हाऊस एक्टिविटी
लैण्ड स्कैप गार्डन
स्टीम बाथ
जाकूजी
लाईब्रेरी
मंदिर
स्वीमिंग पुल
इक्विप्ड जिम्नेजियम
एक ऐसी जीवनशैली जो लग्ज़री और प्रकृति का सहज मिश्रण है।
Aranya
LAKE SHORE
CITY
लोकेशन : बहनाकाड़ी , रायपुर
PCGRERA-070919001036 https://rera.cgstate.gov.in
*अनुमानित दूरी
स्कुल कालेज 20 Min.
माल 15 Min.
रेलवे स्टेशन 30 Min.
एयरपोर्ट 20 Min.
हास्पिटल 20 Min.
वेजिटेबल मार्केट 10 Min.
प्रोजेक्ट हाईलाइटस
ग्रैंड डिजाइनर इंन्टरेन्स गेट
80, 60,40 फीट की आंतरिक सडकें
कवर्ड ड्रेनेज सिस्टम
बच्चों के लिए बड़ा प्ले जोन
स्पेशल गार्डन जागिग ट्रेक के साथ
शान्ति से परिपूर्ण स्पीरिचुअल टैम्पल
पूर्णता सुरक्षित निजी रिहायशी कैपस
प्रदुषण मुक्त वातावरण
शानदार लेक साईड व्यू
Call For Inquiry : 7400840000
Associate :
SHRI SWASTIK GROUP
THE SIGN OF TRUST
www.shriswastikgroup.com
3rd floor Shubham Corporate
Infront of Airtel Office Telibandha,
Raipur (C.G.) 492001
E-mail: info@shriswastikgroup.com
Marketing Associate :
NIVESH WEL
Investment of Trust
An ISO 9001-2008 Company
Project by -
ARANYA REAL ESTATES
PRIVATE LIMITED
Hassle Free
FINANCE
AVAILABLE

तरकश

संजय के. दीक्षित

एसपी साहबों की क्लास

डीजीपी अशोक जुनेजा ने एसपी लोगों की इमरजेंसी बैठक बुलाई और उसमें ऐसा कुछ हुआ, जो राज्य बनने के बाद कभी नहीं हुआ। डीजी ने सबकी लानत-मलानत कर दी। बोलने में कोई मरौव्वत नहीं। एक-एक एसपी की कुंडली पहले से ही तैयार कर खुफिया चीफ अमित कुमार ने डीजी को दे दी थी। कुछ मामले डीजी के संज्ञान में भी थे कि कौन जिले में कप्तानी कर रहा है और कौन पोलिसिंग छोड़ बाकी सब कुछ। डीजीपी ने एक-एक एसपी की कारगुजारियों को सबसे सामने बताया और हिदायत भी कि अब बहुत हुआ। कुछ एसपी के बारे में ऐसी बातें सामने आई, जो एसपी जैसे पद की गरिमा के विपरीत है। उसे यहां लिखा नहीं जा सकता। रही-सही कसर इंटेलिजेंस चीफ अमित कुमार पूरी कर दी। साढ़े तीन घंटे की बैठक खतम होने के बाद साढ़े छह बजे एसपी पीएचक्यू से बाहर निकले, तो सबके चेहरे लटके हुए थे। कोई किसी को हेलो-हाय भी नहीं किया। चुपचाप अपनी गाड़ी में बैठे और निकल लिए।

बड़ी देर कर दी!

वैसे तो कहा जाता है...जब जागे, तब सबेरा। मगर छत्तीसगढ़ पुलिस के संदर्भ में ये मौजूं नहीं। सरकार बदलते ही अगर पुलिस प्रमुख ने ये रौद्र रुप दिखाया होता तो छत्तीसगढ़ पुलिस की विकट स्थिति नहीं होती। लोहारीडीह में तीन लोगों की हत्या भी शायद नहीं हुई होती और सूरजपुर में कबाड़ी के हाथों पुलिस का एक पूरा परिवार तबाह होने से बच जाता। खैर, वरिष्ठ अफसरों के लिए उपर का इशारा भी महत्वपूर्ण होता है। डीजीपी और इंट चीफ अगर हरकत में आए हैं तो समझा जाना चाहिए कि अब सब कुछ अच्छा होगा। तीन महीने बाद फरवरी फर्स्ट वीक में डीजीपी रिटायर हो जाएंगे मगर उनके इस तेवर का लाभ नए डीजीपी को मिलेगा। तब तक डीजीपी का यही रुख रहा तो छत्तीसगढ़ पुलिस कुछ हद तक पटरी पर आ जाएगी। बता दें, डीजीपी ने कहा है कि हर महीने वे रिव्यू करेंगे। ये काम अगर वे कर लिए तो काफी कुछ चीजें बदल जाएंगी।

डीजीपी साब, संरक्षण भी

बेशक छत्तीसगढ़ की पोलिसिंग डिरेल्ड हो चुकी है। एसपी या उसके किसी भी पद पर होने का मतलब सिर्फ पैसा हो चुका है। मगर यह भी सही है कि अच्छे काम करने वाले एसपी को संरक्षण भी चाहिए। कवर्धा के एसपी राजेश अग्रवाल एक महीने से छुट्टी पर हैं। सिस्टम को यह भी पता लगाना चाहिए कि वास्तव में बीमार हैं या कोई और बात है। राजेश अग्रवाल की जगह जिसे कवर्धा का प्रभारी एसपी बनाया गया है, उनकी नियुक्ति कैसे हो गई, इसे भी मालूम करना चाहिए। डीजीपी साब को शायद ये पता है कि नहीं कि आज की तारीख में कोई भी अच्छा एसपी जिले में नहीं रहना चाह रहा। सभी इस कोशिश में हैं कि किसी बटालियन या फिर पीएचक्यू में ही सही...पोस्टिंग हो जाए। जाहिर सी बात है, अच्छे काम के लिए रिस्क लेना पड़ता है। उसमें खतरे भी होते हैं। सो, बिना संरक्षण के कोई अफसर आ बैल मार क्यों करेगा।

अब सिंगल कलेक्टर

बलरामपुर जिले से रिमुजिएस एक्का की विदाई के बाद अब पिछली सरकार वाले सिर्फ एक कलेक्टर बच गए हैं राहुल देव। बाकी का या तो जिला बदल गया या फिर उन्हें रायपुर वापिस बुला लिया गया। राहुल को मुंगेली में लगभग दो साल हो गया है। उनसे पहले मुंगेली में कोई भी कलेक्टर साल भर से अधिक नहीं रहा। कई तो जोर-जुगाड लगाकर चार-पांच महीने में निकल लिए। वैसे, राहुल का नाम भी कई बार बड़े जिलों के लिए चला मगर जब लिस्ट आती है, तो उनका नाम गायब रहता है। लोगों को ताज्जुब इस बात को लेकर है कि पिछली सरकार के नाम पर उन्हें हटाया भी नहीं जा रहा और न ही अपग्रेड कर बड़ा जिला दिया जा रहा।

कलेक्टर की पोस्टिंग

राहुल देव के मुंगेली के कलेक्टर बने रहने पर लोगों को ताज्जुब हो रहा, उसी तरह का आश्चर्य राजेंद्र कटारा के बलरामपुर जिले का कलेक्टर बनाने पर भी हो रहा है। राजेंद्र को बीजापुर से कुछ महीने पहले हटाया गया था, तब बीजेपी के लोगों की काफी सारी दिक्कतें बताई गई थी। मगर अब फिर बलरामपुर की कलेक्टरी? यदि ये पोस्टिंग सही है तो फिर बीजापुर से हटाना सही नहीं था?

बैचमेट के हवाले हेल्थ

कहते हैं, दो के विवाद में तीसरे को फायदा होता है। डायरेक्टर हेल्थ और एमडी एनआरएचएम के बीच भरी मीटिंग में जो हुआ, उसका खामियाजा ये हुआ कि पहले एनआरएचएम से जगदीश सोनकर को हटाया गया और अब डायरेक्टर हेल्थ से ऋतुराज रघुवंशी को। बताते हैं, इसमें एक की चक्कर में दूसरा भी निबट गया। बहरहाल, इस समय 2009 बैच की आईएएस किरण कौशल कमिश्नर हेल्थ एजुकेशन हैं और इसी बैच की डॉ0 प्रियंका शुक्ला डायरेक्टर हेल्थ और स्पेशल सिकरेट्री हेल्थ बन गई हैं। एसीएस के तौर पर मनोज पिंगुआ रहेंगे मगर सरकार की नीतियों को एग्जीक्यूट करने वाले 2009 बैच की दोनों महिला आईएएस होंगी।

ओपी की आत्मा रजत में?

वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने विधानसभा में बजट पेश करते समय जैसा भाषण दिया था, कुछ वैसा ही इंडसट्रियल पॉलिसी के विमोचन में इंडस्ट्री सिकरेट्री रजत कुमार ने दिया। बिना देखे, पढ़े...धड़धड़ाते हुए रजत कुमार बोल रहे थे, और लोग उन्हें देख रहे थे। मंत्री ओपी और रजत आईएएस में एक ही बैच था। 2005। ओपी बाद में इस्तीफा देकर सियासत में आ गए और रजत प्रमोट होकर अब सिकरेट्री बन गए हैं। दोनों में गहरी छनती भी है। विमोचन कार्यक्रम में ओपी भी मंच पर थे। कुल मिलाकर रजत ने औद्योगिक नीति 2024-30 की लांचिंग का ग्रेंड आयोजन कर अपनी लकीर बड़ी कर ली। इंडोर हॉल में आतिशबाजी के साथ रंगारंग आयोजन था। रजत ने बड़ा दिल दिखाकर पूर्व उद्योग सचिव अंकित आनंद को भी इस मौके पर याद ही नहीं बल्कि पॉलिसी बनाने का क्रेडिट भी दिया।

हर लिस्ट में चंदन

बलौदा बाजार कलेक्टर से हटने क़े बाद भी आईएएस चंदन कुमार कमजोर तो नहीं हुए मगर उनके साथ ये बात खास रही कि जब भी कोई आईएएस की लिस्ट निकलती है, आमतौर पर उसमें एक नाम चंदन कुमार का अवश्य होता है. कभी एक विभाग ऐड होता है तो कभी एक कम हो जाता है. दो रोज पहले सात आईएएस अफसरों का ट्रांसफर आदेश निकला, उसमें एक नाम चंदन कुमार का था. चंदन रिजल्ट देने वाले अफसर हैं मगर लगता है सिस्टम समझ नहीं पा रहा कि एक चंदन का कहां-कहां उपयोग करें.

तरकश के 16 साल

ब्यूरोक्रेसी और राजनीतिक घटनाओं पर आधारित साप्ताहिक स्तंभ तरकश ने 16 साल पूरा कर लिया है। छत्तीसगढ़ के सर्वाधिक प्रसार संख्या वाले अखबार हरिभूमि से 2008 में इसका सफर चालू हुआ था। उसके बाद कभी रुका नहीं। किसी एक अखबार में संभवतः सबसे लंबे समय तक चलने वाला यह पहला स्तंभ होगा। इसके लिए पाठकों के साथ ही हरिभूमि पत्र समूह को आभार।

अंत में दो सवाल आपसे

1. छत्तीसगढ़ राजस्व बोर्ड का अगला चेयरमैन कौन होगा?
2. 11 महीने होने के बाद भी छत्तीसगढ़ के अधिकांश मिनिस्टर ट्रेक पर क्यों नहीं आ रहे?

करीब 6 करोड़ के बजट में बनी फिल्म ने कमाए थे 76 करोड़, साल भर सिनेमाघरों में देखते रहे लोग

मुंबई। बॉलीवुड में कुछ फिल्में ऐसी रहीं जिनका खुमार दर्शकों के सिर पर ऐसा चढ़ा कि वो साल भर बाद भी पर्दे से नहीं उतरीं। आज हम ऐसी ही एक फिल्म के बारे में बता रहे हैं। हिंदी सिनेमा के इतिहास में एक से बढ़कर एक रोमांटिक फिल्में बनी हैं। कई फिल्में लोगों को इतनी पसंद आईं कि इनमें से कुछ सिनेमाघरों में महीनों तो कुछ साल भर लगी रहीं। इनमें से ही एक फिल्म आमिर खान और करिश्मा कपूर की भी थी। ये फिल्म साल 1996 में रिलीज हुई और जबरदस्त हिट रही। वो कोई और नहीं, बल्कि 'राजा हिंदुस्तानी' है। इस फिल्म को धर्मेश दर्शन ने डायरेक्ट किया था। 'राजा हिंदुस्तानी' में आमिर खान और करिश्मा कपूर की जोड़ी को दर्शकों ने खूब पसंद किया था। फिल्म के सारे गाने भी हिट रहे थे और टाइटल ट्रैक तो लोगों का फेवरेट बन गया था।

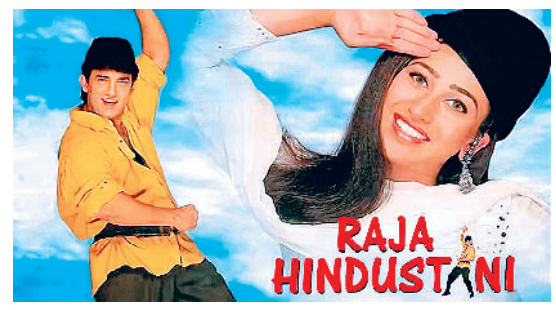

8 सालों तक फिल्मफेयर के लिए हुई नॉमिनेट

'राजा हिंदुस्तानी' एक रोमांटिक फिल्म है, जिसका बजट महज 5.75 करोड़ रुपए था। लेकिन, जब फिल्म रिलीज हुई तो इसने बॉक्स ऑफिस पर ऐसा धावा बोला की ब्लॉकबस्टर साबित हुई। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक आमिर खान और करिश्मा कपूर स्टारर ये फिल्म हफ्तों या महीनों नहीं, बल्कि करीब एक साल तक सिनेमाघरों में लगी रही। 5.75 करोड़ के बजट में बनी इस फिल्म ने घरेलू बॉक्स ऑफिस पर 43.20 करोड़ रुपए का शानदार कलेक्शन किया था। वहीं वर्ल्डवाइड राजा हिंदुस्तानी ने 76.34 करोड़ रुपए का बिजनेस किया था। खास बात ये है कि ये फिल्म 8 सालों तक फिल्मफेयर के लिए नॉमिनेट हुई। इस फिल्म के लिए आमिर खान को पहला बेस्ट एक्टर वॉर्ड भी मिला था।

महिला के संघर्ष की कहानी 'ढाई आखर'

नई दिल्ली। निर्देशक प्रवीन अरोड़ा की फिल्म 'ढाई आखर' एक क्लासिक लव स्टोरी है, जो एक महिला की अपनी पहचान ढूंढने की कोशिश में किए गए संघर्ष को बखूबी बयान करती है। ये फिल्म 22 नवंबर को पूरे देश में रिलीज़ होने जा रही है। हिन्दी के वरिष्ठ लेखक अमरीक सिंह दीप के उपन्यास 'तीर्थाटन के बाद' पर आधारित फिल्म 'ढाई आखर" हर्षिता नाम की एक ऐसी महिला की कहानी है, जो वर्षों तक घरेलू हिंसा और अपमानजनक

वैवाहिक जीवन का शिकार रही। इसके बाद वो चिट्ठियों के जरिए से एक मशहूर लेखक श्रीधर के करीब आती है, लेकिन विधवा होने के कारण उसका ये प्रेम संबंध पुरुष प्रधान समाज और परिवार को स्वीकार नहीं होता।

'सिकंदर का मुकद्दर' का मोशन पोस्टर जारी...

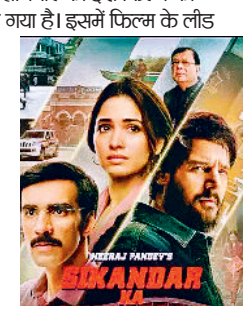

मुंबई। फिल्म 'सिकंदर का मुकद्दर' इसी महीने ओटीटी पर रिलीज होने वाली है। शनिवार को इस फिल्म का मोशन पोस्टर जारी किया गया है। इसमें फिल्म के लीड कलाकार जिमी शेरगिल, तमन्ना भाटिया और अविनाश तिवारी नजर आ रहे हैं। सभी के चेहरे के भाव ऐसे हैं कि सभी हैरान-हैरान से दिख रहे हैं। फिल्म का पोस्टर नेटफ्लिक्स के इंस्टाग्राम अकाउंट से साझा किया गया है। इसके साथ कैप्शन लिखा है, 'इस

झूठ के जाल से निकलना, हर किसी के मुकद्दर में नहीं। नेटफ्लिक्स पर देखें फिल्म 'सिकंदर का मुकद्दर । यह फिल्म इस ओटीटी प्लेटफॉर्म पर 29 नवंबर को रिलीज होगी। फिल्म 'सिकंदर का मुकद्दर' का ट्रेलर जारी हो चुका है। इस फिल्म का निर्देशन नीरज पांडे ने किया है।

बॉस 18' में सल्लू ने की दमदार वापसी अविनाश-दिग्विजय को लगाई लताड़

नई दिल्ली। 'बिग बॉस 18' का लेटेस्ट 'वीकएंड का वार' बेहद दिलचस्प होने जा रहा है। आगामी एपिसोड में सलमान खान की वापसी होने वाली है। होस्ट वापस आने के साथ ही कई घरवालों को सबक सिखाने वाले हैं। इस दौरान वह दिग्विजय राठी और अविनाश मिश्रा के बीच हुई हालिया हाथापाई पर भी चर्चा करेंगे और दोनों प्रतियोगियों को अपने अंदाज में सबक सिखाते नजर आएंगे। शो के लेटेस्ट प्रोमो ने रिलीज के साथ ही सोशल मीडिया पर धमाल मचा दिया है। शो के आगामी एपिसोड के प्रोमो में सलमान खान प्रतियोगियों से पूछते हैं कि कौन-कौन से लोग जींस पहनते हैं। और जब उन्हें पता चलता है कि लगभग सभी प्रतियोगी जींस पहनते हैं, तो वह करण वीर मेहरा को कमरे के अंदर जाने और एक जींस लाने के लिए कहते हैं। सलमान खान, दिग्विजय राठी और अविनाश मिश्रा से पूछते हैं कि दोनों ने बाहर कितने लोगों को फाड़ा है। इस पर दिग्विजय कहते हैं कि किसी को नहीं। यह सुनते ही सलमान दोनों को सबक सिखाते हुए साफ करते हैं कि वे बिग बॉस शो में आए हैं न कि किसी मौत के संग्राम शो में।'

हिना ने गहरे समंदर में लगाई छलांग

नई दिल्ली। एक्ट्रेस हिना खान ने हाल ही में अपने वेकेशन की झलक दिखाई। वो गहरे समंदर के नीले पानी में तैराकी करती दिखाई दीं। हिना खान ने ब्लू कलर का स्विमसूट पहने हुए पानी में छलांग लगाई और तैरने लगीं। हिना के फैंस ने ये वीडियो देखकर उनकी तारीफ की है। एक्ट्रेस हिना खान इस समय मालदीव में अपनी छुट्टियां एंजॉय कर रही हैं। उन्होंने कहा कि जब वह स्नोर्कलिंग के लिए निकलीं तो समंदर ने उन्हें थाम लिया। तीसरे स्टेज के स्तन कैंसर का इलाज करा रहीं एक्ट्रेस ने अपने आलीशान रिसॉर्ट से अपना एक वीडियो शेयर किया। क्लिप में, हिना स्नोर्कल मास्क पहने और सुंदर नीले पानी में तैरते हुए गोता लगाती हुई दिखाई दे रही हैं।

epaper : www.haribhoomi.com

हरिभूमि CLASSIFIED

Email : response.haribhoomi@gmail.com

आवश्यकता आपकी सुविधा हमारी
Contact for advertisment booking :
Raipur- 79871-19756
6263818152

Appointment आवश्यकता

ऑफीसर

आवश्यकता है- लाइफ प्लानिंग ऑफीसर रिलायंस निप्पोन लाइफ इंश्योरेंस पात्रताः- विवाहित महिला, स्नातक उम्र 30+, सैलरी+ इंसेंटिव+(ESIC+PF) TA+ Promotion **स्थानः- सिमरन टॉवरए 3rd फ्लोर पंडरी रायपुर संपर्क- 9036055689. (राकेश)**

सुरक्षागार्ड

तत्काल आवश्यकता है- बंगलो एवं ऑफिस मे कार्य करने हेतु सुरक्षा गार्ड एवं घरेलु नौकर की अनुभव- 5 से 10 वर्ष उम्र 25 से 35 वर्ष वेतन योग्यतानुसार कृपया अनुभवी ही संपर्क करें:- **9109222000.**(RO-3095)

हरिभूमि क्लासीफाईड

अकाउन्टेंट/ऑपरेटर

आवश्यकता है- accountant- 7 (male), asst accountant- 7 (male/female), tally operator -7 (male/female), receptionist calling- 1 (female), salary as per experience sent resume- hrraipur1977@gmail.com (RO-3097)

डिलीवरी/पैकिंग कार्य

आवश्यकता है- थोक दवा दुकान में डिलीवरी, पैकिंग कार्य व टेलीफोन कॉल हेतु स्टाफ की आवश्यकता है। वेतन योग्यता अनुसार, अनुभवी को प्राथमिकता न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता -12th **संपर्क करें संजय मेडिकल स्टोर 4, मेडिकल कॉम्पलेक्स रायपुर मोबाइल- 7024123233.** (RO-6404)

छोटा विज्ञापन बड़ा लाभ

सेल्समैन/सेल्सगर्ल

आवश्यकता है- साड़ी दुकान एवं रेडीमेड कपड़े की दुकान हेतु लड़के- लड़कियां एवं सेल्समैन- सेल्सगर्ल की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार **संपर्क करें:- भागचंद आनंदराम, मटका लाईन, गोल बाजार, रायपुर मोबाइल नंबर:- 9329103178.**(RO-3102)

आवश्यकता है- सेल्स गर्ल्स की आवश्यकता है **ओम ज्वलेर्स शॉप नं.- 64b इंदिरा मार्केट दुर्ग** (आरो नं.-6395)

होटलकर्मी

आवश्यकता है- होटल में कार्य महिला/ पुरुष old age भी चलेगा पोस्ट - वेटर ,सफाई कर्मचारी स्वीपर एवं बाई, सुपरवाइजर, रेस्टोरेंट मैनेजर ,। **संपर्क -होटल अपना केसरी होटल शिव-प्रभा, पावर हाऊस भिलाई, मो.-98932-15251, 89669-81590.**(आरो नं.-6394)

चिकित्साकर्मी

आवश्यकता है- नर्सिंग स्टाफ, OT टेक्नीशियन ड्रेसर, कंपाउंडर, PRO, (मार्केटिंग) अनुभवी को प्राथमिकता रहने की **सुविधा- कैलाश कांता हॉस्पिटल जोरा रायपुर 9300734153, 0771-2994153.**(RO-1007)

टैलीकॉलर

आवश्यकता है- एक प्रतिष्ठित कलेक्शन एजेंसी को निम्नलिखित पदों की आवश्यकता हैं टीमलीडर (फीमेल) एंड टेलिकॉलर(फीमेल) पद 25 सैलरी : 7000-15000 Mail :egenesis.2023@gmail.com, Contact- 9584316317, 9589049626 **हेडऑफिस :- ई-जेनेसिस फाइनेंसियल सोलूशन्स, दक्षिणगंगोत्री सुपेला, भिलाई** (आरो.-SP/891)

छोटा विज्ञापन

ड्रायवर/कुक

आवश्यकता है- तेलीबांधा के आगे वी.आई.पी. चौक के पास रायपुर में सभी घरेलू कार्य एवं शाकाहारी खाना बनाने के हेतु महिला/पुरुष (ड्राइवर या कुक) चाहिए। ग्रामीणों को प्राथमिकता। पान, गुटका, तंबाखू या किसी तरह का नशा न करने वाले **संपर्क करें 9300593000.**(RO-1227)

एच.आर.मैनेजर

REQUIRERD- V.S. Group of Industries is hiring HR Manager! Require 12+ years in HR, preferably in manufacturing. Must handle government agencies (pollution board, licensing, DIC,ESI, PF, etc.). Salary negotiable. contact. - 8719970007.(आरो न.-6396)

आवश्यकता

आवश्यकता है- सर्जिकल आफिस में सामान छोडने, लाने हेतु लडको की आवश्यकता है। योग्यता,10 वी, 12 वी,स्वयं की बाईक अनिवार्य **संपर्क करे:- रामा मेडिटेक ,गीतांजलि नगर, हाऊस नम्बर -15/ A, रायपुर 7089933233.**(RO-200)

ऑफिस बॉय/चपरासी

आवश्यकता है- रायपुर जेल रोड में ऑफिस व फील्ड के सभी कार्य हेतु ऑफिस बॉय/ चपरासी की आवश्यकता है स्वयं का वाहन अनिवार्य 25 वर्ष तक के कम पढ़े लिखे ग्रामीण व शहरी लड़के **संपर्क करें- 8839812454.**(RO-1234)

ड्राइवर

आवश्यकता है- तेलीबांधा रायपुर के पास ऑटोमेटिक कार चलाने के लिए अनुभवी घरेलू कार ड्राइवर की आवश्यकता है **संपर्क करें- 97541-60228.** (RO-1233)

आवश्यकता है- ड्राइवर की जो की ऑटोमैटिक और मैनुअल कार चला सके, 5-10 साल का अनुभव होना चाहिए, ड्यूटी टाइम सुबह 8:30- शाम 7:30 तक रहेगा। वेतन योग्यतानुसार। **स्थानः मेट्रो हाइट सोसाइटी, तेलीबांधा, सम्पर्क :- 9755777774.**(RO-3104)

पैकिंग कार्य/सेल्समैन

आवश्यकता है- रेडीमेड गारमेंट्स शॉप (पंडरी, RAIPUR) में बंडल खोलने पैक करने के लिए स्टाफ लड़का/ लड़की की आवश्यकता एंव सेल्समैन की आवश्यकता एवं बिलिंग (TALLY) के लिए लड़का / लड़की की आवश्यकता है **मोबाइल- 7067048454.** (RO-6403)

सेल्समैन/ऑपरेटर

आवश्यकता है- साड़ी शोरूम में काम करने हेतू सेल्समैन एवं अकाउंटेंट कम्प्यूटर ऑपरेटर 2, ड्राइवर 1 की आवश्यकता है, सिर्फ लड़के ही **संपर्क करें:- विरदी साड़ी कंकालीपारा रायपुर** Mob. 9425216364, 9425522576. (RO-3091)

इलेक्ट्रीशियन

आवश्यकता है- इंडसट्रियल मोटर /जनरेटर वर्कशॉप में आईटीआई इलेक्ट्रीशियन तथा वाईडिंग कार्य हेतु वाइंडर तथा मार्केटिंग कार्य हेतु युवक की आवश्यकता है। **टाटीबंध रायपुर. 7898900131, 7694954356.**(RO-582)

पैकिंग/हेल्पर कार्य

आवश्यकता है- पैकिंग कार्य एवं अन्य कार्य करने हेतु रहकर काम करने वाले हेल्पर लड़कों की आवश्यकता है रूम बिजली की सुविधा फ्री है **सम्पर्क करें- बंजारी मन्दिर के पास रावाभाटा रायपुर 7828735534.**(RO-35958)

हरिभूमि क्लासीफाईड

अन्य

आवश्यकता है- Reliance Jio 5G **कंपनी** (SMS SENDING CALLING JOB) **करके लड़के- लडकिया, गृहणिया, रिटायर्ड पर्सन, स्टूडेंट घर बैठे कमाए (21500- 48500/-) महीना (लैपटॉप + मोबाइल मुफ्त)** NAME, **पता** QUALIFICATION, CALL /SMS /WHATSAPP **करें :- 9102935834** (RO-3051)

आवश्यकता है- पेंसिल पेन रबड के माध्यम से घर बैठे पैकिंग नौकरी की सुविधा भारत के हर क्षेत्र में दी जा रही आपको नौकरी की जरूरत है। **संपर्क करें- 7450945537, 9040788128.**(RO-814)

आवश्यकता है- Reliance Jio 5G कंपनी (SMS SENDING CALLING JOB) करके लड़के- लडकिया, गृहणिया, रिटायर्ड पर्सन, स्टूडेंट घरबैठे कमाए (21500- 48500) महीना (लैपटॉप + मोबाइल मुफ़्त) NAME, ADDRESS QUALIFICATION, CALL // WHATSAPP करे : - 7762065867.(RO-3083)

Astrology ज्योतिष

ज्योतिष - छत्तीसगढ़िया ज्योतिष विचार दिखाइया "बईगा" सब्बो समस्या के समाधान काली माई के शक्ति से पूजा पाठ लड़ाई- झंझट, जुन्ना बीमारी, बैरीले छुटकारा, बिहाव में देरी, लइका होय में देरी, पढ़ई में मन नई लागय ता एक बार अवश्य मिलव **मो. 8461886239.**(RO-6000)

Business व्यापार

टॉवर लगवाए- मान्य कंपनी द्वारा जमीन खेत प्लॉट पर 5g टावर लगवा कमाएं 30 से 60 लाख एडवांस 45000 किराया +नौकरी जमीनी नक्शा ऑफिस लाएं या घर बैठे ऑनलाइन सर्वे पास कराएं 9993054415.(RO-815)

Property प्रापर्टी

प्लाट/मकान

बेचना है - कुम्हारी में लोटस फेस-5 में शानदार ऑफर! अब टी.एन.सी अप्रूव्ड प्लॉट्स पर 90% बैंक फाइनेंस के साथ 1100/- से घटकर केवल 851/- प्रति वर्गफीट पर उपलब्ध। ऑफर सिर्फ इस महीने के 30 तारीख तक है और प्लॉट्स सीमित हैं। ब्रोकर संपर्क न करें। केवल इन्वेस्टर्स संपर्क करें। **मोबाइल: - 9165586666, 9584444523.**(RO-3100)

प्लॉट बेचना है - दुर्ग गंजपारा के समीप नयापारा मुख्यमार्ग में प्राईमलोकेशन पर आवासीय प्लॉट व दुर्ग अंजोरा में अपोलो कॉलेज के समीप पूर्णविकसीत आवासीय प्लाट, नगपुरा से कोटनी मुख्यमार्ग में फॉर्महाउस उपयुक्त प्लाट बेचना है। अधिक जानकारी हेतु **संपर्क करें : 96172-85000, 96174-45000.**(आरो न.-628)

बेचना है - नई राजधानी निमोरा में फार्म हाउस के लिए प्लॉट्स उपलब्ध! मंत्रालय से मात्र 5 किमी की दूरी पर शानदार लोकेशन में फार्म हाउस के लिए प्लॉट्स। विभिन्न साइज उपलब्ध- 10,000, 5,000, 2,500 वर्गफीट रेटः- केवल 431 रुपए प्रति वर्गफीट इस बेहतरीन अवसर को हाथ से न जाने दें! **संपर्कः- 9165586666, 9584444523.**(RO-3099)

बेचना है - 1000- 1000 वर्गफीट के 2 आवासीय डाइवर्टेड कॉर्नर प्लॉट, शिवम एजुकेशन के पास, सत्यम विहार कॉलोनी, रायपुरा, अर्जेंट बेचना है। 90% बैंक फाइनेंस की सुविधा। **संपर्क करें:- 9165586666, 9584444523.**(RO-3098)

छोटा विज्ञापन

मकान बेचना है- दुर्ग साईनगर चिखली धमधा रोड नवनिर्मत स्वतंत्र नया मकान बेचना है, फालसिलिंग पर्सनल बोर किया हुआ फाइनेंस सुविधा उपलब्ध है। **सम्पर्क करें:- 96916-31036, 91110-08008.** (आरो - 621)

Astrology ज्योतिष

ज्योतिष - हर समस्या का समाधान आपके घर किसी ने किया कराया, भूत प्रेत, वशीकरण, पति-पत्नि में अनबन, गृह कलेश, दवाई का ना लगना या और कोई भी बाधा हो तो खुली आँखो से दिखाऊंगा। दुःखिया एक बार फोन जरूर करें। **पता:- दुर्ग, भिलाई मो.- 7404178317.** (आरो न.-627)

नोट - विज्ञापन प्रकाशन के पहले दिन ही करेक्शन मान्य होगा।

विज्ञापन बुकिंग टाइम
सुबह 10:30 बजे से दोपहर 3:00 बजे तक

वैवाहिकी

परिचय सम्मेलन

पंजीयन क्र. 1582/69
म.प्र. राजपूत समाज
7वा अ.भा.क्षत्रिय/राजपूत युवक-युवती परिचय सम्मेलन
रविवार, 15 दिसंबर 2024
महाराणा प्रताप भवन, वार इमली मेन रोड नं. 3 भोपाल -16 (म.प्र.)
योग्य व उत्तम जीवनसाथी चयन हेतु आज ही हमारी वेबसाइड पर पंजीयन करायें।
web:- www.mprajputsamaj.org
ऑनलाइन पंजीयन हेतु अंतिम तिथि गुरुवार, 05 दिसंबर 2024
इस अवसर पर बहुरंगीय राजपूत दर्पण सामाजिक पत्रिका सभी युवक-युवतियों के रंगीन फोटो+बायोडाटा सहित प्रकाशित की जाएगी
Email:- mprajputsamaj1582@gmail.com
मो. 91790 81582, 98274 47630, 98260 15148, 94250 04866

परिचय सम्मेलन- 13 वां अखिल भारतीय एजुकेटेड अग्रवाल युवक युवती परिचय सम्मेलन 11-12 जनवरी को निरंजन धर्मशाला रायपुर में आयोजित है । बायोडाटा भेजें www.cgyuvaagrawal.in,cgyuvaagrawal@ gmail. com 9425213860 (3104)

वर चाहिए

वर चाहिए
अनुसूचित जाति (महार) गृह कार्य में दक्ष बीकॉम, ग्रेजुएट सेवारत कन्याओं हेतु सुयोग्य सजातीय वर चाहिए संपर्क करें
7354952985
7773832362

आवश्यक सूचना

पाठकों से अनुरोध है कि वे समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संबंध में किसी भी प्रकार का कदम उठाने (पैसे भेजने, कोई भी खर्च उठाने, चिकित्सकीय सलाह, विवाह संबंधित) या किसी भी वादे-दावे पर अमल करने से पहले अच्छी तरह से जांच पड़ताल कर लें। पाठक पुर्ण जानकारी लेवें व स्वविवेक से निर्णय लेकर ही लेन देन करें। किसी भी उत्पाद या सेवाओं के संबंध में किए किसी भी विज्ञापनदाता के किसी प्रकार के दावों की हरिभूमि (प्रेस प्रबंधक व कर्मचारी) की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी। प्रकाशक, संपादक कर्मचारी और हरिभूमि के स्वामी किसी विज्ञापन के संबंध में उठाए किसी कदम के नतीजे और विज्ञापन दाताओं के अपने वायदों पर खरा न उतरने के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

विज्ञापन प्रकाशन हेतु संपर्क करें
62638-18152

हरिभूमि
रविवार भारती
haribhoomi.com
छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
रायपुर, रविवार 17 नवंबर 2024

विशेषः अंतरराष्ट्रीय पुरुष दिवस, 19 नवंबर

हमारे घर-परिवार की पारंपरिक संरचना में यह माना जाता रहा है कि पुरुष हर तरह की समस्या का सामना बखूबी कर सकते हैं। वे हर दर्द को सह सकते हैं, इसलिए उन्हें स्नेह, सहयोग और संबल की दरकार नहीं होती। लेकिन वास्तविकता यह नहीं है। इस ओर पूरी दुनिया का ध्यान आकृष्ट करने के लिए ही अंतरराष्ट्रीय पुरुष दिवस मनाया जाता है। इस दिन की प्रासंगिकता के बारे में हम सभी को पता होना चाहिए।

पुरुषों को भी चाहिए स्नेह-सहयोग का परिवेश

कवर स्टोरी
तेजस्विनी

आमतौर पर घर के पुरुष सदस्य, भावनात्मक उलझनें ही नहीं शारीरिक परेशानियां भी अपनों से साझा नहीं करते। असल में पिता, पति, भाई, बेटे की जिम्मेदारी निभाते पुरुष, अपनी समस्याओं को बताकर अपनों की चिंता नहीं बढ़ाना चाहते। ऐसे में यह आवश्यक है कि घर के दूसरे सदस्य उनकी मनःस्थिति भी समझें और बीमारियों के बढ़ते घेरे को लेकर सचेत भी रहें। जीवन के कई मोर्चों पर जूझते पुरुषों की संभाल-देखभाल के लिए इमोशनल सपोर्ट और देखभाल का भाव पारिवारिक परिवेश का हिस्सा बने।

साथ-सहभागिता का भाव

समझना आवश्यक है कि हर परिस्थिति में खुद को मजबूत बनाए रखने की सोच के चलते पुरुष मन की टीस खुलकर दिखाई नहीं देती। जबकि जीवन की आपा-धापी से मुठभेड़ करते हुए मन की पीड़ा और शारीरिक परेशानियों का घेरा उनके चारों ओर भी कसता है। यही वजह है कि घर-परिवार में पुरुष सदस्यों के प्रति भी साथ-स्नेह का भाव जरूरी है।

पुरुष भी रखें एक-दूसरे का खयाल

असल में केवल महिलाओं को नहीं ही नहीं, हर उम्र के पुरुषों को भी खुलकर जीने और खुशहाल रहने के लिए हेल्दी एनवॉयर्नमेंट की आवश्यकता होती है। हालांकि इस विषय में जरा कम ही सोचा जाता है पर मानवीय भाव-चाव के मुद्दे पर देखा-समझा जाए तो सकारात्मक परिवेश की दरकार हर इंसान को होती है। यही वजह है कि इस वर्ष पुरुष दिवस का विषय अपने पुरुष साथियों का ख्याल रखने की ओर ध्यान दिलाता है। यह साथी कोई सहकर्मी भी हो सकता है और परिजन भी। मित्र भी हो सकता है और जीवनसाथी भी। आस-पड़ोस के परिवार का कोई पुरुष सदस्य भी हो सकता है और घरेलू काम-काज संभालने वाला पुरुष सहायक भी। यह थीम उन पुरुषों तक पहुंचने के लिए प्रोत्साहित करती है, जो अपने परिवार, व्यक्तिगत जीवन, सामाजिक परिवेश और काम-काजी दुनिया में संघर्ष कर रहे हैं। साथ ही उनकी सराहना करने और अचीवमेंट्स का उत्सव मनाने का सुंदर अवसर भी है। ताकि पुरुषों के प्रति स्नेहमयी भावनाएं संजोने और सहायता करने की सोच को बल दिया जा सके।

इस वर्ष की थीम

अंतरराष्ट्रीय पुरुष दिवस, पुरुषों के मन-जीवन से जुड़े पहलुओं को समझने का संदेश देता है। इस वर्ष इंटरनेशनल मेंस-डे का विषय 'पुरुषों के स्वास्थ्य चैंपियन' है। इस वर्ष की यह थीम पुरुषों के स्वास्थ्य की संभाल के लिए हेल्पफुल कम्युनिटीज बनाने का संदेश लिए है। यह विषय ऐसे स्वस्थ समुदायों का निर्माण करने की बात लिए है, जिनमें ना केवल अपने-पराए लोग बल्कि स्वयं पुरुष भी अपने दूसरे पुरुष साथियों के मददगार बन सकें। ऐसा परिवेश, जिसमें पुरुषों की मनःस्थिति समझी जा सके। तकलीफें साझा कर उनका हल सुझाया जाए।

बढ़ रही सेहत संबंधी परेशानियां

हाल के सालों में पुरुषों में सेहत से जुड़ी तकलीफें तो बढ़ी ही हैं, रिश्तों के बिखराव की उलझनें भी उन्हें घेर रही हैं। परंपरागत परिवेश वाले हमारे समाज में पहले महिलाएं-लड़कियां भी भावनात्मक टूटन का शिकार बनती थीं। हर बिगाड़ का भार उन पर ही डाल देने का माहौल था। अब स्थितियां पूरी तरह बदल गई हैं। पुरुषों में अपनी भावनाओं को लेकर खुलकर बात करने की आदत नहीं होती। इतना ही नहीं अधिकतर पुरुष घर-दफ्तर की जिम्मेदारियों से जुड़े मानसिक तनाव को भी अपनों से साझा नहीं करते। आज के उलझते जीवन की आपा-धापी से अकेले जूझने और परेशानियों को छिपाने की प्रवृत्ति के कारण पुरुषों का मानसिक स्वास्थ्य बिगड़ रहा है। नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ मेंटल हेल्थ एंड न्यूरो साइंसेज के मुताबिक 20 से 24 वर्ष की उम्र के वयस्कों में महिलाओं की तुलना में पुरुषों में आत्महत्या से जीवन गंवाने की संभावना 5 गुना अधिक है। दुनिया भर में 10 में से सुसाइड के करीब 7 मामले पुरुषों के होते हैं। पुरुषों के हर हाल में मजबूत दिखने के भाव तले भावनात्मक मोर्चे पर बहुत कुछ दरक रहा है। रूटीन लाइफ में अधिकतर पुरुष चिड़चिड़ेपन, घबराहट, डिप्रेशन और शारीरिक-मानसिक थकान से जूझते हैं। मोटापा, डायबिटीज और प्रोटेस्ट कैंसर, इंफर्टिलिटी जैसी समस्याओं के शिकार पुरुषों के आंकड़े बढ़ रहे हैं। ऐसे में समाज, परिवार और परिवेश को पुरुषों का भी सहयोगी बनना होगा। अध्ययन बताते हैं कि पुरुषों के मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाने से उनके मनोभावों में भी सकारात्मक बदलाव आते हैं। यह बदलता रुख उनके परिवार, मित्रों और सामाजिक माहौल के लिए भी लाभकारी होता है।

जागरूकता है सबसे जरूरी

अंतरराष्ट्रीय पुरुष दिवस एक ग्लोबल सेलिब्रेशन है। ऐसा विशेष दिन, जो पुरुषों की हेल्थ, वेलफेयर और जेंडर इक्वेलिटी से जुड़े अहम मुद्दों को संबोधित करते हुए पुरुषों के लिए सकारात्मक परिवेश बनाने से जुड़ा है। साथ ही यह उनके योगदान और उपलब्धियों का जश्न मनाने का भी संदेश देता है। समझना मुश्किल नहीं, अपनी बेहतरी से जुड़ा पॉजिटिव माहौल बनाने के लिए स्त्री हो या पुरुष, सभी को खुद भी आगे आने के प्रयास करने होते हैं। सजग और जागरूक बन अपनी भूमिका के मायने समझने और समझाने का प्रयास करना होता है। यही वजह है कि 'पुरुषों के स्वास्थ्य चैंपियन' थीम के तहत चार सब-थीम्स भी हैं। ये उप विषय हैं- प्रयास करें, स्वस्थ रहें, स्वस्थ भविष्य का निर्माण करें, अपने साथियों का खयाल रखें और समुदाय का सकारात्मक परिवेश बनाएं। ऐसी सभी बातें पुरुषों की सेहत सहेजने वाली गतिविधियों को बढ़ावा देने और भावनात्मक मोर्चे पर सहयोगी बनने के विचार से जुड़ी हैं, साथ ही यह भी स्पष्ट करती है कि इस बदलाव के लिए पुरुषों की जागरूकता और सहभागिता भी आवश्यक है।

आमतौर पर सब कुछ संभाल लेने की धुन के चलते पुरुष, औरों से मिलने वाले सहयोग-संबल के प्रति भी जरा रूखा बर्ताव अपनाते हैं। ऐसे में मनःस्थिति के बदलाव से जुड़े संवाद से लेकर अपनी हेल्थ के प्रति सजग होने तक, खुद का साथी भी बनना होगा। साथ ही समाज-परिवार के लोगों से मिल रहे सहयोग का स्वागत करने का भाव रखना भी बेहद आवश्यक है। तभी आप खुश रहेंगे और अपना ध्यान भी अच्छी तरह रख पाएंगे। *

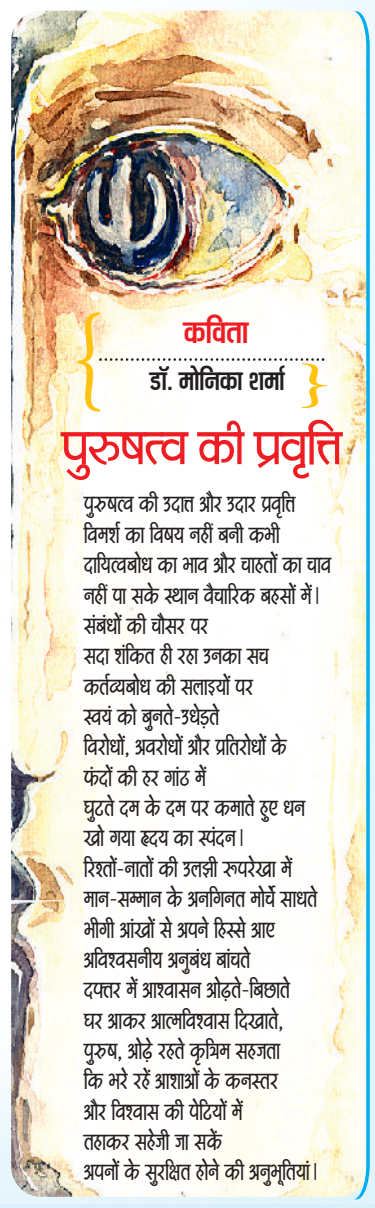

कविता
डॉ. मोनिका शर्मा

पुरुषत्व की प्रवृत्ति

पुरुषत्व की उदात्त और उदार प्रवृत्ति
विमर्श का विषय नहीं बनी कभी
दायित्वबोध का भाव और चाहतों का चाव
नहीं पा सके स्थान वैचारिक बहसों में।
संबंधों की चौसर पर
सदा शंकित ही रहा उनका सच
कर्तव्यबोध की सलाइयों पर
स्वयं को बुनते-उधेड़ते
विरोधों, अवरोधों और प्रतिरोधों के
फंदों की हर गांठ में
घुटते दम के दम पर कमाते हुए धन
खो गया हृदय का स्पंदन।
रिश्तों-नातों की उलझी रूपरेखा में
मान-सम्मान के अनगिनत मोर्चे साधते
भीगी आंखों से अपने हिस्से आए
अविश्वसनीय अनुबंध बांचते
दफ्तर में आश्वासन ओढ़ते-बिछाते
घर आकर आत्मविश्वास दिखाते,
पुरुष, ओढ़े रहते कृत्रिम सहजता
कि भरे रहें आशाओं के कनस्तर
और विश्वास की पेटियों में
तहाकर सहेजी जा सकें
अपनों के सुरक्षित होने की अनुभूतियां।

पर्सनल-प्रोफेशनल लाइफ में बना रहे प्रॉपर बैलेंस

लाइफस्टाइल
शिखर चंद जैन

माना कि जीविकोपार्जन और जीवन में सुकून के लिए पैसा कमाना बेहद आवश्यक है, लेकिन यह बीमारी और बेचैन मनःस्थिति का सबब बन जाए तो ऐसी इनकम का क्या फायदा? सफलता-समृद्धि के साथ-साथ खुशहाल और सेहतमंद जिंदगी भी जरूरी है।

संतुलन है जरूरीः जीवन में सबसे ज्यादा जरूरी है संतुलन। जिंदगी दोपहिया वाहनों जैसी होती है, जिसे सही तरीके से चलाने के लिए पहली और आखिरी जरूरत संतुलन की ही होती है। जैसे खान-पान के मामले में स्वाद और सेहत के बीच संतुलन जरूरी है, उसी तरह सुकून के मामले में घर-परिवार और काम-काल के बीच भी संतुलन जरूरी है।

अपनी जरूरतें समझेंः सबसे पहले आपको चाहतों और जरूरतों के बीच अंतर करना सीखना होगा। चाहतें कभी पूरी नहीं होतीं लेकिन आप अपनी जरूरतों को मेहनत और सूझ-बूझ से पूरा कर सकते हैं। दिन-रात चाहतों के पीछे भागने वाले लोग अकसर अपनी जिंदगी से असंतुष्ट रहते हैं और ज्यादतर दुखी रहते हैं। इसी वजह से वे अपने घर-परिवार और सामाजिक संबंधों को भी खास तवज्जो नहीं देते। नतीजतन इनका वर्क-लाइफ बैलेंस गड़बड़ हो जाता है और वे अपने सामाजिक दायरे में भी अलग-थलग रहने लगते हैं।

अपनी जिंदगी को दें अहमियतः क्या इस दुनिया में आपकी अपनी जिंदगी से भी महत्वपूर्ण कोई दूसरी चीज हो सकती है? कतई नहीं! आपकी जिंदगी ना सिर्फ आपके लिए बल्कि आपके नजदीकी परिजनों

के लिए भी बेहद कीमती है। इसलिए अपने तन और मन के स्वास्थ्य पर ध्यान दें। प्रोफेशन के साथ-साथ अपनी फिटनेस और मानसिक स्वास्थ्य पर भी ध्यान दें। इसके तहत आपको वर्कआउट, मॉर्निंग वॉक और मेडिटेशन के साथ-साथ अपनी हॉबी को भी समय देना चाहिए। ये एक्टिविटीज आपको प्रसन्न रखेंगी और स्वस्थ भी रखेंगी, जिससे आप अपने प्रोफेशन और परिवार दोनों पर सही तरीके से ध्यान दे पाएंगे।

परिवार को दें समुचित समयः आपको यह बात कभी नहीं भूलनी चाहिए कि आप जो कुछ हैं, अपने परिवार की वजह से हैं। इसलिए आपके परिवार को आपसे समुचित समय भी मिलना चाहिए। माना कि आप मेहनत करके पैसा उनके लिए ही अर्न करते हैं, लेकिन उन्हें आपसे सिर्फ आर्थिक सपोर्ट नहीं बल्कि मानसिक सपोर्ट भी चाहिए और आपका सान्निध्य भी। बच्चे आपके साथ खेलना-कूदना चाहते हैं, जीवनसाथी आपके साथ हंसी-मजाक, प्यार का इजहार और घूमना-फिरना चाहता हैं, माता-पिता आपसे दो घड़ी बातचीत और स्नेहपूर्ण व्यवहार चाहते हैं। इन सबसे सिर्फ उन्हें ही नहीं आपको भी सुकून मिलेगा।

वर्कप्लेस पर रहें फोकस्डः किसी भी कारोबार या प्रोफेशन में सफलता हासिल करने के लिए फोकस्ड रहना बेहद आवश्यक है। आर्थिक रूप से सुदृढ़ रहने और अपनी आय बढ़ाने के लिए आपको अपनी पूरी मानसिक, शारीरिक ऊर्जा का इस्तेमाल करना चाहिए। वर्कप्लेस पर आपको सिर्फ और सिर्फ अपने काम पर ही ध्यान देना चाहिए ताकि आप अपने वर्कप्लेस टास्क अच्छी तरह पूरे कर सकें।

स्पीड पर रखें कंट्रोलः आजकल जिसे देखिए वो जल्दबाजी में नजर आता है। हर काम की रफ्तार ऐसी रहती है मानो, जिंदगी को जीना ना हो बल्कि जल्दी से जल्दी बिताना हो। हालात ऐसे हैं कि ज्यादातर लोग व्यस्त कम, अस्त-व्यस्त ज्यादा नजर आते हैं। तेज रफ्तार के कारण सेहत का संतुलन इस कदर बिगड़ चुका है कि अधिकतर लोग हार्ट डिजीज, ब्लड प्रेशर, डायबिटीज और मोटापा जैसी लाइफस्टाइल बीमारियों की चपेट में हैं और मानसिक बीमारियों जैसे डिप्रेशन, एंग्जायटी और स्ट्रेस से ग्रस्त हो चुके हैं। इन दिनों दुनिया भर के लाइफ कोच, समाजशास्त्री, मनोविज्ञानी और व्यवहार विशेषज्ञ खुशहाल और संतुष्ट जीवन के लिए सहज गति से जीने की सलाह दे रहे हैं। इसके लिए पटरिंग यानी धीमी गति से पसंदीदा एक्टिविटीज में समय व्यतीत करने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। दुनिया के सबसे अमीर लोगों में शुमार अमेजॉन के चीफ एग्जीक्यूटिव जेफ बेजोस ने अपनी ताजा पुस्तक 'इन्वेंट एंड वांडरः द कलेक्टेड राइटिंग ऑफ जेफ बेजोस' में लिखा है कि वह अपने दिन की शुरुआत पटरिंग से करते हैं। कोई जल्दी नहीं, कोई हड़बड़ी नहीं। वे लिखते हैं, 'मैं अखबार पढ़ना पसंद करता हूं। कॉफी पीता हूं। आराम से बच्चों के साथ ब्रेकफास्ट करता हूं। रात को 8 घंटे की नींद मेरा रुटीन है। इससे मुझे सही ढंग से सोचने, मूड अच्छा रखने और एनर्जी लेवल ऊंचा रखने में मदद मिलती है। मेरी वर्किंग सुबह 10:00 बजे से शुरू होती है।'

आत्म अवलोकन भी करेंः आप अपनी पर्सनल और प्रोफेशनल लाइफ में सही संतुलन बना पा रहे हैं या नहीं, इस बात को जानने के लिए समय-समय पर आत्म अवलोकन अवश्य करें। इससे आप जान सकेंगे कि कहीं आप अपने जीवन की गाड़ी को गलत तरीके से और गलत दिशा में तो नहीं चला रहे। साथ ही तरक्की के लिए बदलाव लगातार करें और पूरी योजना के साथ अपने काम को अंजाम दें। *

पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण

उद्भ्रांत की कविताएं

कम ही रचनाकार ऐसे होते हैं, जिनकी रचनात्मक सक्रियता वर्षों नहीं दशकों तक बनी रहती है। उद्भ्रांत ऐसे ही विलक्षण लेखक हैं। विशेष तौर पर कविता के क्षेत्र में उन्होंने भरपूर लेखन किया है। हाल में उनकी कविताओं का एक चयन, हरे प्रकाश उपाध्याय के संपादन में 'यही तो है जिंदगी' शीर्षक से प्रकाशित होकर आया है। जिस प्रचुर मात्रा और विभिन्न विधाओं में उन्होंने काव्य लेखन किया है, उसका प्रतिनिधि संकलन तो इसे नहीं कहा जा सकता है लेकिन उसकी एक बानगी इस पुस्तक से जरूर मिलती है। जिस तरह जीवन की लगभग हर परिस्थिति और मनोदशा में वे गहन विषय से लेकर सूक्ष्म संवेदना पर भी कविता लिखते हैं, उससे सिद्ध होता है कि वे कविता रचते नहीं, उसे जीते हैं। उनके ही शब्दों में कहा जा सकता है 'मेरे पास/आदि से अनंत/और/पृथ्वी से आकाश/प्रकाश बिखेरता/कविता का सूरज है।' (मेरे पास) *

पुस्तकः यही तो है जिंदगी (उद्भ्रांत की कविताओं से एक चयन), **चयन व संपादनः** हरे प्रकाश उपाध्याय, **मूल्यः** 450 रुपए, **प्रकाशकः** रश्मि प्रकाशन, लखनऊ

लघुकथाएं

बीमा पॉलिसी

बीमा एजेंट, विजय को अपनी बीमा कंपनी की नई फायदेमंद स्कीम के बारे में जानकारी दे रहा था, 'यह बहुत फायदेमंद प्लान है, इसमें आपको मात्र बीस हजार रुपए सालाना तीस साल तक जमा करना है। उसके बाद मैच्योरिटी पूरी होने पर आपको एकमुश्त 25 लाख रुपए दिए जाएंगे। इस बीच खुदा न खास्ता यदि आपकी मृत्यु हो गई तो परिवार के आश्रित को पंद्रह लाख दिए जाएंगे। दूसरी बीमा पॉलिसी की योजना और बढ़िया है। इसमें पचीस वर्ष तक चालीस हजार रुपए सालाना पर पचास लाख का रिस्क कवर है।'

विजय विचार कर रहा था कि आखिर कौन-सी पॉलिसी लेना आर्थिक दृष्टिकोण से फायदेमंद होगा। काफी सोच-विचार कर उसने पहली किश्त के रूप में बीस हजार रुपए देते हुए पहली वाली पॉलिसी ले ली।

विजय की गोद में बैठी छह वर्षीया बेटी परी सब कुछ चुपचाप सुन रही थी। थोड़ी देर बाद वह उत्सुकतावश पूछ बैठी, 'पापा, आप इन अंकल को इतने पैसे क्यों दे रहे हैं?'

नन्ही बच्ची के मासूम सवाल पर विजय कुछ बोलता इससे पहले बीमा एजेंट बोल पड़ा, 'बेटा, पापा आप लोगों के भविष्य को सुरक्षित कर रहे हैं, आपको और आपके मम्मी को ढेर सारा पैसा मिले...।'

'वो कैसे अंकल?' परी ने एजेंट को बीच में ही टोकते हुए पूछा।

'ऐसा है बेटा, यदि किसी कारणवश आपके पापा आप लोगों के साथ नहीं रह पाए तो आपको इनके द्वारा बीमा के रूप में अभी जमा किए गए पैसे के एवज में खूब सारा पैसा मिलेगा, जिससे आप खूब पढ़ सकें और आपको खाने-पीने, पहनने की कभी कोई तकलीफ ना हो।' एजेंट ने मुस्कुराते हुए जवाब दिया।

परी गंभीरता से एजेंट की बातें सुन रही थी। वह पापा की गोद से उतर कर अंदर चली गई। इधर विजय, बीमा पेपर पर दस्तखत करने लगा। थोड़ी देर बाद परी अपना गुल्लक लेकर आई और एजेंट के हाथों में देते हुए बोली, 'अंकल, मैं हर महीने आपको गुल्लक का पैसा दे दिया करूंगी, आप मेरे पापा के नाम पर ऐसी बीमा पॉलिसी खोल दीजिए, जिससे मेरे पापा कभी भी हमें छोड़कर नहीं जाएं, हमें तो बस पापा चाहिए, रुपया-पैसा नहीं।'

परी की मासूमियत भरी बातें सुन नजरें चुरा रहे बीमा एजेंट की ओर देखते हुए विजय मन ही मन सोचने लगे, 'काश कोई स्कीम जीवन सुरक्षा की गारंटी देने के लिए भी बनी होती!' *

-विनोद कुमार विक्की

सबक

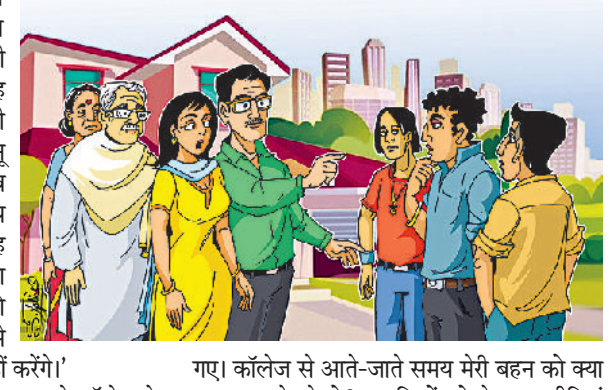

आलोक सर, आपने अपने पवित्र पद की गरिमा को ठेस पहुंचाई है। मुझसे बदसलूकी की है, मेरे साथ छेड़छाड़ करके। यह एक बदनुमा दाग है, आपकी स्वच्छ छवि पर। मेरा भाई जुगनू बहुत ही गुस्से वाला है। उसे जब पता चलेगा कि आपने मेरे साथ ऐसी ओछी हरकत की है तो वह आपको ऐसा सबक सिखाएगा कि भविष्य में किसी लड़की को छेड़ना तो दूर, उसे बुरी नजर से देखने का दुस्साहस भी आप नहीं करेंगे।'

क्रोध से तमतमाती हुई खुशबू अपने कॉलेज के प्रोफेसर आलोक को बुरा-भला कहकर पैर पटकती हुई कॉलेज परिसर से बाहर निकल गई। सभी छात्र-छात्राएं हतप्रभ खड़े देखते रह गए। उन्हें समझ में नहीं आ रहा था कि शांत स्वभाव वाले, चरित्रवान प्रोफेसर आलोक ने ऐसी गंदी हरकत क्यों की? कुछ मनचलों ने तो इसका वीडियो भी बना डाला।

शाम को जुगनू अपने साथियों के साथ प्रोफेसर आलोक के घर के सामने खड़े होकर चिल्ला रहा था, 'बाहर निकल आलोक...!'

प्रोफेसर आलोक अपनी बहन और माता-पिता के साथ बाहर आए। उनकी बहन को देखकर जुगनू के होश उड़ गए। प्रोफेसर आलोक, जुगनू की आंखों में आंखें डालकर बोले, 'तुम्हारी बहन को छेड़ा तो तुम्हारा खून खौल उठा। मरने-मारने के लिए तैयार हो गए। कॉलेज से आते-जाते समय मेरी बहन को क्या समझकर छेड़ते हो? लड़कियों को देखकर सीटियां बजाना, फब्तियां कसना, अश्लील इशारे करना कहां की शराफत है? यह तो शोहदों की निशानी है। मैंने तुम्हें समझाने, सुधारने के लिए अपने दोस्त को तुम्हारे पास भेजा फिर भी तुम अपनी गंदी हरकतों से बाज नहीं आए तो मजबूरन तुम्हारी बहन के साथ मिलकर हमें यह नाटक रचना पड़ा।' अपनी बात समाप्त करके प्रोफेसर आलोक ने खुशबू को फोन लगाया। मोबाइल का स्पीकर ऑन कर दिया। उधर से खुशबू की आवाज आई, 'हैलो हैलो हैलो भैया।'

अपनी बहन की आवाज पहचानकर शर्म के मारे जुगनू की गर्दन झुक गई। प्रोफेसर आलोक के सामने हाथ जोड़कर बोला, 'सॉरी सर!'

आलोक के परिवार ने राहत की सांस ली। *

-अशोक वाधवाणी

कंजर्वेटिव हाइब्रिड फंड कम रिस्क में दे सकते हैं महंगाई को भी मात

कंजर्वेटिव हाइब्रिड फंड एक ऐसा इनवेस्टमेंट ऑप्शन है जो कम रिस्क में भी महंगाई को मात देने वाले रिटर्न दे सकता है। यह फंड उन निवेशकों के लिए बेहतर विकल्प हो सकते हैं, जो बैंक एफडी की तुलना में ज्यादा रिटर्न हासिल करना चाहते हैं, लेकिन साथ ही प्योर इक्विटी फंड में निवेश से जुड़ा हाई रिस्क नहीं उठाना चाहते। कंजर्वेटिव हाइब्रिड फंड ऐसे निवेशकों को स्टेबल रिटर्न देने का काम करते हैं।

कंजर्वेटिव हाइब्रिड फंड क्या है?

बैंक एफडी की तुलना में ज्यादा रिटर्न देने में सक्षम

टैक्सेशन के लिहाज से डेट फंड की कैटेगरी में

कंजर्वेटिव हाइब्रिड फंड ऐसे हाइब्रिड म्यूचुअल फंड हैं, जो निवेशकों के पैसों को डेट और इक्विटी दोनों में बांटकर निवेश करते हैं, लेकिन इसमें डेट की हिस्सेदारी अधिक रहती है। सेबी की परिभाषा के मुताबिक कंजर्वेटिव हाइब्रिड फंड का 75% से 90% तक निवेश सरकारी बॉन्ड, कॉर्पोरेट बॉन्ड, ट्रेजरी बिल जैसे डेट इंस्ट्रूमेंट्स में होना चाहिए, जबकि 10% से 25% तक निवेश इक्विटी और इक्विटी डेरिवेटिव्स में किया जाता है। ये फंड मुख्य रूप से पूंजी की सुरक्षा और कम वोलैटिलिटी पर फोकस करते हैं। टैक्सेशन के लिहाज से इन्हें डेट फंड की कैटेगरी में ही रखा जाता है।

कंजर्वेटिव हाइब्रिड फंड के फायदे

पोर्टफोलियो डाइवर्सिफिकेशन

- यह फंड इक्विटी और डेट के संयोजन के कारण निवेशकों के पोर्टफोलियो को बेहतर डाइवर्सिफिकेशन देता है।
- इसमें शामिल इक्विटी निवेश के कारण, यह प्योर डेट फंड की तुलना में अधिक रिटर्न दे सकता है।

कम रिस्क

- डेट इंस्ट्रूमेंट्स का अनुपात ज्यादा होने के कारण, इनमें रिस्क प्योर इक्विटी म्यूचुअल फंड्स, एग्रेसिव हाइब्रिड फंड्स या बैलेंस्ड हाइब्रिड फंड की तुलना में कम रहता है। यही वजह है कि इसे रिस्क से बचने वाले निवेशकों के लिए बेहतर माना जाता है।
- फिक्स्ड डिपॉजिट (एफडी) और रिकरिंग डिपॉजिट (आरडी) जैसे विकल्पों की तुलना में कंजर्वेटिव हाइब्रिड फंड मीडियम से लॉन्ग टर्म में बेहतर रिटर्न दे सकते हैं।
- इक्विटी में 25% तक निवेश के कारण ये फंड लंबे समय में महंगाई को मात देने वाला रिटर्न दे सकते हैं।

कंजर्वेटिव हाइब्रिड फंड में निवेश के नुकसान

ऊपर बताए गए फायदों के अलावा कंजर्वेटिव हाइब्रिड फंड में निवेश के साथ कुछ निगेटिव फैक्टर्स भी जुड़े हुए हैं। पूंजी की सुरक्षा और स्टेबल रिटर्न पर ज्यादा जोर देने और डेट इंस्ट्रूमेंट्स की हिस्सेदारी अधिक होने के कारण इनमें निवेश पर मिलने वाला रिटर्न दूसरे इक्विटी-आधारित फंड्स की तुलना में कम हो सकता है। इसके अलावा इन फंड्स का रिटर्न पूरी तरह से फंड मैनेजर की विशेषज्ञता पर निर्भर करता है। निवेश में थोड़ा भी चूक होने पर रिटर्न पर निगेटिव असर पड़ सकता है। इसके अलावा यह बात भी ध्यान में रखनी चाहिए कि भले ही इन फंड्स में जोखिम कम हो, लेकिन जोखिम पूरी तरह समाप्त नहीं हो जाते। डिफॉल्ट का रिस्क, इन्फ्लेशन का रिस्क और कुछ हद तक इंटरेस्ट रेट भी रिस्क बने रहते हैं। ज्यादातर कंजर्वेटिव हाइब्रिड फंड्स को रिस्कोमीटर पर मॉडरेटली हाई रिस्क कैटेगरी में रखा जाता है। इन फंड्स में निवेश का एक बड़ा नुकसान यह भी है कि इनमें किए गए निवेश को टैक्सेशन के नियमों के तहत डेट फंड में रखा गया है। नए नियमों के तहत डेट फंड को कितने भी समय तक होल्ड किया जाए, उनके रिटर्न को टैक्सेबल इनकम में जोड़ा जाता है। यानी इस पर किसी तरह का टैक्स बेनिफिट नहीं मिलता है।

किनके लिए सही हैं कंजर्वेटिव हाइब्रिड फंड?

कंजर्वेटिव हाइब्रिड फंड उन निवेशकों के लिए बेहतर विकल्प हैं, जो रिटायरमेंट के करीब हैं या रिटायरमेंट के लिए स्टेबल रिटर्न देने वाले विकल्पों के तलाश कर रहे हैं। ऐसे निवेशक जो इक्विटी फंड्स की वोलैटिलिटी से बचना चाहते है, लेकिन महंगाई को मात देने वाले रिटर्न हासिल करना चाहते हैं। इसके अलावा जो निवेशक अपने पोर्टफोलियो को डायवर्सिफाई करना चाहते हैं, उनके लिए भी यह एक अच्छा विकल्प हो सकते हैं। निवेश का फैसला करने से पहले निवेशकों को अपने लक्ष्य और रिस्क लेने की क्षमता का आकलन जरूर करना चाहिए।

बाजार में उथल-पुथल मच रही है तो हो जाएं सावधान

घबराहट में आकर बिकवाली करने से नुकसान होगा

रणनीति का अनुमान लगाएं व निवेश बनाए रखें

अपने पोर्टफ़ोलियो को अव्यवस्थित करने से बचें

जल्दबाज़ी में निवेश करने से बचना चाहिए

बाजार के उतार चढ़ाव से डरना नहीं चाहिए

किसी भी हाल में एसआईपी को नहीं रोकना चाहिए

निवेश मंत्रा
बिजनेस डेस्क

कई लोग ज्यादा रिटर्न के लिए कर्ज लेकर शेयरों में लगा देते हैं इस तरह के निवेश के तरीके को मार्जिन इंवेस्टिंग कहा जाता है। बेशक इस तरह से अच्छा रिटर्न कमाया जा सकता है। लेकिन, इसमें नुकसान भी बहुत ज्यादा होता है। इस तरह के निवेश के तरीके से हमेशा ही बचना चाहिए। बाजार में अस्थिरता के वक्त तो और भी चौंकन्ना हो जाना चाहिए।

जब बाजार में भारी बिकवाली हो रही हो, स्टॉक मार्केट में तेज उथल पुथल मच रही हो, गिरावट का दौर चल रहा हो, और आगे भी उठापटक बनी रहने की आशंका हो तो यह निवेशकों के लिए सतर्क रहने का समय है। ऐसे में अपने निवेश को बनाए रखें। अपने पोर्टफ़ोलियो को अव्यवस्थित करने से बचें और जल्दबाज़ी में निवेश करने से भी बचना चाहिए। निवेशक को बाजार के उतार चढ़ाव से डरना नहीं है। कोई फैसला आवेश में नहीं करना चाहिए। अस्थिर बाजार में बिकवाली की होड़ में शामिल नहीं होना चाहिए। इससे आप होने वाले नुकसान से बच सकेंगे और आपका मुनाफा लंबे समय में बचा रहेगा। हमेशा ध्यान रखें की निवेश लंबी अवधि में अधिक फायदेमंद साबित होता है। हमेशा ध्यान रखें की बाजार की उथल-पुथल में अपनी एसआईपी निवेश को रोके नहीं। ऐसा समय एसआई निवेशकों के लिए बेहद कारगर होता है, क्योंकि आपको ज्यादा युनिट मिलेंगी जो बाजार के वापसी करते ही आपको अधिक मुनाफा देगा। इसलिए एसआईपी को लंबी अवधि के लिए बनाए रखें। इस रिपोर्ट में हम आपको 5 चीजें बता रहे हैं, जिन्हें बाजार में अस्थिरता के दौरान नहीं करना चाहिए।

घबराकर बिकवाली न करें

बाजार में अस्थिरता होने पर घबराहट में बिकवाली करने से बचें। यह सबसे पहला नियम है। कयासबाजी पर तुरंत प्रतिक्रिया करना हानिकारक साबित हो सकता है। आपको हमेशा यह बात देखनी चाहिए कि किसी शेयर की पिटाई क्यों हुए है? इसे देखते हुए ही किसी शेयर को बेचने का फैसला करना चाहिए। अगर आप गिरावट की वजहों से संतुष्ट नहीं हैं तो इस बात पर विचार करें कि क्यों आपने उस शेयर को खरीदा था। इससे आपको सही समीक्षा करने में मदद मिलेगी।

एसआईपी को नहीं रोकें

आपका कुछ भी फैसला हो, लेकिन, म्यूचुअल फंड में एसआईपी को रोकने की गलती कतई न करें। इससे एसआईपी को लेने का मकसद विफल हो जाता है। बाजार में मंदी का दौर ही वह समय होता है जब आपको इनके साथ जरूर बने रहना चाहिए। इससे आपको अपने लंबी अवधि के लक्ष्यों को हासिल करने में मदद मिलती है। एसआईपी को रोककर आप इक्विटी में चक्रवृद्धि ब्याज का लाभ खो देंगे। गिरावट के समय आपको कम कीमत पर ज्यादा यूनिटें खरीदने का मौका मिलेगा। बाजार के वापसी करने पर आप इसका फायदा उठा सकेंगे। लंबी अवधि में इक्विटी से सबसे अच्छा रिटर्न मिलता है। इसलिए इनके साथ बने रहने में ही निवेशक की समझदारी है।

सिर्फ गिरावट के समय नहीं खरीदें

केवल पिटे हुए स्टॉकों में पैसा लगाने में आप गलती भी कर सकते हैं। इस बात का अंदाजा लगा पाना बेहद मुश्किल है कि किसी कंपनी का निचला स्तर क्या होगा। इससे आप सही मूल्य को आंकने के चक्कर में बुरी तरह से फंस सकते हैं। नए निवेशकों को फाइनेंशियल सेक्टर के शेयरों से दूर रहना चाहिए। किसी कंपनी में निवेश करने से पहले उसके बुनियादी पहलुओं को देखना चाहिए। इस बात की भी जानकारी करनी चाहिए कि कंपनी का ट्रैक रिकॉर्ड कैसा रहा है। उसके रेवेन्यू, प्रॉफिट, प्राइस-टू-अर्निंग रेशियो और डेट-टू-इक्विटी रेशियो के बारे में जानकारी कर लेनी चाहिए। अगर आप खुद यह काम नहीं कर सकते हैं तो किसी प्रोफेशनल की सलाह लेनी चाहिए। सबसे अच्छा सिप के जरिए म्यूचुअल फंड में निवेश करने का रास्ता है।

एक सेक्टर में लिवाली न करें

हमेशा डायवर्सिफिकेशन के बारे में सोचना चाहिए। कहते हैं कि एक टोकरी में सभी अंडों को रखना बड़े नुकसान को दावत दे सकता है। इसलिए गिरावट के समय अच्छे शेयरों में निवेश के मौके तलाशने चाहिए। केवल एक सेक्टर के शेयरों में ही दांव लगाने से बचना चाहिए।

डावांडोल बाजार में ये रणनीति अपनाएं

जब गिरावट का दौर हो तो शेयर में निवेश के प्रति सतर्क रहना जरूरी है। एक शेयर ब्रोकर ट्रेडेड मूल्य पर धन कमाता है। इसलिए ज्यादातर ब्रोकरेज हाउस मुफ्त में सलाह दिया करते हैं। ध्यान रहे जब भी नुकसान होगा, आपका ही होगा। आपके निवेश की स्ट्रैटेजी क्या होनी चाहिए? अगर आप अपने धन से हाथ नहीं धोना चाहते तो कुछ बुनियादी नियमों का पालन करें।

पहले टिप्स का अध्ययन करें

लिटमस टेस्ट करें। आपके निवेश करने के पहले, किसी भी विश्लेषक की टिप्स का कुछ समय तक परीक्षण करें। उसके बाद ही फैसला करें। कई ब्रोकरेज हाउस अपनी बड़ी रिसर्च टीम का दावा करते हैं। उनकी रोजाना रिपोर्ट आती हैं। इनमें से कितनी सही रहती होंगी।

पहले रिसर्च करें, बाद में नहीं

निवेश के पहले शेयर के बारे में ठीक से रिसर्च करें। उस पर ब्रोकर से विस्तार से रिपोर्ट मांगें। लंबी अवधि की संभावनाएं अच्छी हों तभी निवेश करें। ट्रिगर प्राइस और टार्गेट प्राइस वाली टिप्स पर समय बर्बाद नहीं करें।

जो तेज चढ़ता है, तेज गिरता है

जब भी ऊंचाई पर कोई आंकड़ा देखा जाता है, उसमें प्रगति की बड़ी संभावना दिखाई देती है। लेकिन जब कोई शेयर काफी बढ़ चुका हो या किसी सेक्टर में काफी तेजी आ चुकी हो, सतर्क रहना चाहिए। ज्यादा पीई अनुपात का मतलब है कि भविष्य में प्रगति दर घटने वाली है।

समय नहीं है तो सिप से लगाएं धन

अगर आपके पास अपने पोर्टफोलियो में नए शेयर चुनने का समय नहीं है तो शेयर बाजार में सीधे धन नहीं लगाएं। सिस्टैमेटिक इनवेस्टमेंट प्लान (सिप) में निवेश से भी काफी मूल्य निर्मित किया जा सकता है।

ऐसे में ऐसी स्ट्रैटेजी

ट्रेडर व निवेशक दोनों को अलग-अलग स्ट्रैटेजी अपनानी चाहिए। ट्रेडर है तो स्टॉपलॉस के साथ ट्रेड ले सकते हैं। गिरावट के माहौल का फायदा उठा सकते हैं। हालांकि ट्रेडरों को कम क्वांटिटी के साथ ट्रेड करना चाहिए। इस वक्त ट्रेडरों के लिए भी काफी मुश्किल भरा मार्केट है। निवेशक के लिए अच्छा है कि वह सीधे निवेश से बचें। एसआईपी जारी रखें। कम अग्रेसिव निवेशक थोड़ा इंतजार करें। बाजार में रिवर्सल के संकेतों का वेट करें। कोरोना की दहशत का असर कम होने तक इंतजार करें।

साठ के बाद भी ठाठ से रहना है तो कर लें बढ़िया इंतजाम

जिंदगीभर एक लाख रुपये की पेंशन देगी बुढ़ापे में राहत

एलआईसी के न्यू जीवन शांति प्लान से जिंदगीभर पेंशन पा सकते हैं

इस पॉलिसी को लेने के लिए न्यूनतम उम्र 30 साल है

अलर्ट
बिजनेस डेस्क

इस प्लान को कोई भी शख्स ले सकता है। फिर चाहे वह नौकरीपेशा हो या कारोबारी। हालांकि इसके लिए न्यूनतम उम्र 30 साल और अधिकतम 79 साल होनी चाहिए। यहां ध्यान रखने वाली बात यह है कि जितनी जल्दी उम्र में इस प्लान में निवेश करेंगे, पेंशन की रकम उतनी कम मिलती है।

हर नौकरीपेशा शख्स चाहता है कि रिटायरमेंट के बाद उसे अच्छी पेंशन मिले। वहीं, काफी ऐसे लोग भी होते हैं जो नौकरी तो नहीं करते लेकिन 50 या 60 साल की उम्र के बाद जरूरी खर्चे के लिए निश्चित रकम चाहते हैं। अगर आप भी रिटायरमेंट के बाद या 60 साल की उम्र के बाद ठाठ की जिंदगी चाहते हैं तो भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) की पेंशन स्कीम में निवेश कर सकते हैं। वैसे तो पेंशन के लिए एलआईसी की कई पॉलिसी हैं, लेकिन इनमें न्यू जीवन शांति प्लान बेहद खास है। इस प्लान की सबसे खास बात है कि इसमें आपको बस एक बार ही पैसा निवेश करना होगा। फिर उसके कुछ समय बाद आपको जिंदगीभर एक निश्चित रकम पेंशन के रूप में मिलती रहेगी। यानी कह सकते हैं कि रिटायरमेंट के बाद भी रेगुलर कमाई शुरू हो जाती है। इसके बाद आपको बुढ़ापे में बच्चों की तरफ नहीं ताकना होगा और आसानी से अपनी जिंदगी को आसान बना सकते हैं।

कितनी रकम करनी होगी निवेश?

- यह सिंगल प्रीमियम पॉलिसी है। यानी आपको सिर्फ एक बार ही निवेश करना होगा। उसके बाद जिंदगीभर के लिए पेंशन पक्की हो जाएगी। इस प्लान के तहत कम से कम 1.50 लाख रुपये निवेश करने होते हैं। इससे ज्यादा आप कितनी भी रकम निवेश कर सकते हैं। जितनी ज्यादा रकम निवेश करेंगे, उतनी ज्यादा रकम पेंशन के रूप में मिलेगी।
- इस प्लान को लेने के लिए दो ऑप्शन हैं। पहला ऑप्शन डेफर्ड एन्युटी फॉर सिंगल लाइफ का है। वहीं दूसरा ऑप्शन डेफर्ड एन्युटी फॉर जॉइंट लाइफ का है। आप दोनों में से किसी भी ऑप्शन को चुन सकते हैं।

ऐसे मिलेगी एक लाख रुपये की पेंशन

मान लीजिए कि आपकी उम्र 45 साल है। आप इस पॉलिसी में 11 लाख रुपये सिंगल प्रीमियम के तहत निवेश करते हैं। 5 साल बाद यानी जब आपकी उम्र 50 साल हो जाएगी तो आपकी पेंशन शुरू हो जाएगी। आपको सालाना करीब एक लाख रुपये (99,440 रुपये) की पेंशन मिलेगी। वहीं अब मान लें कि आप 55 साल की उम्र में इस प्लान को खरीदते हैं। आप 11 लाख रुपये सिंगल प्रीमियम के तहत निवेश करते हैं। 5 साल बाद जब आप 60 साल के होंगे, तब आपकी पेंशन शुरू होगी। उस समय आपको पेंशन के रूप में सालाना 1,02,850 रुपये जिंदगीभर मिलेंगे। आप इस प्लान में पेंशन हर महीने या हर तीन महीने में या हर 6 महीने में भी ले सकते हैं।

कब और कितनी मिलेगी पेंशन?

इस पॉलिसी में निवेश करने के 5 साल बाद पेंशन शुरू होती है। अगर आपकी उम्र 40 साल है तो 45 साल उम्र से पेंशन शुरू होगी। वहीं अगर उम्र 55 साल है तो 60 साल की उम्र के बाद पेंशन शुरू होगी। यह पेंशन जिंदगीभर मिलेगी।

ये भी फायदे

- प्लान लेने वाले शख्स का अगर निधन हो जाता है तो नॉमिनी को पूरी रकम ब्याज के साथ वापस मिल जाती है।
- इस पॉलिसी को कभी भी सरेंडर कर सकते हैं। इसमें सरेंडर वैल्यू दूसरी पॉलिसी के मुकाबले ज्यादा होती है।
- इसमें आपको लोन की सुविधा भी मिलती है। पॉलिसी शुरू होने के तीन महीने बाद आप इस पर लोन भी ले सकते हैं।

बिजनेस साइट

अरण्य लेक श्योर सिटी की लॉचिंग आज, हुंडई कार जीतने का मौका

रायपुर। श्री स्वास्तिक ग्रुप के नए प्रोजेक्ट 'अरण्य लेक श्योर सिटी' की भव्य लॉचिंग रविवार, 17 नवंबर को बहनाकाड़ी रायपुर में होने जा रही है। इस अवसर पर श्री स्वास्तिक ग्रुप अपने ग्राहकों को सीमित संख्या में आवासीय प्लॉट्स उपलब्ध कराने का अवसर प्रदान करेगा। प्रोजेक्ट में निवेश करने पर ग्राहक न केवल अपने सपनों का घर बना सकेंगे, बल्कि विशेष लकी ड्रा में शामिल होकर हुंडई कार जीतने का भी अवसर पा सकते हैं। साथ ही लॉन्चिंग ऑफर के तहत स्पेशल रेट्स और बुकिंग पर आकर्षक उपहार भी दिए जाएंगे। श्री स्वास्तिक ग्रुप के डायरेक्टर सुनील साहू ने बताया कि यह प्रोजेक्ट नया और पुराना रायपुर शहर के मध्य स्थित बहनाकाड़ी क्षेत्र में विकसित किया जा रहा है। इसमें 600, 1000, 1250, और 1500 वर्गफुट के आवासीय प्लॉट उपलब्ध होंगे। इस प्रोजेक्ट में कई नई विशेषताएं और आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध करवाई जाएंगी, जिनमें क्लब हाउस, जिम, स्वीमिंग पूल, मंदिर, इनडोर और आउटडोर खेल सुविधाएं, बच्चों के खेलने का क्षेत्र आदि शामिल हैं। साथ ही सभी बुनियादी सुविधाएं जैसे प्रवेश द्वार, लैंडस्केप गार्डन, कंक्रीट सड़कें, बाउंड्रीवॉल, अंडरग्राउंड ड्रेनेज सिस्टम, पानी की आपूर्ति और 24 घंटे की सिक्योरिटी भी प्रदान की जाएगी। उन्होंने कहा कि प्रोजेक्ट कि लोकेशन बहुत खास है इस प्रोजेक्ट से कौशल्या माता मंदिर चंदखुरी, विधानसभा चौक नया रायपुर स्कुल मात्र 5 मिनट की दूरी पर है। यह प्रोजेक्ट संबंधित सरकारी विभागों से अनुमोदित है और रेरा में रजिस्ट्रर्ड है। इसके साथ ही, इसमें निवेश करने वालों को विभिन्न बैंकों से फाइनेंस की सुविधा भी उपलब्ध होगी।

अविनाश ग्रुप के प्रमुख प्रोजेक्ट 'अविनाश इको सिटी' की हुई ग्रैंड लॉन्चिंग

इको-फ्रेंडली प्लाट प्रोजेक्ट को मिला शानदार रिस्पांस

रायपुर। मध्य भारत के प्रमुख रियल एस्टेट डेवलपर अविनाश ग्रुप के प्रमुख प्रोजेक्ट 'अविनाश इको सिटी' की भव्य लांचिंग शनिवार को रायपुर के सेजबहार में हुई। इस अवसर पर अविनाश ग्रुप के एमडी आनंद सिंघानिया, चेयरमैन अरुण सिंघानिया, नरेश सिंघानिया, डायरेक्टर्स मुकेश सिंघानिया, प्रियांक सिंघानिया, यश सिंघानिया, प्रतीक सिंघानिया, सीनियर जीएम सेल्स विपिन झा, असिस्टेंट वाइस प्रेसिडेंट कंस्ट्रक्शन राजेश पांड्या, वाइस प्रेसिडेंट रमेश सिंह और अविनाश ग्रुप के स्टाफ और सम्मानित ग्राहक उपस्थित थे। कार्यक्रम की शुरुआत भूमिपूजन से हुई, जिसके बाद प्रोजेक्ट की औपचारिक लॉन्चिंग की गई। इस दो दिवसीय इवेंट (16 और 17 नवंबर) के पहले दिन ही ग्राहकों ने उत्साह से साइट विजिट की और प्लॉट की बुकिंग भी की। अविनाश ग्रुप के एमडी आनंद सिंघानिया ने बताया कि अविनाश इको सिटी एक पर्यावरण-केन्द्रित, इको-फ्रेंडली और सस्टेनेबल जीवनशैली को बढ़ावा देने वाला प्रोजेक्ट है। इस प्रोजेक्ट में सोलर एनर्जी, ऊर्जा बचाने वाले उपकरण (सोलर पैनल) और पर्यावरण के अनुकूल संरचनाओं का उपयोग किया जाएगा, जिससे यहां रहने वाले लोग स्वस्थ और हरित जीवनशैली का आनंद ले सकेंगे। प्रोजेक्ट 19 एकड़ में फैला है और डेढ़ साल में पूरी तरह से तैयार हो जाएगा। इस प्रोजेक्ट में 350 प्लॉट्स होंगे और इसमें विभिन्न सुविधाएं जैसे क्लब हाउस, स्वीमिंग पूल, मंदिर, जिम, वॉकिंग ट्रैक और गार्डन होंगे।

प्राइम लोकेशन और शानदार कनेक्टिविटी

यह प्रोजेक्ट रायपुर के प्राइम लोकेशन सेजबहार में स्थित है, जो शहर के प्रमुख शैक्षिक संस्थानों, अस्पतालों और बाजारों के पास है। इसका मुख्य उद्देश्य यह है कि यहां के निवासी न केवल प्रकृति के करीब रहेंगे, बल्कि सभी जरूरी सुविधाओं तक भी आसानी से पहुंच सकेंगे।

सहेली ज्वेलर्स ने मनाईं अपनी द्वितीय वर्षगांठ गहनों की खरीदी पर खास ऑफर

रायपुर। सदर बाजार स्थित सहेली ज्वेलर्स ने शुक्रवार को अपनी द्वितीय वर्षगांठ धूमधाम से मनाई। इस मौके पर प्रतिष्ठान के सफल सराफा कारोबारी और डायरेक्टर सुनील जैन ने सभी ग्राहकों का आभार व्यक्त किया। रायपुर में सहेली ज्वेलर्स के शोरूम के दो साल पूरे होने पर आयोजित कार्यक्रम में ज्वेलरी खरीदने के इच्छुक ग्राहकों के लिए विशेष ऑफर्स और सुविधाएं की घोषणा की गई। साथ ही डायमंड और पोल्की ज्वेलरी का एक्सक्लूसिव कलेक्शन भी लॉन्च किया गया। सुनील जैन ने इस अवसर पर कहा कि सहेली ज्वेलर्स को लगातार ग्राहकों का भरोसा और समर्थन मिल रहा है, जो हमें बेहतर सेवाएं देने के लिए प्रेरित करता है। उन्होंने यह भी बताया कि शुद्धता, सही कीमत, बेहतरीन डिजाइन और सही सलाह के जरिए सहेली ज्वेलर्स आज इस मुकाम तक पहुंचा है। सहेली ज्वेलर्स के निदेशक ने यह भी बताया कि रायपुर शोरूम प्रदेश का पहला और सबसे बड़ा डिजाइनर ज्वेलरी शोरूम है। इस खास अवसर पर सुनील जैन, सुमीत जैन और रायपुर यूनिट हेड अमृतांशु उपाध्याय मौजूद रहे।

ज्वेलरी की मेकिंग चार्ज पर विशेष छूट

सहेली ज्वेलर्स ने वर्षगांठ के अवसर पर ग्राहकों के लिए खास ऑफर भी पेश किए हैं। 16 से 24 नवंबर तक ग्राहकों को सोने और हीरे के प्लेन आभूषण की मेकिंग चार्जेस पर फ्लैट 5 फीसदी की छूट मिलेगी, जबकि पारंपरिक और टेंपल ज्वेलरी पर फ्लैट 10 फीसदी की छूट का लाभ भी लिया जा सकेगा। यह ऑफर दुर्ग स्थित श्री शिवम मॉल में सहेली ज्वेलर्स के शोरूम पर भी लागू होगा।

स्वदेशी खादी महोत्सव प्रदर्शनी का आज अंतिम दिन

रायपुर। स्वदेशी खादी महोत्सव प्रदर्शनी का आयोजन गॉस मेमोरियल ग्राउंड आकाशवाणी चौक स्थित कालीमाता मंदिर के सामने किया गया है, जिसका आज अंतिम दिन है। इस प्रदर्शनी में देश के विभिन्न राज्यों से आए हुए बुनकर अपने हस्तशिल्प और वस्त्र प्रदर्शित कर रहे हैं। प्रदर्शनी में मुख्य रूप से खादी, कॉटन और सिल्क के कपड़े उपलब्ध हैं, जो आज के आधुनिक परिधानों को ध्यान में रखकर तैयार किए गए हैं। इसके अलावा यहां खुर्जा की क्रॉकरी, भदोही के कार्पेट, गोरखपुर का टेराकोटा, बंगाल के ड्राई फ्लॉवर, लखनऊ की चिकन वर्क कुर्ती, कश्मीर की साड़ी, वाराणसी की साड़ी, कोलकाता की साड़ी इत्यादि उपलब्ध हैं। प्रदर्शनी में बिक्री के लिए वस्तुएं बहुत कम कीमतों पर दी जा रही हैं, जिसमें हैंडलूम वस्तुओं पर 20 प्रतिशत की छूट और हैंडीक्राफ्ट वस्तुओं पर 10 प्रतिशत तक की छूट दी जा रही है।

जोन अध्यक्ष डॉ. प्रमोद साहू ने सादगीपूर्ण तरीके से मनाया जन्मदिन

रायपुर। रायपुर नगर निगम जोन-3 के अध्यक्ष और भाजपा के वरिष्ठ पार्षद डॉ. प्रमोद कुमार साहू ने अपने जन्मदिन को सादगीपूर्ण तरीके से मनाया। यह कार्यक्रम उनके निवास स्थान पर आयोजित किया गया, जहां परिवार के सदस्य, भाजपा कार्यकर्ता और क्षेत्र की जनता की उपस्थिति रही। इस मौके पर क्षेत्रीय विधायक पुरंदर मिश्रा, निगम के अधिकारी, पार्षद, प्रगति क्लब के खिलाड़ी, मितानिन बहनें, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, कबड्डी महासंघ के पदाधिकारी और विभिन्न सामाजिक संगठनों के पदाधिकारियों ने डॉ. साहू को शुभकामनाएं दीं।

ज्ञान गंगा एजूकेशनल एकेडमी में 'अभ्युदय' वार्षिक सांस्कृतिक उत्सव का समापन

रायपुर। ज्ञान गंगा एजूकेशनल एकेडमी ने शनिवार को अपने वार्षिक सांस्कृतिक उत्सव 'अभ्युदय' का शानदार समापन किया। इस अवसर पर विद्यालय में रंगारंग समूह नृत्य प्रतियोगिता और फैशन शो का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में विद्यालय की अध्यक्ष मंजू शांडिल्य, डायरेक्टर प्रियंका शांडिल्य और प्राचार्या प्रतिमा राजगोर उपस्थित रहीं। सांस्कृतिक उत्सव का शुभारंभ मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण और दीप प्रज्ज्वलन से हुआ। 14 से 16 नवंबर तक आयोजित इस उत्सव में बच्चों ने विभिन्न रंगारंग कार्यक्रमों में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। समूह नृत्य प्रतियोगिता में भारत के विभिन्न प्रांतों के पारंपरिक और शास्त्रीय नृत्यों का प्रदर्शन किया गया। शास्त्रीय नृत्य, राजस्थानी लोकनृत्य, कंटेम्प्रेरी, छत्तीसगढ़ी राउत और सुआ नृत्य जैसे नृत्य रूपों में छात्रों ने अपनी कला का जौहर दिखाया।

सीएम ट्रॉफी इंडिया इंटरनेशनल बैडमिंटन स्पर्धा में आज होगा फाइनल मैच

13 साल की बैडमिंटन स्टार तन्वी का कमाल, टूर्नामेंट में नहीं मिली एक भी हार, 2 सालों से लगातार जीत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

छत्तीसगढ़ बैडमिंटन संघ की ओर से मोवा में आयोजित सी.एम.ट्रॉफी इंडिया इंटरनेशनल बैडमिंटन स्पर्धा में इनदिनों में देश की बैडमिंटन स्टार खिलाड़ी तन्वी पत्री की चर्चा चारों ओर है। तन्वी ने इस टूर्नामेंट में लगातार पांच मैच 21 पाइंट से जीतकर फाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली है। बता दें कि तन्वी को कोई भी खिलाड़ी अभी तक हरा नहीं पाया है। खास बात यह भी है कि आज फाइनल में मैच जीतने से स्टॉर खिलाड़ी बिना हारे टूर्नामेंट अपने नाम करेगी। रायपुर में ऐसा कारनामा करने वाली पहली खिलाड़ी होगी। हरिभूमि से तन्वी के पिता रबीनारायण पत्री ने कहा कि तन्वी लगातार 6 सालों से बैडमिंटन खेल रही है। 13 साल की उम्र में इंटरनेशनल व नेशनल टूर्नामेंट में गोल्ड जीता है। पिता ने बताया कि 2 सालों से तान्वी कोई भी टूर्नामेंट नहीं हारी है। अभी तक जैसा प्रदर्शन रायपुर में है, ऐसा ही अन्य कुछ टूर्नामेंट में भी रहा है।

5 साल की उम्र शुरू किया बैडमिंटन खेलना

तन्वी के माता-पिता रबीनारायण पत्री और शैलबाला एक सॉफ्टवेयर इंजीनियर हैं। उन्होंने बताया कि वह पहले चीन में काम करते थे, यहीं तन्वी ने बैडमिंटन खेलना शुरू किया। उन्होंने शुरुआत में शीर्ष चीनी कोच जियांग योंग वाईएल के तहत प्रशिक्षण लिया। इसके बाद 2017 और 2020 के बीच चीन में नौ खिताब जीते थे। चीन में खेलते-खेलते तन्वी को बैडमिंटन का शौक हो गया और 5 साल की उम्र से उन्होंने बैडमिंटन खेलना शुरू कर दिया और आज तन्वी ने 13 साल की उम्र में बैडमिंटन टूर्नामेंट में नाम कमाना शुरू कर दिया है। तन्वी ने राज्य के साथ-साथ देश और विदेश में कई प्रतियोगिताओं में भाग लिया और कई पदक अपने नाम किए हैं, जिसमें भुवनेश्वर में आयोजित ऑल-ओडिशा सब-रैंकिंग टूर्नामेंट में अंडर-15 और अंडर-17 लड़कियों के एकल खिताब भी शामिल हैं। तन्वी पिछले दो वर्षों से बैंगलोर में प्रकाश पादुकोण बैडमिंटन अकादमी में प्रशिक्षण ले रही हैं।

तन्वी को हराना अब हुआ मुश्किल

बैडमिंटन में तन्वी के प्रदर्शन की चर्चा देशभर में हैं। तन्वी को दो सालों में कोई हरा नहीं पाया है। लगातार मैच जीते से अब लोग उन्हें जूनियर पीवी सिंधु भी कहने लगे हैं। पिता से प्रेरित होकर बैडमिंटन खेलना शुरू किया है। पिता भी बैडमिंटन खिलाड़ी रह चुके हैं। बता दें कि बीते कुछ सालों में तन्वी ने जूनियर ने ओएसबीए ऑल-ओडिशा मिनी और सब-जूनियर में तीन खिताब जीते हैं, ओडिशा रैंकिंग टूर्नामेंट में ऑल-अंडर-19 लड़कियों का एकल खिताब, हैदराबाद में ऑल इंडिया सब जूनियर रैंकिंग बैडमिंटन टूर्नामेंट ऑल इंडिया सब जूनियर रैंकिंग टूर्नामेंट जीता। अंडर-15 और अंडर-17 लड़कियों के एकल खिताब जबकि महाराष्ट्र ने 34वां सब-जूनियर (अंडर-13) राष्ट्रीय बैडमिंटन (अंडर-13) जीता। तन्वी टैंकिंग बैडमिंटन चैंपियनशिप में लड़कियों का एकल खिताब जीतने वाली ओडिशा की पहली शटलर बनीं। वह चीन के चेंगदू में चेंगदू विश्वविद्यालय में एशियाई जूनियर (अंडर 15-17) बैडमिंटन चैंपियनशिप में महिला अंडर-15 एकल में स्वर्ण पदक जीतने वाली तीसरी भारतीय शटलर बनीं।

खबर संक्षेप

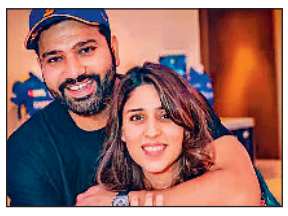

रोहित की पत्नी ने बेटे को दिया जन्म

मुंबई। भारतीय कप्तान रोहित शर्मा की पत्नी ने बेटे को जन्म दिया है जिससे इस सलामी बल्लेबाज की ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 22 नवंबर से पर्थ में शुरू होने वाले पहले टेस्ट मैच में खेलने की संभावना बढ़ गई है। रोहित की पत्नी रितिका सजदेह ने शुक्रवार रात यहां एक स्थानीय अस्पताल में बेटे को जन्म दिया। रोहित बेटे के जन्म के कारण भारतीय टीम के साथ ऑस्ट्रेलिया नहीं गए थे। इस दंपति की एक बेटी समायरा है, जिसका जन्म 2018 में हुआ था। पहला टेस्ट शुरू होने में अब एक सप्ताह से भी कम समय बचा है।

दक्षिण अफ्रीका में टी20 श्रृंखला में जीत विशेष

जोहानिसबर्ग। दक्षिण अफ्रीका दौरे के लिए भारतीय टीम के मुख्य कोच वीवीएस लक्ष्मण ने टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला में जीत को विशेष करार दिया।

लक्ष्मण ने एक्स पर पोस्ट किया, 'जिस तरह से हमारे खिलाड़ी पूरी श्रृंखला में खेले उससे मुझे वास्तव में उन पर बहुत गर्व है। श्रृंखला में 3-1 से जीत विशेष प्रयास का परिणाम है। सूर्यकुमार यादव ने बेहतरीन कप्तानी की। संजू सैमसन और तिलक ने बल्लेबाजी में कमाल दिखाया तो गेंदबाजी में वरुण चक्रवर्ती का प्रदर्शन असाधारण रहा।'

महिला एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी : सेमीफाइनल में बनाई जगह

भारत की लगातार चौथी जीत चीन को 3-0 से दी करारी मात

एजेंसी ▶▶| राजगीर

गत चैंपियन भारत ने शनिवार को यहां ओलंपिक रजत पदक विजेता चीन को 3-0 से हराकर उलटफेर करते हुए महिला एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी हॉकी टूर्नामेंट के सेमीफाइनल के लिए क्वालीफाई किया। भारत ने संगीता कुमारी (32वें मिनट) और कप्तान सलीमा टेटे (37वें मिनट) की मदद से दो मैदानी गोल किए जबकि टूर्नामेंट की शीर्ष स्कोरर दीपिका (60वें मिनट) ने अंतिम मिनट में पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदला। विश्व में छठे नंबर की टीम चीन के खिलाफ यह भारत की टूर्नामेंट में लगातार चौथी जीत है। अब दुनिया की नौवें नंबर की टीम भारत चार मैच में आठ अंक के साथ तालिका में शीर्ष पर पहुंच गई। चीन चार मैच में छह अंक से दूसरे स्थान पर खिसक गया है। भारत अपना राउंड रॉबिन अभियान रविवार को जापान के खिलाफ खत्म करेगा। छह टीमों के महाद्वीपीय टूर्नामेंट की शीर्ष चार टीमें सेमीफाइनल के लिए क्वालीफाई करेंगी।

क्वार्टर 1

भारत ने शुरू से ही आक्रामक रुख अख्तियार किया और कई मौके बनाए। हालांकि उसे सफलता नहीं मिली क्योंकि चीन की टीम का अपने क्षेत्र में डिफेंस शानदार रहा। भारत को मैच के शुरुआती मिनट में ही लगातार दो पेनल्टी कॉर्नर मिले लेकिन टीम ने दोनों ही मौकों को गंवा दिया। कुछ मिनट बाद शर्मिला देवी ने सुशीलिता टोप्पो को पास दिया। इससे दीपिका गोल करने के प्रयास में विपक्षी गोलकीपर के साथ आमने सामने आ गईं जिन्होंने उन्हें गोल नहीं करने दिया। चीन ने पहले क्वार्टर में एक पेनल्टी कॉर्नर हासिल किया लेकिन भारतीय रक्षा पंक्ति मजबूत रही।

क्वार्टर-2

भारत ने 21वें मिनट में अपना दूसरा पेनल्टी कॉर्नर हासिल किया लेकिन कोई फायदा नहीं हुआ। पांच मिनट बाद भारत ने एक और पेनल्टी कॉर्नर हासिल किया। लेकिन मनीषा चौहान की फ्लिक को चीन की गोलकीपर टिंग ली ने रोक लिया और फिर लालरेमसियामी का रिबाउंड का प्रयास विफल हो गया। इससे पहले हाफ में कोई गोल नहीं हो सका।

क्वार्टर-3

भारतीय टीम ने दूसरे हाफ में उसी लय से वापसी की और नियंत्रण बनाए रखा। 32वें मिनट में आखिरकार उनके प्रयासों का फल मिला जब संगीता ने सुशीला चानू के पास को मिडफील्ड से छकाते हुए गोल में बदल दिया। पांच मिनट बाद भारतीयों ने एक और बेहतरीन मैदानी गोल करके अपनी बढ़त दोगुनी कर दी।

क्वार्टर 4

भारतीयों ने चीन पर दबदबा बनाए रखा। चीन की टीम ने भी पूरी कोशिश की लेकिन भारतीय रक्षापंक्ति को भेद नहीं सकी। गोल के लिए बेताब चीन ने मैच खत्म होने से तीन मिनट पहले ही अपने गोलकीपर को हटा लिया और यह दाव उल्टा पड़ गया। भारत ने खेल के अंतिम मिनट में अपना तीसरा गोल कर दिया। संगीता ने अंतिम मिनट में भारत के लिए चौथा पेनल्टी कॉर्नर हासिल किया और दीपिका ने मौके का फायदा उठाते हुए टूर्नामेंट में अपना सातवां गोल किया।

ऑस्ट्रेलिया ने पाकिस्तान से जीती टी20 श्रृंखला

सिडनी। तेज गेंदबाज स्पेंसर जॉनसन ने करियर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए 26 रन पर पांच विकेट चटकाए। इससे ऑस्टेलिया ने तीन मैचों की श्रृंखला के दूसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय में शनिवार को पाकिस्तान को 13 रन से शिकस्त देकर 2-0 की अजेय बढ़त बना ली। जॉनसन ने पाकिस्तान के शीर्ष क्रम को झकझोरा जिससे जीत के लिए 148 रन का पीछा करते हुए पाकिस्तान की टीम आखिरी ओवर में 134 रन पर आउट हो गई। टॉस जीतकर बल्लेबाजी करने के फैसले के बाद मैथ्यू शॉर्ट (32 रन) और जैक फ्रेजर मैकगुर्क (20 रन) ने 20 गेंद में 50 रन की साझेदारी कर ऑस्ट्रेलिया को तेज शुरुआत दिलाई। ऑस्ट्रेलिया का यह टी20 अंतरराष्ट्रीय में सबसे तेज अर्धशतक है। ग्लेन मैक्सवेल 20 गेंद में 21 रन बनाए।

मुंबई की सेना पर नौ विकेट से आसान जीत

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

सिद्देश लाड और अंगकृष रघुवंशी के नाबाद अर्धशतकों की मदद से मुंबई ने शनिवार को यहां रणजी ट्रॉफी एलीट ग्रुप ए मैच के चौथे और अंतिम दिन सेना पर नौ विकेट से आसान जीत दर्ज की।मुंबई ने सुबह एक विकेट पर 24 रन से आगे खेलना शुरू किया और 35.4 ओवर में 135 रन का लक्ष्य हासिल किया। लाड (नाबाद 73) और रघुवंशी (नाबाद 55) ने दूसरे विकेट के लिए 128 रन की अटूट साझेदारी की, जिससे मुंबई ने पालम मैदान पर खेले गए मैच में एक विकेट पर 137 रन बनाए।

सेना की टीम ने अपनी पहली पारी में 240 और दूसरी पारी में 182 रन बनाए थे। मुंबई ने अपनी पहली पारी में 288 रन बनाकर 48 रन की बढ़त हासिल की थी। इस जीत से मुंबई के पांच दौर के बाद 22 अंक हो गए हैं और वह ग्रुप ए में बड़ौदा (27) और जम्मू-कश्मीर (23) के बाद तीसरे स्थान पर पहुंच गया है।

स्वियाटेक की जीत से क्वार्टर में पोलैंड, ब्रिटेन से हारा जर्मनी

एजेंसी ▶▶| मलागा

पोलैंड की इगा स्वियाटेक ने स्पेन की पाउला बडोसा को हराकर अपने देश को बिली जीन किंग कप फाइनल्स टेनिस टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में पहुंचाया जबकि ब्रिटेन ने जर्मनी को बाहर का रास्ता दिखाया।

दुनिया की दूसरे नंबर की खिलाड़ी स्वियाटेक ने इनडोर हार्डकोर्ट पर विश्व की 12वें नंबर की खिलाड़ी बडोसा को 6-3, 6-7 (7), 6-1 से हराकर पोलैंड की अंतिम आठ में जगह पक्की की जहां उसका सामना चेक गणराज्य से होगा। इससे पहले पोलैंड की मेग्डा लिनेट ने स्पेन की सारा सोरिब्स को 7-6 (8), 2-6, 6-4 से हराया था। इस तरह से मेजबान स्पेन टूर्नामेंट से बाहर हो गया। एक अन्य मुकाबले में ब्रिटेन की खिलाड़ियों ने जर्मनी की खिलाड़ियों पर दबदबे वाली जीत दर्ज की। एम्मा राडुकानु ने जूल नीमियर को 6-4, 6-4 से पराजित करके ब्रिटेन को शुरुआती बढ़त दिलाई। इसके बाद केटी बौल्टर ने लॉरा सीगमुंड को 6-1, 6-2 से हराकर ब्रिटेन की जीत सुनिश्चित की। क्वार्टर फाइनल में ब्रिटेन का मुकाबला मौजूदा चैंपियन कनाडा से होगा।

बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी

अब शुभमन गिल चोटिल पर्थ टेस्ट से लगभग बाहर

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली/पर्थ

भारत को शनिवार को एक और बड़ा झटका लगा जब शीर्ष क्रम के स्टार बल्लेबाज शुभमन गिल के बाएं अंगूठे में फ्रैक्चर हो गया जिसके कारण वह बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के 22 नवंबर से पर्थ में शुरू हो रहे पहले टेस्ट से बाहर हो सकते हैं।

भारत की पिछली बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में मिली जीत के युवा नायकों में से एक गिल बल्लेबाजी के मुख्य आधार हैं और अगर कप्तान रोहित शर्मा पहले टेस्ट से बाहर हो जाते हैं तो भारत का शीर्ष क्रम कमजोर दिख सकता है। टीम को दो टुकड़ों में विभाजित करके कराए गए अभ्यास मैच के दूसरे दिन क्षेत्ररक्षण करते समय गिल को चोट लगी। वह चोट के बाद काफी दर्द में दिख रहे थे और स्कैन के लिए तुरंत मैदान से बाहर चले गए। इस मामले की जानकारी रखने वाले भारतीय क्रिकेट बोर्ड के एक सूत्र के अनुसार गिल के बाएं अंगूठे में फ्रैक्चर है और टेस्ट शुरू होने में एक सप्ताह से भी कम समय बचा है इसलिए इस स्टाइलिश दाएं हाथ के बल्लेबाज के लिए शुरुआती मैच के लिए समय पर फिट होना लगभग असंभव होगा।

मैदान पर नहीं उतरे राहुल

लोकेश राहुल को भी टीम के अभ्यास मैच के शुरुआती दिन प्रसिद्ध कृष्णा की शॉर्ट गेंद से कोहनी में चोट लगी है और उन्हें मैदान छोड़ने के लिए मजबूर होना पड़ा। राहुल के चोट वाले हिस्से पर 'आइसिंग' की जरूरत पड़ी और वह शनिवार को अभ्यास के दूसरे दिन मैदान पर नहीं उतरे। हालांकि ऐसा एहतियात के तौर पर किया गया। अगर गिल अनुपस्थित रहते हैं तो अभिमन्यु ईश्वरन को टेस्ट पदार्पण का मौका मिल सकता है क्योंकि भारत के पास ज्यादा विकल्प नहीं है।

चैंपियंस ट्रॉफी : दौरे के नए कार्यक्रम में पीओके नहीं

इस्लामाबाद। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद ने भारत के कड़े विरोध पर तुरंत अमल करते हुए पाकिस्तान में चैंपियंस ट्रॉफी के प्रदर्शनी दौरे के लिए शनिवार को जारी कार्यक्रम में पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर के शहरों को शामिल नहीं किया। ट्रॉफी अब खैबर पख्तूनवाला क्षेत्र के एबटाबाद के अलावा कराची, रावलपिंडी और इस्लामाबाद में प्रदर्शित की जाएगी। ट्रॉफी सबसे पहले पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद में प्रदर्शित की जाएगी। इसके बाद वह देश के अन्य शहरों तक्षशिला और खानपुर (17 नवंबर), एबटाबाद (18 नवंबर), मुरी (19 नवंबर) और नाथिया गली (20 नवंबर) की यात्रा करेगी।

ताजिकिस्तान में एक लाख 50 हजार साल पुरानी इंसानी बस्ती की खोज

एक्सपर्ट को जगी बड़ी उम्मीद, बताया क्या है खास

एजेंसी ▶▶| दुशांबे

ताजिकिस्तान की जेरवशान घाटी में एक लाख, 50 हजार साल पुराने शहर की खोज हुई है। हाल ही में की गई खुदाई में शोधकर्ताओं को ये 1,50,000 साल पुराना पुरातात्विक स्थल मिला, जो इस क्षेत्र में प्रारंभिक मानव बस्तियों और रहन-सहन के बारे में नई जानकारी देता है। यरूशलम के हिब्रू विश्व विद्यालय और ताजिकिस्तान के राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी के पुरातत्वविदों की टीम ने इस बहु-स्तरीय पुरातात्विक स्थल की खोज की है। सोई हवजक नाम की इस साइट से प्रारंभिक मनुष्यों के प्रवास और विकास के बारे में महत्वपूर्ण साक्ष्य मिले हैं।

खुदाई में मिलीं हैं हड्डियां और पत्थरों की कलाकृतियां

स्किटेक डेली की रिपोर्ट के मुताबिक, हिब्रू विश्वविद्यालय में पुरातत्व संस्थान के प्रोफेसर योसी जैडनर और ताजिकिस्तान के राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी के डॉक्टर शारोफ कुर्बानोव की टीम ने पत्थर के औजारों, जानवरों की हड्डियों और प्राचीन वनस्पतियों की एक विशाल श्रृंखला को खोजा है। ये सभी खोज 20,000 से 1,50,000 साल पहले तक के कालखंडों की हैं।

आने वाले वर्षों में जारी रहेगी खुदाई

जैडनर ने बताया है कि सोई हवजक में खुदाई आने वाले वर्षों में जारी रहेगी। इससे गहरी परतों का पता लगाने और गहन विश्लेषण करने में मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि इस शोध से मध्य एशिया में मानव विकास के बारे में हमारी समझ को बढ़ाने की उम्मीद है, ऐसे में आने वाल समय में इस पर हमारी नजर बनी रहेगी।

भविष्य के लिहाज से अहम होगी खुदाई

प्रोफेसर जैडनर का कहना है कि इस खोज के मानव विकास और प्रवास के अध्ययन के लिए व्यापक निहितार्थ हैं। ये खासतौर से यह समझने में मदद करेगा कि प्राचीन मानव समूहों ने एक-दूसरे के साथ कैसे बातचीत की होगी। रिसर्च टीम का मानना है कि मध्य एशिया के पहाड़ी गलियारे में सोई हवजक मानव आबादी के महत्वपूर्ण संक्रमण बिंदु के रूप में काम कर सकता है, जिससे विशाल क्षेत्रों में मनुष्य पहुंचा होगा।

क्या बताती है नई खोज

प्रोफेसर जैडनर ने बताया है कि जेरवशान घाटी मुख्य रूप से मध्य युग में सिल्क रोड मार्ग के रूप में जानी जाती थी। इससे बहुत पहले यानी 150,000 साल पहले तक ये मानव विस्तार का रास्ता था। यह क्षेत्र आधुनिक होमो सेपियन्स, निएंडरथल, डेनिसोवन्स जैसी मानव प्रजातियों के लिए प्रवास मार्ग के रूप में काम कर सकता है, जो इस क्षेत्र में सह-अस्तित्व में रहे होंगे। उन्होंने कहा कि हमारे शोध का उद्देश्य यह पता लगाना है कि इन हिस्सों में रहने वाले मानव कौन थे और कैसे रहते थे। पुरातत्व टीम ने सोई हवजक में तीन क्षेत्रों की खुदाई की, जिसमें मानव गतिविधि की परतों का पता चला। अच्छी तरह से संरक्षित ये अवशेष प्राचीन जलवायु और पर्यावरण के बारे में अहम जानकारी देते हैं। साथ ही मानव अवशेषों की खोज की क्षमता भी देते हैं जो यह पहचान सकते हैं कि इस क्षेत्र में कौन सी मानव प्रजाति निवास करती थी।

मशीन या सुई का उपयोग नहीं किया गया

छह करोड़ मीटर धागा, बारह साल की मेहनत, हाथ से बनाया फूलों का बगीचा

एजेंसी ▶▶| शिमला

ऊटी के नीलगिरि जिले में बोट हाउस के सामने स्थित थ्रेड गार्डन अपने अनोखे अंदाज में पर्यटकों को आकर्षित करता है। इस गार्डन में हाथ से तैयार किए गए कृत्रिम फूलों, पौधों और अन्य संरचनाओं का अद्भुत संग्रह है, जिसे प्राकृतिक सुंदरता की तरह ही सजाया गया है। इस थ्रेड गार्डन का निर्माण लगभग 20 वर्षों की कड़ी मेहनत से किया गया है। 1988 में प्रोफेसर एंटनी जोसेफ के नेतृत्व में 50 महिलाओं की एक टीम ने इन फूलों को तैयार किया, जिसमें किसी भी मशीन या सुई का उपयोग नहीं किया गया। हर फूल और पत्ती धागे से हाथ से बुनी गई है, जो इस कला को बेहद खास बनाती है।

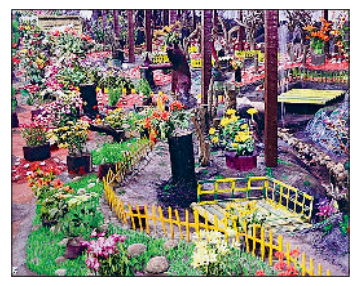

अनोखी सामग्री और सजावट

इस खूबसूरत नजारे को बनाने में कार्डबोर्ड, स्टील और तांबे के तार का इस्तेमाल किया गया। धागों को विभिन्न रंगों में लपेटकर फूलों की पंखुड़ियां बनाई गईं। इस अनोखे निर्माण को इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स, तमिलनाडु बुक ऑफ रिकॉर्ड्स और यूनिक वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में भी दर्ज किया गया है।

पर्यटकों के लिए ख़ास आकर्षण

ऊटी का यह थ्रेड गार्डन सिर्फ देखने के लिए नहीं, बल्कि खरीदने के लिए भी है। यहां से पर्यटक ये अद्भुत हस्तशिल्प अपने घर ले जा सकते हैं। गार्डन में काम करने वाले प्रदीप ने बताया कि इस गार्डन को बनाने में 50 महिलाओं की खास मेहनत लगी है और इसे बनाने में 12 साल का समय लगा. यहां वयस्कों के लिए 30 रुपए और बच्चों के लिए 20 रुपए का प्रवेश शुल्क है।

'मतिभ्रम' से परेशान हुई बूढ़ी महिला जल्द हो जाएगी अंधी, फिर भी है खुश

एजेंसी ▶▶| बेलफास्ट

आज हम आपको एक ऐसी महिला से मिलवाने जा रहे हैं, जो दुर्लभ मेडिकल कंडिशन की वजह से मतिभ्रम की शिकार है। 64 साल की उम्र की ये महिला धीरे-धीरे अंधेपन का शिकार हो रही है, लेकिन फिर भी अपना इलाज भी नहीं करवा रही है। इसकी वजह जानने के बाद आपको भी हैरानी होगी। आप भी सोचने लगेंगे कि आखिर ऐसा क्या है, जो महिला खुद को अंधा होते हुए देखना चाहती है? सबसे पहले बता दें कि आयरलैंड के बेलफास्ट की रहने वाली महिला का नाम एलेन मैकगौगन है, जो 64 साल की हैं।

हालांकि, अब एलेन को लगता है कि जब वे पूरी तरह से अंधी हो जाएंगी, तो मतिभ्रम पैदा करने वाली चीजें उनकी आंखों के सामने नहीं आएंगे। ऐसे में वो अंधेपन की वजह से इस दुर्लभ बीमारी से निजात पा लेंगी। एलेन ने कहा कि यह राहत की बात होगी। मैं सीबीएस के हस्तक्षेप के बिना अपने जीवन के बाकी हिस्से को अच्छे से जी सकती हूं। अभी मैं जो कुछ भी देखती हूं, उसके बारे में दो बार सोचना पड़ता है।

चौंकाने वाली है वजह!

आयुष्मान भारत योजना से इलाज
मित्तल हॉस्पिटल
कैंसर विभाग
कीमोथेरेपी | कैंसर सर्जरी | रेडियोथेरेपी
रायपुर
अवंति बाई चौक, पंडरी
फोन: 9343079151
91313 99570
भिलाई
टी.आई. मॉल के पास
फोन :7722880844,
0788-2294440
रायगढ़
मित्तल एपेक्स कैंसर यूनिट
एपेक्स हॉस्पिटल, रायगढ़
फोन : 7880158717
93291 42501
द्वारा अनुबंधित
ESIC RAILWAYS SECL CGHS TPA tpa
Deepak Advts.

कब्ज का काल
कब्ज नाल
आप ने बहुत से कब्जीयत की दवा ली परंतु बात नहीं बनी स्नेह कब्जनाल चूर्ण के पहले खुराक से पेट खुश तो आप भी खुश पेट के संपूर्ण रोगों के लिए आर्शीवाद यह नये-पुराने चिपके हुए मल को शोधन कर आँतों को साफ रखता है। बवासीर को ठीक करता है।
पेशाब से जाने वाले चिपचिपे पदार्थ को तुरंत रोकता है।
सभी मेडिकल व जनरल स्टोर में उपलब्ध
एक बार अवश्य प्रयोग करें
अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें
Mob. : 93032-42200

करुणा श्री
कैंसर हॉस्पिटल
अरबिंदो नेत्रालय के पास, पचपेड़ी नाका, रायपुर
कैंसर का इलाज संभव है
मुँह एवं गले का कैंसर
बच्चेदानी का कैंसर
स्तन कैंसर
रक्त सम्बन्धी विकार
पेट, लिवर, गुदा द्वार का कैंसर
+ उपलब्ध सुविधाएं +
कीमोथेरेपी
सर्जरी
रेडिएशन
इम्यूनोथेरेपी
आयुष्मान भारत योजना से अनुबंधित
अधिक जानकारी एवं सहायता हेतु संपर्क करें:
0771 4280003, 6232143778
#Rajesh

(NABH से मान्यता प्राप्त)
सुयश
हॉस्पिटल
माता-पिता बनने का अनमोल अहसास
स्त्री एवं पुरूष बांझपन की संपूर्ण जांच एवं इलाज
नि:संतान दंपत्तियों हेतु आधुनिक पध्दति से उपचार
अण्डाणु बनने की प्रक्रिया की जांच
हार्मोनल समस्या का ईलाज (PCOD)
बढ़ती उम्र की वजह से नि:संतानता का इलाज
फेलोपियन ट्यूब बंद का इलाज
ब्लास्टोसिस्ट ट्रांसफर की सुविधा
बार-बार गर्भपात की जांच एवं सफल इलाज
गर्भ संस्कार पर आधारित इलाज
संपूर्ण जांच एवं इलाज के लिए विश्वसनीय डॉक्टरों की टीम
प्रथम 15 पंजीयन में IVF/ICSI पैकेज में 20% की छूट
97551 62611
कोटा-गुढ़ियारी रोड़, होटल पिकाडली के पीछे, रायपुर
Ajay 9827144371

चीन के वैज्ञानिकों ने किया कमाल, पहली बार सुलझाया गया चंद्रमा का रहस्य

चांद से आई चट्टान की स्टडी में बड़ा खुलासा

एजेंसी ▶▶| बीजिंग

चीन के वैज्ञानिकों ने पहली बार चंद्रमा के सुदूर हिस्से के रहस्य को सुलझाने का कारनामा कर दिखाया है। पहली बार चीनी वैज्ञानिक और उनके अमेरिकी सहयोगी चंद्रमा के दूर वाले हिस्से पर ज्वालामुखी विस्फोटों की सटीक उम्र मापने में सक्षम हुए हैं। पहले इसके अंदाजा केवल रिमोट सेंसिंग के आकलनों के माध्यम से किया जाता था। इसी साल जून में चीन का चांग'ई-6 मून मिशन चंद्रमा से चट्टान का सैंपल लेकर पृथ्वी पर वापस आया था। इस सैंपल का अध्ययन करने के लिए बीजिंग और ग्वांगझोऊ में स्थित चीनी विज्ञान अकादमी के वैज्ञानिकों के नेतृत्व में दो शोध टीमों का गठन किया गया।

चंद्रमा के रहस्य का खुलासा

अध्ययन में पाया गया कि चंद्रमा के दूर हिस्से पर मौजूद सबसे पुराना और सबसे गहरा गड्ढा 2.8 अरब साल पहले एक सक्रिय ज्वालामुखी थी। इसके पहले अपोलो, लूना और चांग'ई-5 मिशनों के सैंपल के अध्ययन ने यह स्थापित किया था कि चंद्र ज्वालामुखी 4 अरब से 2 अरब वर्ष पहले हुआ था। ये सभी नमूने चंद्रमा के पास वाले हिस्से से जुटाए गए थे।

डिंपल्स कॉस्मेटिक सर्जरी द्वारा गालों में स्थायी डिंपल्स
छ.ग.शासन से मान्यता प्राप्त
कालड़ा बर्न एवं प्लास्टिक कॉस्मेटिक सर्जरी सेंटर
पचपेड़ी नाका, धमतरी रोड, कलर्स मॉल के पास, रायपुर
कॉल : 9827143060/8871003060
Ajay 9424201700

संजीवनी
CBCC कैंसर हॉस्पिटल
25+ डॉक्टर, 350+ स्टाफ, 18 साल का अनुभव
Unit -1 | Unit -2 | Unit - 3
हमारी सेवाएँ
• कैंसर एवं रोबोटिक सर्जरी • कीमो और इम्यूनोथेरेपी • रेडियोथेरेपी और PET स्कैन
• हेमेटोलॉजी एवं ब्लड कैंसर • न्यूक्लियर मेडिसिन • हिस्टोपैथ एवं I.H.C.
• हाई-डोज़ आयोडीन थेरेपी • बोन मैरो ट्रांसप्लांट • ब्लड बैंक
अतिशीघ्र जगदलपुर में
मरीजों के सुरक्षित एवं गुणवत्तापूर्ण इलाज के लिए पूर्ण NABH से मान्यता प्राप्त
अतिशीघ्र बिलासपुर में
दावड़ा कॉलोनी, पचपेड़ी नाका, रायपुर (छ. ग.) 7389905010, 04010, +917714081010, 4061010

24x7 Helpline: 85568 09999
Dr. Juneja's
ACCUMASS
वज़न बढ़ाए आत्मविश्वास जगाए
एक्यूमॉस आयुर्वेदिक ग्रेन्यूल्स

सर्वोत्तम संभव एवं भरोसेमंद इलाज
श्री मेडिशाईन हॉस्पिटल
॥ हर एक जीवन अनमोल ॥
आयुष्मान भारत, बिजुकार्ड तथा 34 अन्य कंपनियों से इलाज की सुविधा
इंटरनल मेडिसिन एवं क्रिटिकल केयर
प्रमुख उपचार
• मधुमेह • हृदय रोग • रक्तचाप
• उदर रोग • टी.बी. • दमा • सिकलिंग
• सर्पदंश से संबंधित बिमारियां • डेंगू
• मलेरिया एवं मस्तिष्क ज्वर
• जहरखुरानी (Poisning)
• अंतिगंभीर मरीजों के लिए नीम बेहोशी (कोमा) के मरीजों के उपचार
Dr. Anurag Agrawal MD (General Medicine)
Dr. Y. Malhotra MD (General Medicine)
Dr. Neha Pagare MD (General Medicine)
Dr. Ashit Naik MD (Anesthesiology)
पेपर कटिंग साथ में लाने पर विशेष रियायत दी जाएगी.
न्यू राजेन्द्र नगर, अमलीडीह, रायपुर (छ.ग.)
फोन: 0771-4222999
हेल्पलाइन नं.: 7880003497

चूहे चलाने लगे कार! वैज्ञानिकों ने किया ऐसा कारनामा

वॉशिंगटन। इंसानों को तो आप रोज ही कार चलाते देखते होंगे। फिल्मों में आपने बंदरों को गाड़ी चलाते देखा होगा। पर क्या कभी आपने चूहों को कार चलाते देखा है? हाल ही में वैज्ञानिकों ने चूहों को कार चलाने की ट्रेनिंग दी। ये नजारा देखकर किसी को भी अपनी आंखों पर यकीन नहीं हुआ। आप भी सोच रहे होंगे कि ये मुमकिन कैसे हुआ?

एक न्यूज वेबसाइट के अनुसार अमेरिका के यूनिवर्सिटी ऑफ रिचमंड ने चूहों के ग्रुप को प्लास्टिक से बनी छोटी कारें चलाना सिखाया है। बदले में उन्हें वो Froot Loops ब्रांड का सीरियल खाने को देते हैं, जो अनाज से बनता है। दरअसल, इस स्टडी की लीड वैज्ञानिक डॉ. केली लैंबर्ट ने बताया कि चूहों का दिमाग इंसानों की तरह होता है। उनके अंदर किसी भी स्किल को जल्दी सीख लेने की क्षमता होती है।

सबसे पहले वैज्ञानिकों ने छोटी सी प्लास्टिक की कार बनाई जो बिजली से चलने वाली थी। उन्होंने प्लास्टिक के डिब्बे में एलुमिनियम प्लेट लगा दी थी और फिर उसमें पहिए भी लगा दिए। फिर उस डिब्बे में कॉपर वायर लगा दिया गया था। कार चलाने के लिए चूहे एलुमिनियम प्लेट पर बैठते हैं और कॉपर वायर को छूते हैं। इससे सर्किट पूरा हो जाता है और गाड़ी चलने लगती है। चूहे अपने से दिशा चुन सकते हैं।

कठिन समस्याएं अब न होंगी
सच्ची सहेली है बेहतर स्वास्थ्य के लिए सबसे भरोसेमंद औषधि एवं टॉनिक
INDIA'S MOST TRUSTED BRAND
WORLD'S GREATEST BRANDS 2015-16 IUA
Clinically Tested*
*For efficacy and safety.
पूर्ण स्वदेशी, पूर्ण आयुर्वेदिक
67 दुर्लभ जड़ी-बूटियों से बना 'सच्ची सहेली' आयुर्वेदिक टॉनिक निम्न समस्याओं में विशेष सहायक है।
Helps in:
कठिन दर्द | चिड़चिड़ापन
थकान | कमजोरी
कमर कटना | इम्यूनिटी
सच्ची सहेली®
24x7 Helpline: 77106 44444 | www.sachisaheli.in | Available at all medical & general stores

स्वस्थ हृदय ही अच्छे स्वास्थ्य की पहचान है।
बैद्यनाथ
असली आयुर्वेद
अर्जुनामृत
• अर्जुनामृत में अर्जुन के अलावा विडंग, गोखरू एवं नागकेशर जैसे बहुमूल्य जड़ी - बूटीयों से युक्त होने से अधिक गुणकारी है।
• बढ़ती उम्र के लिए लाभकारी।
• अर्जुनामृत के साथ शुध्द शिलाजीत युक्त प्रभाकर बटी का सेवन विशेष लाभदायक है।
वैद्यकीय सलाह : 8448444935 www.baidyanath.co

खूनी व बादी बवासीर से राहत पाएं
एग्रो आयुर्वेद
एग्रो अर्श कल्याण कैप्सूल
20 वर्षों से भरोसेमंद औषधि
अब जियो खुलकर और पाओ
आपरेशन और दर्द से मुक्ति,
कब्ज से भी राहत पाएं।
पाचनतंत्र को ठीक रखें।
सुरक्षित समाधान और राहत का भरोसा।
"Piles फ्री खुशहाल जिंदगी"
आयुर्वेद के experts द्वारा लिखी गई यह गाइड आपको बवासीर के बारे में जानकारी प्रदान करेगी।
स्कैन करें और पाएं फ्री गाईड
Helpline No. +91 8899 500 500

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक अनिल कुमार द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशन्स, टिकरापारा, धमतरी रोड, रायपुर (छत्तीसगढ़)-492001 से मुद्रित एवं हरिभूमि काम्पलेक्स, टिकरापारा, धमतरी रोड, रायपुर (छत्तीसगढ़)-492001 से प्रकाशित। प्रधान संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी, स्थानीय संपादक धनंजय वर्मा, संपादक (समन्वय) ब्रह्मवीर सिंह। RNI No. CHHHIN/2002/07457, फोन : 0771-4242222, e-mail:raipur@haribhoomi.com